वर्ष : 02
अंक : 349
पृष्ठ : 08
मूल्य : तीन रुपये

वाराणसी, सोमवार, 08 अप्रैल, 2024

RNI No. : UPHIN/2023/84879

परिवर्तन दूत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

4 काले धन के समतुल्य हैं...

Email : pdnewsvns@gmail.com e-paper:www.parivartandoot.com

कंगना रनौत ने बताया देश के पहले... 8

संक्षिप्त खबरें

बंगाल में एनआईए टीम पर मुकदमा

कोलकाता। बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के भूपतिनगर से गिरफ्तार टीएमसी नेता मनोब्रत जना की पत्नी मोनी जना ने एनआईए अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि शुक्रवार 5 अप्रैल की देर रात एनआईए की टीम ने जांच के बहाने जबरन उनके घर में घुसने की कोशिश की। महिला ने अधिकारियों पर मारपीट, बदतमीजी और घर में तोड़फोड़ का आरोप लगाया है। एनआईए अधिकारियों के खिलाफ भूपतिनगर पुलिस थाने में आईपीसी की धारा 325, 34, 354, 354(बी), 427, 448, 509 के तहत शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की जांच की जा रही है। हालांकि, एनआईए ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों का खंडन किया है। जांच एजेंसी ने रविवार को प्रेस रिलीज जारी करके बताया कि उन्होंने कोई गैरकानूनी कार्रवाई नहीं की। एजेंसी कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्देश पर भूपतिनगर में 2022 में हुए बम धमाके की जांच करने पहुंची थी।

अनंतनाग से लोकसभा चुनाव लड़ेंगी महबूबा

नई दिल्ली। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने रविवार को लोकसभा चुनाव के लिए कश्मीर में तीन सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा की। पार्टी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती अनंतनाग निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ने वाली हैं। मुफ़्ती पहले भी अनंतनाग से सांसद रह चुकी हैं। बता दें, जम्मू-कश्मीर के एक और पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद भी अनंतनाग सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा श्रीनगर सीट से पार्टी के युवा नेता मोहम्मद वहीद पारा और बारामूला से बयाज अहमद भट्ट चुनाव लड़ने वाले हैं। महबूबा मुफ्ती और पीडीपी संसदीय बोर्ड के प्रमुख सरताज मदनी ने संवाददाता सम्मेलन में पार्टी उम्मीदवारों की घोषणा की।

कर्नाटक में बस पलटने से चार लोगों की मौत

चित्रदुर्ग (कर्नाटक)। कर्नाटक में बेंगलुरु से गोकर्ण जा रही एक निजी बस के होलालकेरे शहर के पास रविवार तड़के पलट जाने से चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना होलालकेरे शहर के बाहरी इलाके में अंजनेय मंदिर के पास हुई। हादसे में करीब 30 लोग जख्मी हुए हैं जिनमें से आठ की हालत नाजुक है। घायलों को होलालकेरे ताल्लुक अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि शव मुर्दाघर भेजे गए हैं।

कांग्रेस को जम्मू-कश्मीर से 370 हटने का दुख : मोदी

पश्चिम बंगाल में बोले पीएम- केंद्रीय एजेंसियों पर टीएमसी हमले करवा रही

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को बिहार के नवादा में रैली करने के बाद दोपहर 2:30 बजे पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी पहुंचे। यहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया। 30 मिनट की स्पीच में पीएम ने टीएमसी, कांग्रेस और भ्रष्टाचारियों पर निशाना साधा। मोदी ने खड़गे के कश्मीर को लेकर दिए बयान का भी जवाब दिया। मोदी ने कहा- कल (6 अप्रैल) कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मोदी दूसरे राज्यों में कश्मीर की बात क्यों करते हैं। उनके लिए कश्मीर कुछ नहीं है लेकिन 140 करोड़ भारतीयों के लिए कश्मीर मां भारती के मस्तक समान है। इसके साथ ही पीएम ने टीएमसी को कानून और संविधान को कुचलने वाली पार्टी बताया। मोदी ने कहा- यहां जब केंद्र की जाचं एजेंसियां आती हैं तो टीमएसी उन पर हमले

करती है और लोगों से करवाती है। संदेशखाली में क्या हुआ, पूरा देश जान चुका है।

प्रधानमंत्री 3 दिन में दूसरी बार पश्चिम बंगाल पहुंचे। इससे पहले 4 अप्रैल को उन्होंने कूचबिहार में रैली की थी। इसी दिन ममता बनर्जी ने भी कूचबिहार में ही रैली की थी। पीएम ने कहा था- संदेशखाली के दोषियों को मोदी सजा दिलवाकर ही रहेगा। उनकी बाकी जिंदगी जेल में ही कटेगी। मोदी ने कहा- ये चुनाव एक सांसद चुनने का नहीं, ये सशक्त सरकार बनाने का चुनाव है। जितनी मजबूत केंद्र सरकार होगी उतना मजबूत दुनिया का भारत पर भरोसा होगा। यहां ज्यादा निवेश आएगा, फैक्ट्रियां लगेंगी। बीजेपी सरकार ने जी-20 की मीटिंग नॉर्थ बंगाल में इसलिए रखी ताकि ये क्षेत्र इंटरनेशनल टूरिज्म पर पहुंचे। पीएम ने कहा- कुछ दिन पहले जलपाईगुड़ी के कई क्षेत्रों में तूफान से नुकसान हुआ। जिन्होंने अपनों को खोया उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के जल्द ठीक होने की कामना करता हूं। आज पूरे देश में पूरे बंगाल में एक ही गूंज सुनाई दे रही है, फिर एक बार मोदी सरकार। प्रधानमंत्री ने भी जलपाईगुड़ी जिले में तूफान से मची तबाही पर दुख जताया था। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा था- मेरी संवेदनाएं जलपाईगुड़ी-मैनागुड़ी इलाकों में तूफान से प्रभावित लोगों के साथ हैं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदनाएं। मेरी अपील है कि भाजपा कार्यकर्ता तूफान प्रभावित लोगों की मदद करें।

सत्य की जीत होगी : प्रियंका गांधी

बोलीं- पूरा विश्वास है कि जनता हमारा समर्थन करेगी

नयी दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में एक साथ होने वाले लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव से पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को विश्वास जताया कि राज्य के लोग उनकी पार्टी को समर्थन देंगे और सत्य की जीत होगी। प्रियंका ने कहा कि एक तरफ सत्ता के लिए धनबल और एजेंसियों के माध्यम से लोकतंत्र को खत्म करने वाली भाजपा की राजनीति है, जबकि दूसरी ओर सत्य, साहस और धैर्य से जनता के लिए अथक परिश्रम करने का कांग्रेस का संकल्प है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, मैं हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के सभी नेताओं से मिली। उनकी एकजुटता, मेहनत एवं मजबूती से चुनाव लड़ने के जज्बे और जनता के प्रति उनके समर्पण पर मुझे गर्व है।

प्रियंका ने कहा, 'एक तरफ भाजपा का भय, लालच और झूठ का साम्राज्य है। धनबल और एजेंसियों के माध्यम से सत्ता के लिए लोकतंत्र को खत्म करने वाली राजनीति है। दूसरी तरफ, कांग्रेस के

पास सत्य, साहस और धैर्य से जनता के लिए अथक परिश्रम करने का संकल्प है। कांग्रेस महासचिव ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि जनता हमारा साथ देगी और जीत सत्य की ही होगी। हिमाचल प्रदेश में एक जून को लोकसभा चुनाव के साथ छह विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव होंगे। बागी कांग्रेस विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने के बाद हिमाचल प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव कराने जरूरी हो गए हैं। हिमाचल प्रदेश में चार लोकसभा सीट हमीरपुर, मंडी, शिमला और कांगड़ा हैं। भाजपा ने 2019 में सभी चार सीट पर जीत हासिल की थी। बाद में, पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह ने तत्कालीन सांसद राम स्वरूप शर्मा के निधन के बाद 2021 में हुए उपचुनाव में मंडी सीट भाजपा से छीन ली थी। कांग्रेस सूत्रों ने पहले कहा था कि प्रियंका गांधी ने फरवरी में हिमाचल प्रदेश में जनादेश की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और वह भाजपा के ऑपरेशन लोटस को विफल करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और वरिष्ठ नेताओं के संपर्क में लगातार रहीं। प्रियंका गांधी 2022 में हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रचार अभियान का चेहरा थीं।

सरकार पर भरोसा नहीं, सुप्रीम कोर्ट के जज जांच करेंगे : अखिलेश

मुख्तार के घर पहुंचे सपा प्रमुख

गाजीपुर। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव रविवार को मुख्तार अंसारी के घर पहुंचे। उनका हेलिकॉप्टर अंसारी के घर से थोड़ी दूर शहीद इंटर कालेज में उतरा। इसके बाद अखिलेश काफिले के साथ मुख्तार के घर पहुंचे। यहां मुख्तार के भाई अफजाल और बेटे उमर अंसारी से मुलाकात की। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं से हाथ मिलाया। करीब 45 मिनट तक बातचीत के बाद अखिलेश वहां से बाहर निकले और फिर हेलीपैड

पहुंचे। सपा प्रमुख ने मीडिया से बात की और मुख्तार की मौत से जुड़े सवाल पर कहा कि सुप्रीम कोर्ट से सिटिंग जज से मामले की जांच कराई जाए तो मौत की सच्चाई सामने आएगी। अखिलेश से जब पूछा गया कि आपको न्यायिक जांच पर भरोसा है? तब उन्होंने कहा कि हमें इस सरकार पर ही भरोसा नहीं है।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में 'आप' का सामूहिक अनशन

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में पार्टी के प्रमुख नेता एक दिन के अनशन के लिए रविवार को यहां जंतर-मंतर पर एकत्र हुए। पार्टी नेताओं ने कहा कि अन्य राज्यों के साथ-साथ विदेश में भी भारतीय नागरिक इस प्रकार का विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जिनमें बोस्टन में हार्वर्ड स्क्वायर, लॉस एंजिलिस में हॉलीवुड साइन, वाशिंगटन में भारतीय दूतावास के बाहर, न्यूयॉर्क टाइम्स स्क्वायर और टोरंटो, लंदन तथा मेलबर्न समेत कई स्थान शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 'आप' शासित पंजाब में मुख्यमंत्री

भगवंत मान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह के गांव खटकर कलां में सामूहिक अनशन में शामिल हुए।

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष राम निवास गोयल, उपाध्यक्ष राखी बिड़लान, मंत्री आतिशी, गोपाल राय और इमरान हुसैन सहित 'आप' के कई वरिष्ठ नेता सुबह 11 बजे से राष्ट्रीय राजधानी के जंतर मंतर पर दिन भर के 'सामूहिक अनशन' पर बैठे। 'आप' की दिल्ली इकाई के संयोजक गोपाल राय ने लोगों से केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में अनशन में शामिल होने की अपील की।

नया भारत अपने नागरिकों को सुरक्षा देना भी जानता है- योगी

जयपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि नया भारत अपने नागरिकों को सुरक्षा देना भी जानता है और अपनी सीमाओं की सुरक्षा करना भी जानता है। साथ ही आदित्यनाथ ने प्रश्न किया कि क्या आतंकवादियों को मारा जाना सही नहीं है। आदित्यनाथ ब्रिटेन के प्रतिष्ठित समाचार पत्र 'द गार्जियन' की रिपोर्ट का जिक्र कर रहे थे जिसमें दावा किया गया था कि भारतीय खुफिया एजेंसियां 2019 के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति बढ़े दृष्टिकोण के तहत पाकिस्तान में लक्षित हत्याओं में शामिल थीं। राजस्थान के भरतपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते

हुए आदित्यनाथ ने कहा, तीन दिन पहले ब्रिटेन के एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र ने कहा था कि पाकिस्तान के अंदर 20 दुर्दांत आतंकवादी मारे गए हैं और यह संभव है कि भारत ने उन्हें मारा हो। जो लोग कल तक उन आतंकियों को पनाह देते थे वे अब एयर स्ट्राइक के डर से भारत के खिलाफ कुछ भी बोलने की हिम्मत नहीं कर रहे हैं।

चुनाव में प्रदर्शन खराब रहे तो राहुल ब्रेक लें-पीके

10 साल की नाकामी के बाद भी न हटे, न किसी को पार्टी चलाने दी

नई दिल्ली। 2024 लोकसभा चुनाव में अगर कांग्रेस को उम्मीद के अनुसार नतीजे नहीं मिलते तो राहुल गांधी को राजनीति से ब्रेक लेने पर विचार करना चाहिए। पॉलिटिकल स्ट्रेटजिस्ट प्रशांत किशोर ने न्यूज एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में यह बात कही। प्रशांत ने कहा- राहुल गांधी कांग्रेस को जिताने के लिए पिछले 10 साल से असफल प्रयास कर रहे हैं। बावजूद वे न तो राजनीति से अलग हुए और न ही

किसी और पार्टी का चेहरा बनने दिया। मेरी नजर में यह लोकतांत्रिक नहीं है। प्रशांत ने कहा- जब आप (राहुल गांधी) पिछले 10 साल से एक ही काम कर रहे हैं और उसमें कोई सफलता नहीं मिली है, तो ब्रेक लेने में कोई बुराई नहीं है। आपको इसे किसी और को पांच साल के लिए करने देना चाहिए। आपकी मां ने ऐसा किया था। प्रशांत ने कहा- पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की हत्या के बाद सोनिया गांधी ने क्या किया। 1991 में उन्होंने राजनीति से दूरी बना ली। कांग्रेस की कमान पीवी नरसिम्हा राव को दिया। उसका रिजल्ट आप सबको पता है। प्रशांत ने राहुल को लेकर कहा कि कांग्रेस की लड़ाई उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में है, लेकिन उनके नेता मणिपुर और मेघालय का दौरा करते हैं। अगर आप यूपी, बिहार और मध्य प्रदेश में नहीं जीते, तो वायनाड से जीतने का कोई फायदा नहीं है। अकेले केरल जीतकर आप देश नहीं जीत सकते। अमेठी छोड़ देने से भी गलत संदेश जाएगा।

बीजद ने दो 80 वर्षीय उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारे

बरहामपुर। ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) ने राज्य विधानसभा चुनाव के लिए 80-वर्षीय दो उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारे हैं। राज्य में विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनावों के साथ ही होंगे। बीजद ने गंजाम जिले की बरहामपुर विधानसभा सीट से 80 वर्षीय रमेश चंद्र च्याउपटनायक को मैदान में उतारा है, जहां से वह 2014 तक लगातार पांच बार चुने गए थे। पार्टी के 80 वर्षीय दूसरे उम्मीदवार बद्रीनारायण पात्रा हैं, जिन्हें बीजद ने क्योंझर जिले के घासीपुरा विधानसभा क्षेत्र से फिर से उम्मीदवार बनाया है।

ग्वालियर-बरौनी एक्सप्रेस में बम की अफवाह

बाराबंकी। ग्वालियर-बरौनी एक्सप्रेस ट्रेन ने बम की सूचना से यात्रियों के अफसरों में हलचल मच गई। रेलवे अधिकारियों ने लखनऊ की ओर जा रही ट्रेन को सुबह 9:41 पर बाराबंकी रेलवे स्टेशन पर रुकवा लिया। इसकी सूचना सेना के साथ स्थानीय पुलिस को दी गई। इसके बाद एएसपी चिरंजीव नाथ सिन्हा भारी पुलिस बल, दमकल और डॉग स्क्वायड टीम के साथ सर्च आप्रेशन चलाया। बम न मिलने पर करीब 50 मिनट बाद ट्रेन को 10:31 पर लखनऊ की ओर रवाना किया। इस बीच सुरक्षा जांच टीम भी ट्रेन में रवाना हुई। बरौनी से चलकर ग्वालियर जा रही एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 11124 में

रेलवे अधिकारियों को बम होने की सूचना मिली। रेलवे के अफसरों ने आर्मी, पुलिस, बम और डॉग स्क्वायड टीम को सूचित कर रविवार सुबह करीब 9:31 पर बाराबंकी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन को रुकवा लिया। यात्रियों को ट्रेन से उतार कर करीब 50 मिनट तक सर्च ऑपरेशन चलाया।

ट्रेन की बोगी में बम होने की सूचना पर यात्रियों में डर का माहौल बन गया। ट्रेन रुकने पर यात्रियों में अफरातफरी मची रही। इस बीच जांच कर रहे एएसपी चिरंजीव नाथ सिन्हा ने सभी यात्रियों से धैर्य रखने की अपील की। सेना और डॉग स्क्वायड टीम के साथ ट्रेन की बोगियों में रखे समानों और संदिग्ध वस्तुओं की जांच पड़ताल शुरू की। ट्रेन में सर्च ऑपरेशन पर पुलिस को किसी प्रकार का कोई विस्फोटक समान या संदिग्ध व्यक्ति नही मिला। एएसपी चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि ग्वालियर बरौनी एक्सप्रेस ट्रेन में फोन से लावारिस संदिग्ध वस्तु होने की जानकारी मिली थी। इसको लेकर जीआरपी, आरपीएफ आर्मी को टीमों को अलर्ट किया गया।

लोस चुनाव : शरद पवार-उद्धव ठाकरे के लिए राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई

मुंबई। लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार के रफ्तार पकड़ने के बीच महाराष्ट्र की दो प्रमुख क्षेत्रीय पार्टियों के नेता शरद पवार और उद्धव ठाकरे अपने राजनीतिक अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह चुनाव मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख अजित पवार के लिए भी परीक्षा के समान है, जिन्होंने अपने दलों में तोडफोड़ की और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत गठबंधन में शामिल हो गए, लेकिन ठाकरे और शरद पवार के लिए चुनौती अधिक बड़ी है क्योंकि वे सत्ता से बाहर हैं और उन्होंने अपने दलों - क्रमशः शिवसेना और राकांपा का मूल नाम और चुनाव चिह्न भी गंवा दिया है। निर्वाचन आयोग और महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष ने अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना

को असली राकांपा और असली शिवसेना के रूप में मान्यता दी है।

वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक प्रकाश अकोलकर ने कहा कि दोनों नेताओं को चुनाव में प्रभावशाली प्रदर्शन करने की जरूरत है, अन्यथा उनके राजनीतिक अस्तित्व के लिए खतरा पैदा हो जाएगा। अकोलकर ने कहा कि इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव तक अपने समूह को एकजुट रखने के लिए उद्धव ठाकरे के लिए जरूरी है कि उनके कम से कम छह-सात उम्मीदवार चुनाव जीतें। वरिष्ठ पत्रकार ने बताया कि ठाकरे को उतनी ही लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ना है जितनी सीट पर उनकी पार्टी ने तब चुनाव लड़ा था जब वह 2019 में भाजपा के सहयोगी थी तथा ठाकरे ने अबतक 21 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर ऐसा ही किया है जबकि कांग्रेस इनमें से कुछ सीट पर दावा कर रही थी। महाविकास आघाडी (एमवीए) में शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे के तहत राकांपा (शरदचंद्र पवार) 10 लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ रही है, लेकिन अकोलकर ने कहा कि शरद पवार के लिए अहम सीट उनके गृह क्षेत्र बारामती की है जहां उनकी बेटी और तीन बार की सांसद सुप्रिया सुले को अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार से चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अकोलकर ने कहा, अगर शरद पवार बारामती हार गए तो उनका सब कुछ खत्म हो जाएगा।

माओवाद प्रभावित कई इलाकों में पहली बार होगा मतदान

रांची। झारखंड के सिंहभूम लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में माओवाद से प्रभावित रहे कई अंदरूनी इलाकों में 13 मई को पहली बार या दशकों बाद मतदान होगा तथा मतदान दलों एवं आवश्यक सामग्री को हेलीकॉप्टर के जरिए इन स्थानों पर उतारा जाएगा ताकि एशिया के सबसे घने 'साल' जंगल सारंडा में रहने वाले लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। ये चुनाव कर्मी दूरस्थ स्थानों पर 118 बूथ स्थापित करेंगे। पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त सह जिला निर्वाचन अधिकारी कुलदीप चौधरी ने कहा, "हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि कोई भी मतदाता छूट न जाए... हमने ऐसे कई क्षेत्रों की पहचान की है जहां पहली बार या लगभग दो दशक के बाद मतदान होगा क्योंकि ये स्थान माओवादी उग्रवाद से बुरी तरह प्रभावित थे। स्थिति में सुधार के बावजूद पश्चिमी सिंहभूम देश में वामपंथी उग्रवाद से सर्वाधिक प्रभावित जिलों में से एक बना हुआ है।

अयोध्या : रामनवमी पर सात कतारों में होंगे रामलला के दर्शन

दोपहर 12 बजे श्रीराम के ललाट पर सूर्य किरण से अभिषेक की तैयारी

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या राम मंदिर में रामनवमी का भव्य आयोजन की तैयारी है। रामलला अपने भव्य धाम में पहली बार जन्मोत्सव मनाएंगे। इसकी तैयारियों को पूरा कराया जा रहा है। रामनवमी पर अयोध्या में लाखों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए मंदिर ट्रस्ट और जिला प्रशासन ने अपनी-अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी के साथ रामनवमी पर दोपहर 12 बजे रामलला के ललाट पर सूर्य किरणें उनका अभिषेक करें इसकी भी तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। राम मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र के मुताबिक वैज्ञानिक इस पर काम कर रहे हैं। इसके लिए कुछ विशेष यंत्रों की मदद से वैज्ञानिक लगे हुए हैं। पूरी कोशिश है कि इसी रामनवमी पर सूर्य किरणों से बालक राम के ललाट पर अभिषेक करें।

ट्रस्ट के निर्णय के मुताबिक राम जन्मभूमि पथ पर बैरिकेडिंग का निर्माण चल रहा है। अब रामलला के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को चार की जगह सात कतारों में भेजा जाएगा। इन सात लेन में दो लेन वीआईपी, एक लेन का मार्ग वीलचेयर के लिए व एक अन्य लेन फास्ट ट्रैक मार्ग के श्रद्धालुओं के लिए आरक्षित रहेगी। फास्ट ट्रैक मार्ग

से श्रद्धालु जूता चप्पल, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, पेन, घड़ी, मोबाइल के बिना प्रवेश कर सकेंगे। गर्मी को देखते हुए सभी ट्रैक पर शेड कवर और कारपेट भी बिछाया जाएगा। सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी पर बैरिकेडिंग के विरोध में यहां के दुकानदारों ने शनिवार को दुकानें बंद रखीं। दुकानदारों का आरोप है कि बैरिकेडिंग से श्रद्धालु दुकान तक नहीं पहुंच पाएंगे और उनकी बिक्री प्रभावित होगी। वहीं डीएम नीतीश कुमार ने बताया कि व्यापारियों की समस्या का हल निकाल लिया गया है। बैरिकेडिंग में गैप दिया जाएगा जिससे श्रद्धालु दुकानों तक जा सकेंगे। इससे रामनवमी मेले में कोई दिक्कत नहीं आएगी।

रामनवमी मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आसपास के जिलों से रोडवेज की 120 बसें चलाई जाएंगी। इसके लिए अयोध्या में एक अस्थाई बस भी बना दिया गया है, जहां स्पेशल बसों की सवारियां उतरेंगी। अयोध्या डिपो के एआरएम आदित्य प्रकाश के मुताबिक स्पेशल बसें 14 से 20 अप्रैल तक चलाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि अयोध्या डिपो की 50, सुलतानपुर एवं अकबरपुर डिपो की 30-30 व अमेठी डिपो की 10 बसें चलाई जाएंगी। पिछले वर्ष सबसे अधिक यात्री गोंडा, बहराइच, बस्ती, गोरखपुर, भिटरिया से आए थे। उन्होंने बताया कि अस्थाई बस अड्डा साकेत पेट्रोल पंप के पास 14 अप्रैल से शुरू होगा।

मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक मुख्य लक्ष्य 2024 के अंत तक मंदिर का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य है। मंदिर के प्रथम तल, द्वितीय तल, राम दरबार और कुबेर टीले का काम शुरू हो चुका है। सप्त ऋषि मंदिर की फाउंडेशन की खुदाई पूरी हो चुकी है। निर्माण में सबसे बड़ी चुनौती परकोटा यानी परिक्रमा निर्माण की है। परकोटा की लंबाई 750 मीटर है।

काशी के अस्सी घाट का हाल बदहाल

प्रधानमंत्री ने जगाई थी स्वच्छता की अलख

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र के अस्सी घाट से ह्यस्वच्छ भारत अभियानह्ल की शुरूआत की और उत्तर प्रदेश में अपने इस महत्त्वाकांक्षी अभियान को आगे बढ़ाया। केंद्र में सत्ता संभालने के बाद अपने निर्वाचन क्षेत्र के पहले दो दिवसीय अति व्यस्त दौरे को समेटते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी के सबसे प्राचीन अस्सी घाट पर स्वच्छता अभियान की शुरूआत की थी।

आज इस घाट के पास तीन दिनों से कूड़े का ढेर लगा हुआ है जहां पर छुट्टा पशुओं आकर घूम रहे हैं। जिससे आने-जाने वाले तीर्थ यात्री और पर्यटक काफी समस्या हो रही है। तीन दिनों से पड़े इस कूड़े पर नगर निगम का निगाह नहीं पड़ रहा है। वहीं अब इसमें से बदबू भी आने लगी है। छुट्टा पशु जो कूड़े के आसपास घूम रहे हैं उनके द्वारा इस कूड़े को फैला दिया गया है। परंतु नगर निगम का कोई भी सक्षम अधिकारी साफ सफाई करने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है।बता दें कि छुट्टा पशुओं के कारण आए दिन घटना दुर्घटना होती रहती है। यहां पर फैला कूड़ा स्वच्छता अभियान को भी मुंह चिढ़ा रहा है। जबकि नगर निगम प्रशासन द्वारा साफ सफाई के लिए लाभ दावे किए जाते हैं परंतु जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल ही अलग दिखाई पड़ रही है।

वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि आए दिन ऐसी शिकायत देखने को मिलती है। जबकि हम लोगों द्वारा यहां पर सफाई करने वालों से भी कहा जाता है। कूड़ा पर इकट्ठा कर देते हैं परंतु वहां से हटाने की जहमात नहीं उठाते। ऐसे में काशी के प्रसिद्ध घाट घूमने आने वाले पर्यटकों के मन मस्तिष्क में काशी के प्रति कैसा छवि जाएगी, यह तो आने वाला समय ही बतायेगा, परंतु नगर निगम को कोसते जरूर नजर आएंगे।

विश्वनाथ धाम में भक्तों के अचेत होने की सूचना भ्रामक-प्रशासन

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में रविवार की भोर से दर्शनार्थियों की लंबी कतार लगी है। भीड़ के दबाव में सुबह से दोपहर एक बजे तक नौ श्रद्धालुओं के अचेत होने की सूचना सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी। वहीं मंदिर प्रशासन ने इस सूचना को भ्रामक बताया है। मंदिर परिसर में भक्तों को राहत पहुंचाने के लिए जर्मन हैंगर लगाया गया है। साथ ही फर्श पर मैट भी बिछाया गया है।रविवार को दोपहर में काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शनार्थियों की लंबी कतार लगी रही। पिछले कुछ घंटे से आम दर्शनार्थियों की लाइन केसीएम सिनेमा के आगे तक लगी रही। दोपहर तक कुल 9 यात्री तेज धूप और उमस से बेहोश होने की सूचना भी वायरल होने लगी। वायरल सूचना के अनुसार अचेत होने वालों में भुसावल महाराष्ट्र के 3 लोग, कानपुर के 2 लोग और गुजरात के 4 श्रद्धालु हैं।

हास्टल में फैली अव्यवस्था को लेकर छात्रों ने किया प्रदर्शन

वार्डन के खिलाफ की नारेबाजी,डीन ऑफ स्टूडेंट को दिया ज्ञापन

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय स्थित लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास के छात्रों ने छात्रावास के सामने मुख्य मार्ग पर धरना-प्रदर्शन किया। छात्रों ने वार्डन व विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। छात्रों ने मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना का आरोप लगाया। वहीं वार्डेन को तत्काल हटाने की मांग की। छात्रों के विरोध प्रदर्शन की सूचना पर प्राक्टोरियल बोर्ड की टीम मौके पर पहुंची। अपने 20 सूत्री मांगों को लेकर छात्रों ने वार्डन पर आरोप लगाते हुए कहा कि हमें बिना कारण ही अकेले बुलाकर शारीरिक तथा मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। हॉस्टल से निकालने की भी धमकी दी जाती है। हॉस्टल में न तो लाइब्रेरी खोली जाती है और न ही खेलने कूदने का सामान दिया जाता है। यहां पर वाटर कूलर भी कई माह से बंद पड़े हैं। धरने पर बैठे छात्र पंचम ने कहा कि हॉस्टल में लगभग 11 वाटर कूलर हैं, लेकिन 1-2 को छोड़कर सभी खराब हैं।इसके आलावा हॉस्टल में एक कॉमन रूम है। उस पर भी वार्डन ने ताला चढ़ा दिया है। सिर्फ अपनी उपयोगिता के लिए कॉमन रूम को खोला जाता है। छात्रों ने कहा कि हॉस्टल में कैंटीन है लेकिन वहां सही तरीके से मैनेजमेंट नहीं है। नियमित रूप से कैंटीन नहीं चल रहा है। छात्रों ने कहा कि हॉस्टल में खेलने कूदने के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं है न ही उससे जुड़े उपकरण हम लोगों को दिए जाते हैं। छात्रों ने हॉस्टल के दुश्वारियां को लेकर कुल 20 सूत्री मांग विश्वविद्यालय प्रशासन के सामने रखी। इसको लेकर छात्रों ने डीन ऑफ स्टूडेंट को ज्ञापन दिया छात्रों ने कहा कि अगर हमारी मांग पूरी नहीं हुई तो हम बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

कूड़ाघरों की जगह बनेगा पोर्टेबल कामपेक्टर स्टेशन

बंद होंगे शहर के तीन बड़े कूड़ाघर

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। क्योटो शहर के तर्ज पर साफ बनने के लिए नगर निगम लगातार प्रयासरत है। निगम शहर को गार्बेज फ्री बनाने की तैयारी में जुट गई है। इसको लेकर शहर में आदमपुर, बाकराबाद, माछेदार और आजाद पार्क के तीन कचरा डंपिंग सेंटर यानी कूड़ा घरों को बंद करने का फैसला लिया गया है। नगर निगम द्वारा इन कूड़ा घरों को चरणबद्ध तरीके से बंद किया जाएगा। इसके साथ तीन स्थानों पर पोर्टेबल कांपेक्टर स्टेशन बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

नगर निगम द्वारा शहर में 21 कूड़ा घरों का निर्माण किया गया था। लेकिन उसके बाद स्वच्छ भारत मिशन के तहत दो साल पहले 6 कूड़ा घरों को बंद करने का फैसला लिया गया। इस बार 3 और कूड़ा घर बंद किए जा रहे हैं, जिसके अनुसार शहर के 9 कूड़ा घर बंद हो जाएंगे। अब शहर में कुल 12 कूड़ा घर बचे हैं। बता दें कि जिन-जिन स्थानों के कूड़ा घरों को बंद किया गया था, वहां पोर्टेबल कांपेक्टर स्टेशन बनाए गए हैं। कचरा प्रबंधन की दिशा में नगर निगम के नित नए कदम बढ़ रहे हैं। इस दिशा में विभाग ने एक कदम और बढ़ाया है। अब तक घर से सूखा व गीला कचरा की निकासी नहीं हो रही है जिसके लिए लोगों को जागरूक नकिया जाएगा। सफाई कर्मचारी लोगों को गीला व सूखा कचरा अलग-अलग करने को जागरूक करने के लिए लोगों के घरों-घरों तक जाएगी। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रदीप कुमार ने बताया कि आयुक्त के आदेश पर चरणबद्ध तरीके से तीनों कूड़ा घरों को बंद कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि निगम की प्लानिंग है कि शहर में स्थित सभी कूड़ा घर को शहर से बाहर स्थापित करा दिया जाए। इसके लिए प्लानिंग और जगह देखी जा रही है।

श्रद्धालुओं में वितरित किया गया प्रसाद

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। संकल्प संस्था की ओर से चौक पर प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें काशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को व अन्य लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। संस्था के सदस्यों ने चौक पर स्टॉल लगाया। दर्शन के लिए आए अनिल शर्मा ने कहा कि संस्था द्वारा संचालित प्रसाद वितरण की व्यवस्था से श्री काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन करने वाले सैकड़ों श्रद्धालुओं को प्रसाद मिल रहा है।

दर्शनार्थी हेमलता ने कहा कि इस तरह की व्यवस्था व्यापक होने के साथ अन्य तीर्थ स्थानों पर भी होनी चाहिए जिससे श्रद्धालुओं को लाभ मिले। संस्था के प्रमुख अनिल कुमार जैन ने कहा कि लोगों की सेवा करके खुशी मिलती है। संस्था की ओर से समाज सेवा के लिए काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम में दूर-दूर से लोग दर्शन करने आते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रसाद वितरित किया जा रहा है।

तमंचा लेकर रंगबाजी का रील बनाना पड़ा भारी, पुलिस ने भेजा जेल

बंदूक के साथ गांजा भी बरामद, लग चुका है गैंगेस्टर

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। अवैध देसी तमंचा लहराकर रंगबाजी का रील वीडियो पोस्ट करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। वाराणसी कमिश्नरेट की लंका पुलिस ने उस युवक को सामनेघाट स्थित जजेज गेस्ट हाउस के पास से अरेस्ट किया है। उसके ऊपर आर्म्स एक्ट समेत 2 धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई की गई। रील में असलहा लहराने वाले युवक का नाम उत्तम राजभर (21) है। उसके पास से 0.12 बोर के गन के अलावा, गोली और सवा 2 किलोग्राम गांजा भी बरामद किया गया। पुलिस की पूछताछ में उत्तम ने बताया, अपने शौक और रंगबाजी के लिए गन रखता है। इसे लोगों को दिखाकर डराता हूं और धाक जमाता हूं। इससे उसका हर एक काम आसान हो जाता है। लंका थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्रा ने बताया, युवक को गिरफ्तार कर एनडीपीएस और आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया। उन्होंने बताया कि इसके पहले भी इस उत्तम राजभर पर कई मुदकमे दर्ज हो चुके हैं। इस पर गैंगस्टर एक्ट भी लग चुका है। शिवाकांत के पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल समेत पुलिस अधिकारियों ने इस तरह की किसी भी बरामदगी से अनभिज्ञता जताई है। 19 मार्च को दिल्ली के गोविंदपुरी में जेपी नड्डा की पत्नी मल्लिका नड्डा की कार चोरी हो गई थी। इसे लेकर कार ड्राइवर जोगिंदर सिंह की तहरीर पर दिल्ली पुलिस में चोरी का एक मुकदमा भी दर्ज किया गया था। इसमें बताया गया था कि दिल्ली में गोविंदपुरी स्थित आरडी मार्ग, सुभाष खंड गिरी नगर में दोपहर बाद 3 बजे से 4 बजे के बीच फॉर्च्युनर कार चोरी हो गई थी। एफआइआर के बाद इस मामले में जांच अधिकारी हेड कॉन्स्टेबल मुरारी लाल मीना को बनाया गया। तब से पुलिस इस कार की तलाश में जगह-जगह दबिश दे रही थी।

अपने कर्मो का संपादन ही कर्मयोग

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। जो व्यक्ति न तो किसी से द्वेष करता है और न ही किसी वस्तु की आकांक्षा करता है और शास्त्र निहित अपने समस्त कर्मों का संपादन करता है वही कर्मयोगी है, वही सन्यासी है तथा राग द्वेषादि द्वांदो से रहित व्यक्ति संसार बंधन से मुक्त हो जाता है। उक्त विचार मालवी भवन में रविवासरीय गीता प्रवचन में प्रोफेसर रमाकांत पांडेय ने व्यक्त किए। प्रो. पांडेय ने कहा कि गीता वह शास्त्र है जो अनादि काल से मानव मात्र का पथ प्रदर्शन कर रहा है। आरंभ में अतिथियों का स्वागत सचिव प्रोफेसर उपेंद्र कुमार त्रिपाठी ने, संचालन तथा मिश्रा ने कहा कि अभियुक्त से बरामद गांजा के बारे में पूछताछ की गई तो बताया कि झोले में गांजा लेकर निकलता है। उसकी छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर बाजार में बेच देता है। इसी से अपनी रोजी-रोटी चलाता है।

धन्यवाद ज्ञापन संयुक्त सचिव डॉक्टर सरदींदु कुमार त्रिपाठी ने किया। भजन गायन संगीत संकाय के छात्रों द्वारा और गीता वचन सत्यनारायण पांडेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय छात्र कर्मचारी एवं प्राध्यापक उपस्थित रहे।

संकटमोचन मंदिर के पास सड़क पर बह रहा गंदा पानी

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। भेलूपुर थाना के संकटमोचन मंदिर के पास सड़क पर गंदा पानी बह रहा है। इससे मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा। स्थानीय निवासी इसको लेकर कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय नागरिक मोहित जायसवाल ने बताया कि पिछले चार-पांच दिनों से गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। इसको लेकर कई बार शिकायत की गई, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं किया गया। इससे परेशानी बरकरार है। कहा कि फ्रूट प्लाजा का प्राइवेट चैंबर है जिसमें से आए दिन सीवर का गंदा पानी सड़क मार्ग पर बहता है। लोग घरों से नहा धोकर स्वच्छ साफ कपड़ा पहनकर दर्शन पूजन को आते हैं परंतु इस गंदे पानी से लोगों को होकर गुजरना पड़ता है।

वहीं दुर्गाकुंड क्षेत्र के पार्षद अक्षयबर सिंह ने कहा कि इस समस्या का शिकायत हमने तीन दिन पूर्व ही जल कल से कर दिया था, परंतु अभी तक जलकल ने किसी भी प्रकार का ध्यान नहीं दिया और न ही इसको साफ कराया। इसके चलते सीवर का गंदा पानी सड़क मार्ग पर बह रहा है।

'नव संवत्सर अभिसिंचन समारोह' नौ को

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। नौ अप्रैल को विक्रम संवत-2081 की शुरूआत हो रही है। वाराणसी में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से 'नव संवत्सर अभिसिंचन समारोह' होगा। ये आयोजन पिछले 24 साल से लगातार हो रहा है। शिवाला घाट पर सुबह 5 बजे से धेय गीत, प्रभाती गायन और सूर्य अर्घ्यदान किया जाएगा। इसके बाद नए हिंदू वर्ष का स्वागत किया जाएगा। इसमें वेद पाठ, डमरू वादन, शंख वादन, लोक नृत्य की प्रस्तुतियां होंगी। सुबह के 6 बजकर 5 मिनट पर नव संवत्सर के बाकी कार्यक्रम होंगे। साढ़े 6 बजे से वंदेमातरम गायन के साथ ये कार्यक्रम समाप्त हो जाएगा। प्रांत प्रचारक रमेश ने कहा कि इस कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा युवाओं और महिलाओं की भागीदारी रहेगी। साथ ही बौद्धिक वर्गों की भी मौजूदगी रहेगी। ये पूरा कार्यक्रम संस्कार भारती द्वारा कराया जा रहा है।

जेपी नड्डा की पत्नी की कार बनारस से बरामद

दिल्ली से चोरी के 18 दिन बाद मिली कार

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। दिल्ली से 18 दिन पहले चोरी हुई बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा की पत्नी मल्लिका नड्डा की फॉर्च्युनर कार वाराणसी में बरामद हो गई है। साथ ही पुलिस ने दो आरोपी चोरों शाहिद और शिवांग त्रिपाठी को गिरफ्तार किया है। जानकारी मिली है कार को नागालैंड ले जाकर बेचने की तैयारी की जा रही थी।

सूत्रों के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार की बरामदगी की गई है। बीते 19 मार्च को यह कार दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके से दोपहर बाद 3 से 4 बजे के बीच चोरी हो गई थी। कार का ड्राइवर जोगिंदर सिंह सर्विस के लिए गोविंदपुरी लेकर गया था। कार सर्विसिंग में देकर अपने घर खाना खाने गया था, तभी कार चोरी हो गई थी। ड्राइवर ने एफआइआर के लिए दिल्ली पुलिस को तहरीर दी थी। कार चोरी के बाद दिल्ली पुलिस सीसीटीवी खंगालकर आरोपियों की तलाश में वाराणसी पहुंची और मौके से गिरफ्तार कर लिया। वाराणसी के किस इलाके में ये आरोपी और कार बरामद की गई है, इसकी जानकारी वाराणसी पुलिस के पास नहीं है। वाराणसी

विद्यापीठ में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। काशी विद्यापीठ ने यूजी और पीजी के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले का आवेदन तिथि को अप्रैल के अंतिम सप्ताह तक आनलाइन कराने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय प्रशासन नए सत्र में दाखिले के लिए रूपरेखा तैयार करने में जुटा हुआ है। इस क्रम में प्रवेश समिति की बैठक अप्रैल के द्वितीय सप्ताह में बुलाने की तैयारी है। जिसमें प्रवेश परीक्षा फार्म के तिथि पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। विद्यार्थी स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा और व्यावसायिक के कुल 67 पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए छात्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। स्नातक के 10 पाठ्यक्रम, व्यावसायिक पाठ्यक्रम 10, डिप्लोमा के 15 विषय, छह नए पाठ्यक्रम और परास्नातक के 26 विषयों के लिए आवेदन का मौका है।

यूपी कालेज मे 25 अप्रैल से शुरू होगा आवेदन

काशी विद्यापीठ प्रशासन ने मुख्य परिसर के साथ गंगापुर, भैरव-तालाब व एनटीपीसी सोनभद्र परिसर के विभिन्न पाठ्क्रमों में दाखिले का आवेदन भी आनलाइन किया जाएगा। वहीं यूपी कालेज ने स्नातक व स्नातकोत्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमर्मी में दाखिले का आवेदन 25 अप्रैल तक आनलाइन करने का निर्णय लिया है। प्राचार्या प्रो. धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि प्रवेश परीक्षाएं जून के अंतिम सप्ताह या जुलाई के प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित

स्कूलों के मनमाना फिस व किताबों के महंगे दर पर चर्चा

बाल आयोग की संगठनों व अभिभावक संघ की बैठक संपन्न

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य निर्मला पटेल की अध्यक्षता में सामाजिक संगठनों और अभिभावकों के मध्य रविवार को राजातालाब स्थित एक लान में आरटीई, मनमाना फीस वृद्धि, किताब ड्रेस को खास दुकानों से खरीदने सबंधी विवादों के समाधान के लिए उत्तर प्रदेश फीस विनियमन अधिनियन 2018 को लेकर रविवार को हिमाद्री ट्रस्ट और आसरा फार चेंज ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में बैठक की आयोजन किया गया। हिमाद्री ट्रस्ट के अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य निर्मला पटेल, आराजीलाईन ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि डा. महेंद्र सिंह पटेल, उत्तर प्रदेश अभिभावक संघ के अध्यक्ष हरी ओम दुबे, आसरा फार चेंज के प्रमुख अजय पटेल, स्वैच्छिक सेवा प्रदाता शिक्षिका पूजा गुप्ता सहित बड़ी संख्या में अभिभावक शामिल थे। आसरा फार चेंज ट्रस्ट के प्रमुख अजय पटेल ने बैठक के आयोजन में शामिल होने के लिए बाल आयोग की सदस्य निर्मला पटेल का आभार जताया। उनका कहना था कि शिक्षा संवैधानिक अधिकार है, भारतीय संस्कृति में गुरु शिष्य परंपरा रही है जिसमें गुरु का दर्जा भगवान से ऊपर दिया गया है। करोड़ो बच्चे प्रदेश में स्कूली शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं जो कि प्रदेश की सम्पूर्ण जनसंख्या का 25 प्रतिशत से अधिक है, उस पर क्या असर दूरगामी होने वाला है यह कोई नहीं सोच रहा। बच्चों के पूर्ण शिक्षा से दूर रहने के दूरगामी परिणामों पर होने वाले दुष्प्रभाव पर शिक्षा के अधिकारियों और सरकार को संज्ञान लेना होगा।

बैठक में आए सुझाव और शिकायत- अभिभावकों ने मनमाना फिस वृद्धि, किताबों को महँगी दर पर स्कूल या खास दुकान से बाध्यकारी एकाधिकार, आरटीई से दाखिला नहीं लेने, अवैध धनराशि स्कूलों द्वारा माँगने नहीं देने पर एडमिशन नहीं लेने, नाम काटने, भेदभाव आदि की शिकायत रखी। अभिभावक संघ के अध्यक्ष अधिवक्ता हरीओम दुबे ने आरटीई के बच्चों की गोपनीयता रखने को कहा ताकि बच्चों के साथ भेदभाव नहीं होगा।बैठक का संचालन राजकुमार गुप्ता ने किया वही अतिथियों का स्वागत अभिभावक संघ के पदाधिकारियों ने किया। बैठक में राजीव वर्मा, अधिवक्ता राम कुमार पटेल, बाबु लाल राय, पंकज पाठक, प्रमोद पाल, मनोज पटेल सहित बडी संख्या में अभिभावक शामिल रहे।

मौसम में उतार-चढ़ाव जारी, बूंदाबादी के आसार

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। अप्रैल के पहले सप्ताह में गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है। पिछले दो-तीन दिनों से मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। आसमान में बादलों की आवाजाही बढ़ गई है। ऐसे में सोमवार को बूंदाबादी व बारिश के आसार हैं। इससे तीखी धूप और गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी।फरवरी में पश्चिमी विक्षोभ की वजह से मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। कभी धूप तो कभी बारिश देखने को मिला। फरवरी माह में करीब सात बार मौसम बदला। हालांकि मार्च के तीसरे हफ्ते से मौसम साफ हो गया था। दिनोंदिन धूप की तल्खी बढ़ने लगी थी। तेज धूप लोगों को बेहाल करने लगी।अप्रैल के पहले सप्ताह में मौसम का हाल कुछ ऐसा ही रहा। कभी तेज धूप तो कभी गर्म हवा के थपेड़ों ने लोगों को झुलसाया। हालांकि पिछले दो दिनों से मौसम में उतार-चढ़ाव का दौर जारी है। आसमान में बादलों की सक्रियता बढ़ गई है। आसमान में बादलों की आवाजाही का सिलसिला जारी है। इससे कभी धूप तो कभी छांव का दौर जारी है। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो सोमवार को हल्की बूंदाबादी और बारिश हो सकती है।

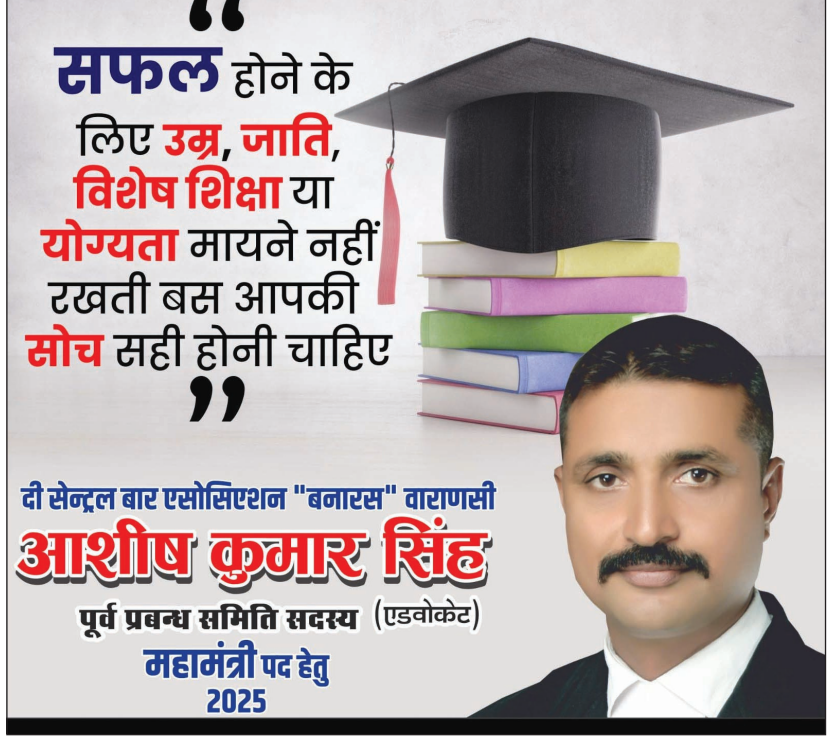

गेहूं की खड़ी फसल में लगी आग

दो बीघे की फसल जलकर राख, आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। बड़ागांव थाना क्षेत्र के धनंजयपुर (पश्चिमपुर) गांव में रविवार को दोपहर लगभग 3:30 के करीब अचानक गेहूं के खेत में आग लग गई। जिससे अफरा-तफरी मच गई। जबतक ग्रामीण और आसपास के किसान आग पर काबू पाते तब तक लगभग दो बीघा खेत में खड़ी गेहूं की फसल जलकर नष्ट हो गई। जानकारी के अनुसार घटना स्थल के पास गांव निवासी रतन लाल, रणजीत, लालबहादुर, चंद्रमा देवी फुला देवी के खेत में पककर तैयार गेहूं के खेत में अचानक आग लग गई। जिससे फसल जलकर राख हो गई। आसपास के लोगों की मदद से मौके पर पहुंचे किसानों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। वहीं दो किसानों की लगभग दो बीघे गेहूं की फसल नष्ट हो गई है।

आग जलते गेहूं के खेत में देख आसपास के किसानों ने समरसेबल मशीन को चालूकर आग पर पानी फेंककर काबू पाया। जलकर नष्ट हुए फसल की कीमत 25 हजार रुपए बताई जा रही है। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

तमंचे संग फोटो डालने वाला युवक गिरफ्तार

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। इलाके में दहशत और भौकाल बनाने के उद्देश्य से फेसबुक पर तमंचे के साथ फोटो लगाकर लोगों में रौब झाड़ना युवक को भारी पड़ गया। लालपुर पुलिस ने युवक को देशी तमंचे के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक राजकुमार ने बताया की सोशल मीडिया पर एक युवक की तमंचे के साथ फोटो वायरल हुई थी। फोटो वायरल होने के बाद पुलिस जांच में जुटी हुई थी। मुखबिर की सूचना पर चौकी प्रभारी पांडेपुर संतोष कुमार यादव, कॉन्स्टेबल बलराम प्रसाद ,अरविंद यादव की टीम ने बघवा नाले इलाके से युवक को गिरफ्तार कर लिया और उसके निशानदेही पर वरुणा नदी के किनारे प्लास्टिक की पन्नी में लपेटकर जमीन में छुपाया गया 315 बोर का असलहा भी बरामद कर लिया। पकड़ा गया युवक जान मोहम्मद उर्फ जानू पुत्र मोहम्मद शरीफ निवासी विराटनगर कॉलोनी, पांडेपुर थाना कैंट का रहने वाला है। पकड़े गए युवक के विरुद्ध पूर्व मे वाराणसी के कैंट थाने मे मारपीट, बलवा सहित एससी एसटी का मुकदमा भी पंजीकृत है। जिस मामले में वह जेल भी जा चुका है। लालपुर पुलिस द्वारा पकड़े गए जान मोहम्मद उर्फ जानू के विरुद्ध मुकदमा दर्जकर आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

अलग-अलग स्थानों से दो अभियुक्त गिरफ्तार तमंचा- कारतूस बरामद

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। बड़ागांव पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर देर रात से लेकर सुबह 6 बजे के बीच अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास से 315 बोर के अवैध तमंचे एवं दो जिंदा कारतूस बरामद किया गया। गिरफ्तार एक युवक शिवपुर थाने का वांछित अभियुक्त हैं। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बीरा पट्टी से पयागपुर चौराहा जाने वाले रास्ते पर अवैध असलहे के साथ दीपक पटेल निवासी बीरा पट्टी को एक 315 बोर का तमंचा व एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। इसी तरह उप निरीक्षक प्रिंस तिवारी ने मुखबिर की सूचना पर एक व्यक्ति जो शिवपुर थाने के आपराधिक मुकदमे में वांछित है। वह रामनगर गांव के समीप खड़ा है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने बताए गए स्थल पर घेराबंदी करते हुए संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ किया। उसने अपना नाम प्रमोद पाण्डेय ऊर्फ छोटू निवासी रसुलपुर बताया। पुलिस को प्रमोद पाण्डेय पास से तलाशी में एक 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

हिंदू नववर्ष के दिन निकलेगी हनुमान ध्वजा प्रभात फेरी

परिवर्तन दूत

वाराणसी। श्री हनुमान ध्वजा प्रभात फेरी की ओर से पिछले 23 सालों से प्रभात फेरी निकाली जा रही है। प्रभात फेरी धर्म संघ दुगाकुंड से निकलकर संकट मोचन दरबार तक जाती है। वहां पर विधि विधान के साथ भगवान संकट मोचन का आरती पूजन अर्चन के बाद प्रसाद का वितरण किया जाता है। इसमें हजारों की संख्या में भक्त ध्वजा लेकर निकलते हैं। 15 दिनों तक हनुमान ध्वज प्रभात फेरी निकाला जाता है। इस प्रभात फेरी में सैकड़ो की संख्या में लोग दूर-दूर से शामिल होने के लिए आते हैं। सुबह 5:00 बजे से प्रभात फेरी निकलती है जो दुगाकुंड से प्रारंभ होकर संकट मोचन बाबा के दरबार पहुंचने में 1 घंटे लग जाता है। उस दौरान लोग अपने हाथों में ध्वज लिए रहते हैं हिंदू नव वर्ष से प्रभात फेरी आरंभ होता है और हनुमान जयंती तक चलती है। हनुमान जयंती के दिन हनुमान ध्वज यात्रा में विभिन्न प्रकार के लाग विमान प्रसाद वितरण ढोल नगाड़ा डमरू दल सहित महिलाएं हाथ में पूजा की थाली और पुरुष लोग नृत्य करते हुए दुगाकुंड से प्रारंभ होकर संकट मोचन तक जाते हैं।आयोजन से जुड़े कौशल शर्मा ने बताया कि हनुमान ध्वज प्रभात फेरी पांच लोगों से प्रारंभ हुई थी। अब हजारों की संख्या में लोग इस हनुमान ध्वज यात्रा में शामिल होते हैं। उन्होंने बताया कि इस शोभायात्रा में सुबह लोग नहा धोकर पहुंचते हैं। यह भी बताया कि इस ध्वज यात्रा में पांडेयपुर सारनाथ, पड़ाव से लोग पहुंचते हैं। यह शोभा यात्रा सुबह 5:00 बजे से प्रारंभ होता है और 1 घंटे में संकट मोचन बाबा के दरबार में पहुंचता है। यह शोभायात्रा 2001 से प्रारंभ हुई थी।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024
वोट डालने जाना है
अपना फर्ज निभाना है
1 जून 2024 को अपना अमूल्य मत अवश्य दें।
खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, वाराणसी
जिलाधिकारी, वाराणसी

कैंट स्टेशन पर खुलेगा नया अमानती घर

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। कैंट रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए एडीआरएम भवन के पास नया अमानती घर खोला जाएगा। इसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं। एडीआरएम और स्टेशन निदेशक ने अमानती घर के लिए चिह्नित स्थान का निरीक्षण भी किया है। वहीं, अमानती घर के पास ही दो नए एटीवीएम भी लगेंगे, यहां यात्रियों को जनरल टिकट की भी सुविधा मिलेगी। इसके बन जाने के बाद कैंट स्टेशन के तीनों प्रवेश द्वार समेत चार स्थानों पर एटीवीएम की सुविधा यात्रियों को मिलेगी। कैंट स्टेशन निदेशक गौरव दीक्षित ने बताया कि अमानती घर खोले जाने की तैयारियां चल रही हैं। पास ही दो नए एटीवीएम भी लगेंगे। कैंट स्टेशन भवन के पहली मंजिल पर एफओबी और सीढ़ी के पास जनआहार को भी चौड़ा किया जाएगा। जगह कम होने के कारण यात्रियों को आवाजाही में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जनआहार को पीछे आईआरसीटीसी कार्यालय में समाहित किया जाएगा। आईआरसीटीसी कार्यालय को कहीं अन्य शिफ्ट किया जाएगा। रेल अधिकारियों ने बताया कि जनआहार के किचन को ऐसा बनाया जाएगा कि यात्री भी खाना बनते हुए देख सकेंगे। कैंट स्टेशन के इंट्री गेट पर ऑटो, ई-रिक्शा के खिलाफ आरपीएफ ने शनिवार को भी अभियान चलाया। इस दौरान अनधिकृत ऑटो और ई-रिक्शा आदि सकुर्लेटिंग एरिया में प्रवेश नहीं कर सके।

ऑक्सीकरण प्रक्रिया से शोधित हो रहा अस्सी नाला

नमामि गंगे परियोजना के तहत सीवर मुक्त गंगा का संकल्प हो रहा साकार

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। दशकों के इंतजार के बाद नमामि गंगे परियोजना के तहत अस्सी घाट पर नाले का संपूर्ण मल सीधे गंगा में न जाए। इसके लिए अब आशा की किरण जगी है। बता दें कि अस्सी नाले के 50 एमएलडी सीवर को नगवा पंपिंग स्टेशन से रमना सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट भेजा जा रहा है। वहीं, अस्सी नाले के बचे हुए 30 एमएलडी सीवर को उन्नत ऑक्सीकरण प्रक्रिया द्वारा शोधित किया जा रहा है। बता दे कि अभी यह प्रक्रिया ट्रायल के रूप में शुरू हुई है। रविवार को संत रविदास घाट स्थित नगवा पंपिंग स्टेशन पर पहुंची गंगा सेवी नमामि गंगे टीम को यह जानकारी उपलब्ध हुई। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला के नेतृत्व में अस्सी नाले के 30 एमएलडी सीवर की शोधन प्रक्रिया को जांचा और परखा गया। बता दें कि उन्नत ऑक्सीकरण प्रक्रिया (एडवांस्ड ऑक्सीडेशन प्रोसेस) के जल उपचार के क्षेत्र में कई फायदे हैं । इस नई टेक्निक से अब खराब और गंदे पानी को भी पीने के लायक बनाया जा सकेगा। यूवी-फोटोकैटलिसिस पर पर आधारित यह तकनीक नगर निगम के सीवेज और औद्योगिकी इकाइयों से निकलने वाले अत्यधिक प्रदूषित खराब पानी का भी ट्रीटमेंट कर सकती है। गंगा सेवक नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि भारत की शाश्वत पहचान आस्था और आजीविका मां गंगा के लिए नमामि गंगे परियोजना के तहत किया जा रहा कार्य संजीवनी साबित हो रहा है। इस दौरान इंजीनियर आशुतोष सिंह व आपरेटर प्रशांत सिंह मौजूद रहे।

भाजपा एमएलसी हंसराज ने कार्यकर्ताओं संग की टिफिन बैठक

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। एमएलसी/जिला अध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा ने रोहनिया विधानसभा के कर्मदेश्वर मंडल के ग्राम सभा कंचनपुर बूथ संख्या 185 पर बूथ अध्यक्ष व पन्ना प्रमुखों के साथ टिफिन बैठक किया। इस अवसर पर बूथ अध्यक्ष विजय विश्वकर्मा, मंडल उपाध्यक्ष बिहारी पटेल, जयप्रकाश पटेल, मनोज पटेल, रमेश शर्मा, माता प्रसाद, संदीप कुमार, प्रभू गौड़, रमेश पटेल, राजू प्रजापति, रामचंद्र गौतम, अजय विश्वकर्मा, अनिरुद्ध विश्वकर्मा,हिमांशु विश्वकर्मा आदि लोग उपस्थित रहे ।

पांच किलो गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। मिर्जामुराद में स्थानीय पुलिस ने एक युवक को 5 किलो अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक उप निरीक्षक धीरज कुमार अपने हमराही कौशल किशोर, रजनीश कुमार और पीयूष के साथ क्षेत्र के भोरकाला(लखवाचट्टी)के पास मौजूद थे। मुखबिर ने आकर सूचना दिया कि जोगापुर से जोगियापुर की तरफ एक व्यक्ति अवैध गांजा लेकर जा रहा है। कहीं बेचने की फिराक में है। पुलिस मुखबिर की सूचना पर विश्वास कर मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंची तो एक व्यक्ति झोला लेकर आ रहा था। पुलिस को देखकर वह व्यक्ति भागने लगा। पुलिस ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम अखिलेश उम्र 30 वर्ष निवासी जोगापुर मिर्जामुराद बताया। उसने बताया कि उसके पास अवैध गाजा हैं। जिसके डर से वह भागने की कोशिश किया।

अभिभावकों से बच्चों को स्कूल भेजने की अपील

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। विकास खंड आराजीलाइन के प्राथमिक जूनियर हाईस्कूल और कंपोजिट विद्यालय के शिक्षकों ने रैली निकाली। स्कूल चलो अभियान के तहत विद्यार्थियों के साथ ही शिक्षकों ने सभी पढ़े सभी बढ़े का नारा लगाते हुए गांव की गलियों में घूमते रहे। शिक्षक गांव के बच्चों का शत प्रतिशत नामांकन कराने के लिए लोगों को जागरूक करते रहे। गांव में अभिभावकों से मिलकर उनके बच्चों को परिषदीय विद्यालयों में भेजने का आह्वान किया। खंड शिक्षा अधिकारी आराजीलाइन शशिकांत श्रीवास्तव ने बताया कि लक्ष्य है कि पिछले वर्ष की तुलना से अधिक बच्चे इस वर्ष परिषदीय विद्यालयों में नामांकन हो। स्कूल चलो अभियान को लेकर क्षेत्र के टड़िया में रैली निकाली गई।

युवा महोत्सव के विजेताओं को दिए गए 38 मेडल

संपूर्णानंद विवि में रोहित-देवेंद्र को मिले 9 मेडल

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में इंटर फैकल्टी यूथ स्पोर्ट्स स्पर्धा के विजेताओं का सम्मान किया गया। योग साधना केंद्र में 100 मीटर, गोला फेंक, बैडमिंटन, शतरंज, क्रिकेट और बालीवॉल गेम्स में जीते हुए खिलाड़ियों को मेडल और सर्टिफिकेट दिए गए। सबसे ज्यादा 5 मेडल और सर्टिफिकेट रोहित कुमार मिश्र को मिले। उन्हें कबड्डी, क्रिकेट ,बैडमिंटन और शतरंज गेम के लिए पुरस्कार दिया गया। वहीं, दूसरे स्थान पर देवेंद्र गौतम को 4 मेडल मिले। उन्हें दौड़, कबड्डी, बालीवॉल और गोला फेक के लिए मेडल दिए गए। इनके अलावा, संदीप पांडेय, आशुतोष, मनीष दीक्षित को 3-3 मेडल और प्रमाणपत्र मिले। इनके अलावा, श्याम शंकर, सुजीत त्रिपाठी, डूंगर शर्मा, विजय शुक्ल, प्रवीण मिश्र, आशुतोष पांडेय, हिमांशु द्विवेदी, विवेक पांडेय, जय शुक्ल, प्रशांत उपाध्याय, हरिओम पांडेय, बृजेश तिवारी, शत्रुघ्न, गोपाल, ज्ञान, अनुज पांडेय, आदित्य, निरंजन, कुश तिवारी, अमित कुमार आदि खिलाड़ियों को एक-एक मेडल और सर्टिफिकेट दिए गए। कुलपति प्रो बिहारी लाल शर्मा ने कहा कि कैंपस में 4 दिनों तक चले इंटर फैकल्टी यूथ स्पोर्ट्स स्पर्धा में जीते खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. शर्मा ने कहा कि खेल से आपसी सामंजस्य, सामूहिकता और गोल अचीव की भावना पैदा होती है। खेल को हमेशा टीम भावना से ही खेलना चाहिए।

करधना गांव में रोड किनारे कूड़े का अंबार

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। जहां एक ओर स्वच्छ भारत अभियान ने सफाई के प्रति जन जागरूकता और उत्साह का संचार किया है। वहीं अनेक स्थानों पर रोड किनारे कूड़े का जमा होना यह दशार्ता है कि अभी भी सभी लोगों को इस दिशा में बहुत कार्य करने की आवश्यकता है। विकासखंड सेवापुरी के करधना गांव में रोड किनारे कूड़े के अंबार लगा हुआ है। पास में रखा हुआ कूड़ेदान भर गया है, समय से रखरखाव और देखभाल न होने के कारण लोग मजबूरन खुले में कूड़ा फेंक रहे हैं। जिससे न केवल पर्यावरणीय समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं, बल्कि यह जन स्वास्थ्य के लिए भी एक बड़ी चिंता का विषय है। रोगाणुओं, कीटों और जीवाणुओं के पनपने का उत्तम स्थान प्रदान करती है।

बीएचयू के स्कूलों में ई-लॉटरी से 356 सीटों पर दाखिला

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के तीनों स्कूलों में ई-लॉटरी से 356 सीटों पर सेलेक्शन हो गया है। अब 19 अप्रैल से लेकर 25 अप्रैल तक एडमिशन की औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। सेंट्रल हिंदू ब्वॉयज स्कूल, सेंट्रल हिंदू गर्ल्स स्कूल, श्री रणवीर संस्कृत स्कूल में एडमिशन की प्रक्रिया आज से शुरू हुई है। इसमें एलकेजी, नर्सरी, क्लास 1 और क्लास 6 का एडमिशन ई-लॉटरी से होना है। गर्ल्स स्कूल की प्राइमरी कटेगरी में क्लास बाल वाटिका 2 में 120 सीट, ब्वायज स्कूल बरकछा में क्लास 3 की 40 सीटें, श्री रणवीर संस्कृत स्कूल के क्लास 1 में 40 सीटें और क्लास 6 के लिए 156 सीटों पर सेलेक्शन किया गया। मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र में एडमिशन की पूरी प्रक्रिया सेंट्रल हिंदू ब्वायज स्कूल द्वारा कराई जा रही है। स्कूल बोर्ड की डिप्टी वाइस प्रेसीडेंट प्रो.सुषमा घिल्डियाल, लॉटरी कमेटी के प्रेसीडेंट प्रो. जीपी सिंह और चीफ प्रॉक्टर भी मौजूद रहे।

सूरज की तपिश से सूख रहा हलक

नारियल पानी की बढ़ी डिमांड

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। गर्मी बढ़ने के साथ ही शहर में नारियल की बिक्री बढ़ गई है। गिरिजाघर चौराहे पर बाहर से आने वाले पर्यटक नारियल का पानी पी रहे हैं। तीखी धूप में शीतलता और तत्काल ऊर्जा देने वाले नारियल पाना की मांग बढ़ी है। जानकार बताते हैं कि अभी तक छह से सात हजार पीस प्रतिदिन मांग वाला हरा नारियल अब 1 लाख पीस प्रतिदिन की मांग हो रही है। वहीं, थोक फल एवं सब्जी मंडी में हर दूसरे दिन 50 हजार से एक लाख पीस नारियल आ रहा है और शहर में कई जगहों पर अब ये आसानी से सुलभ है। नारियल पानी के सेवन के सेहत पर कई फायदे भी हैं। थोक विक्रेता विवेक ने बताया कि थोक दाम 40 से 50 रुपये प्रति पीस है। फुटकर विक्रेता जमकर मनमानी कर रहे हैं। फुटकर विक्रेताओं ने प्रति पीस मूल्य 60 से 70 रुपये कर दिया है। वाराणसी शहर में जगह-जगह नारियल पानी की दुकानें लगने लगी हैं। अस्पतालों और स्कूल-कॉलेजों के बाहर नारियल पानी के ठेले लगने लगे हैं। नारियल पानी सेहत के लिए कई मायनों में रामबाण है। नारियल पानी त्वचा के साथ पेट और आंखों के लिए भी फायदेमंद होता है। ब्लडप्रेशर के मरीज इसका सेवर प्रतिदिन करें तो काफी हद तक यह बीमारी से राहत पहुंचाता है। इसके साथ ही शरीर की झुर्रियां, पिम्पल्स और एग्जिमा की समस्या से भी छुटकारा दिलाता है। खाली पेट नारियल पानी पीने से आंखों की रोशन भी बढ़ती है।

पीएम आवास को एक हफ्ते में करें पूरा- बीडीओ

वाराणसी (परिवर्तन दूत)। हरहुआ में बीडीओ राजेश बहादुर सिंह सरकारी योजनाओं की प्रगति का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समय से काम पूरा करने का आदेश दिया। हरहुआ विकास खंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोईराजपुर मे शौचालय तोड़े जाने की सूचना पर कोईराजपुर भी गए। उनके साथ ज्वाइंट बीडीओ बद्री प्रसाद वर्मा तथा एडीओ पंचायत मयंक मोहन गौड़ भी मौजूद रहे। बीडीओ हरहुआ ने शौचालय तोड़ने की शिकायत की पड़ताल की तो पता चला कि किसी अन्य व्यक्ति की निजी भूमि पर शौचालय बनाया गया था जिसे भूस्वामी ने तोड़वा दिया। राजेश बहादुर सिंह ने भूस्वामी को निर्देशित किया कि जल्द से जल्द लाभार्थी को नया शौचालय बनवाएं। ताकि लाभार्थी को आर्थिक नुकसान न हो। इस पर उभय पक्ष सहमत हुए। सेक्रेटरी सौरभ श्रीवास्तव को इसकी मॉनिटरिंग सौंपी गई। उन्होंने बन रहे पीएम आवास को एक सप्ताह के अंदर पूरा करने का आदेश दिया। काम पूरा नहीं होने पर अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिदिन होनी चाहिए फॉगिंग- काशीवासी

नगर निगम 108 मशीनों से रोस्टरवार कर रहा फॉगिंग

परिवर्तन दूत

वाराणसी (सं.)। शहर में बढ़ते मच्छरों के प्रकोप को देखते हुए नगर निगम की ओर से फागिंग की व्यवस्था बनाई गई है। इसके लिए शहरी क्षेत्र में मच्छरों के प्रकोप वाले 70 हॉटस्पॉट चिन्हित किए हैं। जहां प्रत्येक वार्ड में एंटी लार्वा, दवाओं का छिड़काव व फॉगिंग कराने जा रहा है। इसके लिए निगम के कर्मचारी,पार्षद व स्थानीय नागरिकों का सहयोग लिया जा रहा। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पीके शर्मा का कहना है कि जिन क्षेत्रों में मच्छरों का प्रकोप ज्यादा है, वहां स्थानीय पार्षद से सलाह लेकर उक्त स्थानों पर दवाओं का छिड़काव कराया जा रहा है। शहर में दवाओं के छिड़काव और फॉगिंग के लिए प्रतिदिन 10 लीटर डीजल और 2 लीटर पेट्रोल की खपत की जा रही है। इस कार्य के लिए नगर निगम में प्रत्येक वार्ड में एक मशीन की व्यवस्था की है। मौजूदा समय में 108 छोटे-बड़े मशीनों का प्रयोग करके 100 वार्डों में फॉगिंग की है। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पीके शर्मा ने बताया कि निगम ने शहरी क्षेत्र में करीब 70 हॉटस्पॉट क्षेत्र चिन्हित किए हैं। जिसमें एक वरुणा जोन का भी क्षेत्र शामिल है। इसके लिए मलेरिया विभाग से संपर्क करके दवाओं का छिड़काव किया जा रहा है। नगर निगम मच्छरों से निबटने के लिए लगातार अभियान चला रहा है। नगर निगम ने इसके लिए टोल फ्री नंबर 1533 जारी किया है। जिस पर मच्छरों से संबंधित शिकायत की जा सकती है। शहरी इलाकों की कॉलोनियों में जगह-जगह गंदगी और जलजमाव की समस्या बनी हुई हैं। इसको लेकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से लोगों द्वारा नगर निगम में शिकायत की गई हैं। अधिकारियों का कहना है कि जहां से भी शिकायत प्राप्त होती है उसका समाधान 24 घंटे के अंदर कर दिया जाता हैं। कुछ जगहों पर तत्काल भी कार्य करा दिया जा रहा हैं। वाराणसी के अस्सी क्षेत्र के रहने वाले वरूण ने बताया कि हमारे गली के बाहर पानी लग जाता हैं और शाम को मच्छर भी अधिक लगते हैं पिछले चार दिन में बस एक मैजिक गाड़ी से फॉगिंग कराया गया था।

शुरू किया विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान

जनपद में मच्छर जनित रोग जैसे डेंगू, मलेरिया एवं संचारी रोगों की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग 30 अप्रैल तक अभियान चला रहा है स्वास्थ्य समेत 10 विभागों के सहयोग से अभियान के अंतर्गत डेंगू, मलेरिया, दिमागी बुखार आदि के साथ ही टीबी, कुष्ठ, कालाजार एवं फाइलेरिया के लक्षणयुक्त मरीजों को भी चिन्हित करने पर जोर रहेगा। जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि अभियान के दृष्टिगत शहरी क्षेत्र में 70 और ग्रामीण क्षेत्र में 101 हॉट स्पॉट बनाए गए हैं जहां विशेष विशेष जोर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनपद में वर्ष 2022 में मलेरिया के 78, वर्ष 2023 में 27 रोगी पाये गए। जबकि वर्ष 2022 में डेंगू के 562 व वर्ष 2023 में 451 रोगी पाये गए। वर्ष 2022 में चिकनगुनिया के 45 और वर्ष 2023 में 124 रोगी पाये गए। वहीं इस साल अब तक डेंगू के 2 और चिकनगुनिया के 6 रोगी मिले हैं। मलेरिया के एक भी रोगी नहीं पाये गए।

परिवर्तन दूत

संपादकीय

वेंटिलेटर पर है भारतीय लोकतंत्र

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उनकी आबकारी शराब नीति के लिए गिरफ्तार किया है। ईडी को व्यापक रूप से भारतीय जनता पार्टी का अंग माना जाता है। ईडी का दावा है कि यह शराब नीति कुछ लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए तैयार की गई थी। जिन कुछ लोगों को इसका फायदा हुआ उन्होंने केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी को रिश्वत के रूप में सौ करोड़ रुपये दिए जिनका उसने गोवा में चुनाव लड़ने के लिए इस्तेमाल किया। इस प्रकार अपराध (रिश्वत) की आय को चुनावी उद्देश्यों के लिए वैध बनाया गया था जो धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) यानी मनी लांड्रिंग का प्रकरण बनता है। केजरीवाल को 22 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और न्यायपालिका के अलग आदेश आने तक 28 मार्च तक प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेजा गया। गिरफ्तारी को सही ठहराने वाले सबूत कहते हैं कि केजरीवाल ने रिश्वत ली थी। मुकदमा अभी शुरू नहीं हुआ है और सबूत यह है कि कुछ संभावित सरकारी गवाह हैं। आरोपपत्र भी अभी तैयार नहीं हुआ है और यह कि ईडी कार्यालय द्वारा नौ समन जारी किए जाने के बावजूद केजरीवाल द्वारा पूछताछ के लिए कार्यालय जाने से इनकार करना इस बात का संकेत है कि वे इस अपराध में शामिल हैं। इसी कारण से उनकी गिरफ्तारी की गई है। यह सब लोकसभा चुनावों की पूर्व संध्या पर हो रहा है जो नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरा कार्यकाल दे सकता है। सवाल यह है कि यह प्रकरण क्या दर्शाता है?क्या अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी कानूनी तौर पर जायज थी? यहां तक कि अगर आप इस आधार से शुरू करते हैं कि सभी राजनेता बेईमान हैं, तो भी इसका एक ही जोरदार जवाब है- नहीं। सत्तारुढ़ हर राजनीतिक दल का काम राजकोषीय नीतियों को कानून बनाना है। सिर्फ इसलिए कि इस तरह की नीति जनता के एक वर्ग को लाभ पहुंचाती है या लाभ प्रदान करती है, यह अपने आप में एक विधेय अपराधिक कृत्य की उत्पत्ति नहीं हो सकती है जिससे मिली आय पीएमएलए के दायरे में आती है। अब तक सामने आए सबूत कमजोर, संदिग्ध और संभवतरू विशिष्ट उद्देश्य से प्रेरित हैं। शराब नीति के श्लाभार्थियोंश् से आप के खजाने तक धन की आवाजाही को साबित करने के कोई ठोस सबूत नहीं है। यह न्यायपालिका पर निर्भर करता है कि वह मामलों को ठीक करे और केजरीवाल को जल्द से जल्द जमानत पर रिहा करने का आदेश दे। अफसोस की बात है कि कुल मिलाकर भारत में जमानत न्यायशास्त्र निराशाजनक है जो राज्य और अभियोजन पक्ष के पक्ष में है। यह जानते हुए भी कि वास्तविक मुकदमे में असाधारण रूप से देरी हो सकती है जिससे अभियुक्त को अपनी बेगुनाही साबित करने का अवसर नहीं मिलता है, अदालतें अक्सर अपराध के एक संदिग्ध को दंडित करने के साधन के रूप में जमानत से इनकार करती हैं। महिलाओं को इस संबंध में कुछ हद तक वैधानिक रूप से विशेषाधिकार प्राप्त हैं लेकिन यह एक और गंभीर चर्चा का विषय है। यह कहने के लिए पर्याप्त अवसर है कि न्यायिक प्रणाली, विशेष रूप से निचली अदालतें आरोपी के साथ उदार नजर नहीं आती हैं। एक अधिक प्रभावशाली शिकायतकर्ता अपने से कम प्रभावशाली विरोधी के नुकसान के लिए मामले में हेरफेर कर सकता है। मोदी बनाम केजरीवाल मुकाबले में परिणाम पहले से तय मालूम होता है। केवल जमानत न देकर केजरीवाल को चुनावी मैदान से बाहर रखा जा सकता है।जब किसी राष्ट्रीय पार्टी के नेता को दौड़ से बाहर रखा जाता है तो ऐसे में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनावों का क्या होगा? लोकतंत्र वेंटिलेटर के लिए रोता है। इस जीवन निर्वाह उपकरण का प्रभारी कौन है? फिलहाल तो मोदी हैं और जब तक कि निम्नलिखित दोनों परिस्थितियां न बनती हों और वे मोदी के हाथ को स्विच से दूर करने का प्रयास न करें। पहला, ममता बनर्जी और वामपंथियों समेत पूरे विपक्ष को अपने महत्वहीन मतभेदों को भुलाकर भाजपा के खिलाफ संयुक्त चुनावी जंग लड़नी होगी। एक भी लोकसभा सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला नहीं होना चाहिए। भाजपा के पास देश के 36 प्रतिशत वोट हैं। शेष 64 फीसदी वोट यदि निराश नहीं हैं तो भी निश्चित रूप से सत्तारूढ़ दल पर मोहित नहीं हैं। मोदी इस बात को जानते हैं। दूसरी, और शायद अधिक महत्वपूर्ण बात है कि न्यायपालिका, विशेष रूप से सर्वोच्च न्यायालय को मजबूती के साथ स्वतंत्र रहना चाहिए। अगर निष्पक्ष चुनाव के हित में हो तो केजरीवाल को समय पर जमानत मिलनी चाहिए। यहां तक कि अगर अदालत केजरीवाल को जमानत देने की इच्छुक हो तो वह उनसे वचन भी ले सकती है कि चुनाव के बाद वे एक बार फिर खुद ईडी के समक्ष आत्मसमर्पण कर देंगे। लोकतंत्र के हित में ऐसा हो सकता हो, तो ऐसा ही सही। चुनावी मैदान से एक राष्ट्रीय पार्टी को बाहर रखने की कोशिश में लोकतंत्र की मौत की घंटी बज गई है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड योजना को केवल इसलिए रद्द कर दिया क्योंकि उसे लगा कि सार्वजनिक महत्व के मामलों में गोपनीयता लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। यह एक गंभीर स्थिति है। प्रधानमंत्री पद के तीसरे कार्यकाल के आकांक्षी ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को जेल में बंद कर दिया। इसके बावजूद उसकी आकांक्षाओं की एक वैध चुनौती को पूरी तरह से समाप्त नहीं किया जा सकता है। यह वैश्विक चिंता का विषय है कि भारत में लोकतंत्र बना रहे। हम ऐसे भावी लोकतंत्रों से घिरे हैं जो युवा और महत्वाकांक्षी हैं जहां रूस और चीन एक होने का दिखावा भी नहीं करते हैं। हमारे नागरिकों को अपनी पसंद का प्रतिनिधि चुनने के निरंकुश विकल्प से वंचित करके उनसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता छीन लें तो समझिये कि लोकतंत्र मर चुका है।

काले धन के समतुल्य हैं इलेक्टोरल बॉण्ड

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

चुनावी बॉण्ड असंवैधानिक करार कर उनसे राजनैतिक दलों को चुनाव फंडिंग न किये जाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यह संज्ञान में रहना चाहिये कि कम-से-कम मान्य चुनावी प्रक्रियाओं के संदर्भ में चुनावी बॉण्ड से मिला धन शुचिता वाला धन न होकर काले धन के समतुल्य ही था। दुखद यह रहा कि जब प्रजातांत्रिक चुनावों में काले धन का वर्चस्व हर बीतते चुनावों के साथ बढ़ता ही जा रहा था, चुनावी बॉण्ड की गुमनामी धनराशि भी उसी रूप में इसमें मददगार भी हो रही थी। जब ये ऐन चुनावों के पहले जारी होते थे, तब तो खासकर इनसे पाये करोड़ों रुपयों से राजनैतिक दलों को चुनाव लड़ने में आसानी होती थी। लगभग पांच साल देरी से आये इस निर्णय से पहले चुनावों में गैर-बराबरी जारी थी। इससे कई दलीय उम्मीदवारों की हार-जीत पर असर भी पड़ा होगा। जब चुनावी फंडिंग की चुनावी बॉण्ड योजना आई थी, तो संसदीय परम्परा के विशेषज्ञ सुभाष कश्यप का विचार था कि राजनैतिक दल चुनावों में कालेधन का भारी उपयोग करते हैं। राजनैतिक दलों को इन बॉण्डों को देने वालों का नाम जाहिर करना बाध्यकारी नहीं है, अतरू पारदर्शिता का अभाव तो रहेगा ही। जिनका गैर-कानूनी काम किया गया है वे भी तो नेताओं के कहने पर उनके दलों को बॉण्ड दे सकते हैं। फर्जी कम्पनियों के माध्यम से राजनैतिक बॉण्ड खरीदकर राजनैतिक आकाओं के दलों को उपकृत करने की संभावनाओं से भी इन्कार नहीं किया जा सकता। ऐसा धन राजनैतिक इस्तेमाल के लिए शुचिता वाला धन कैसे हुआ? अक्टूबर 2023 में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी का बयान था कि इलेक्टोरल बॉण्ड के पहले जो कुछ पारदर्शिता थी वह भी खत्म हो गई। पहले राजनैतिक दलों को बीस हजार रुपये और उससे ज्यादा धन देने वालों की सूची चुनाव आयोग के पास होती थी। वह

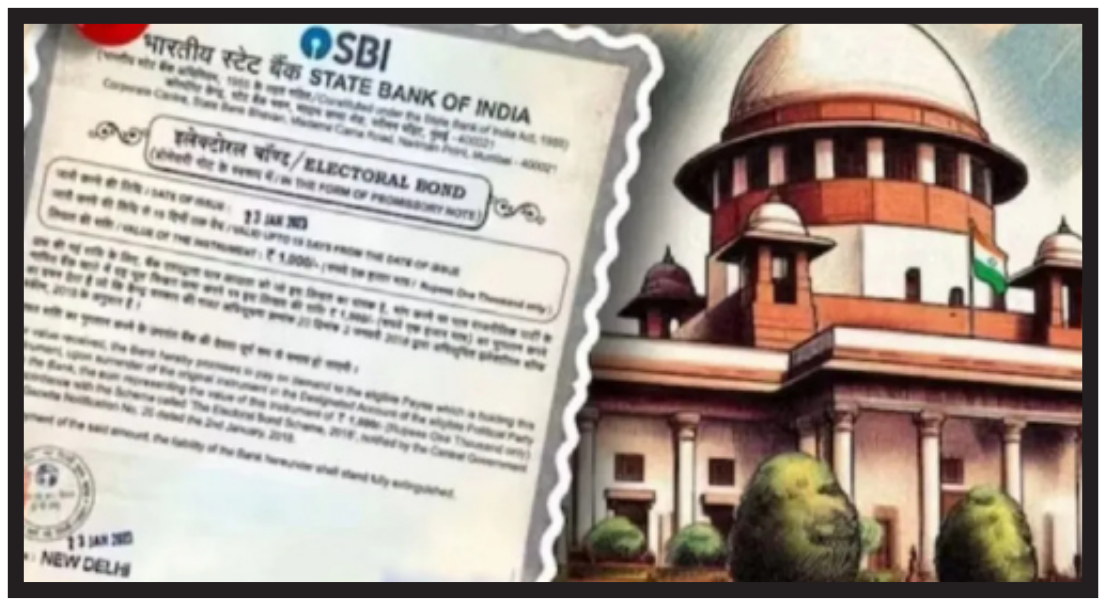

उनको सार्वजनिक भी करता था, परन्तु इलेक्टोरल बॉण्ड जारी होने के बाद यह अनिवार्यता और पारदर्शिता भी नहीं रही।समाचारों में ही था कि नवम्बर 2023 में जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए थे वहां जब्त राशि पिछले विधानसभा चुनावों के मुकाबले सात गुना ज्यादा थी। यदि सालों के अंतराल के बाद 31 अक्टूबर 2023 से चुनावी बॉण्ड की वैधता पर पुनरू शुरू हुई सुनवाई पूरी होने के बाद भी उच्चतम न्यायालय की पांच न्यायाधीशों की संवैधानिक पीठ ने अपना निर्णय 2 नवम्बर 2023 को सुरक्षित न रखा होता तो शायद नवम्बर 2023 के विधानसभा चुनावों के पहले चुनावी बॉण्ड जारी भी न होते। स्टेट बैंक औफ इण्डिया की 29 शाखाओं से 29वीं बार 6 नवम्बर से 20 नवम्बर 2023 के दौरान चुनावी बॉण्डों की बिक्री, खरीदारी हुई थी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में जो 2 नवम्बर के काफी बाद हुए थे, कुछ राजनैतिक दलों को चुनावी बॉण्ड का फायदा मिल ही गया। पहली बार चुनावी बॉण्ड मार्च 2018 में बिके थे। इसके बाद वे विभिन्न सालों में विभिन्न अवधियों में बिकते रहे। अप्रैल 2021 में भी गैर-सरकारी संस्था एडीआर (एसोसियेशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स) ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में तब कुछ राज्यों में होने वाले विधान सभा के चुनावों के पूरे होने तक इलेक्टोरल बॉण्ड की बिक्रियों पर रोक लगाने की मांग की थी, किन्तु बेंच ने उसे खारिज कर दिया। केन्द्र ने एक अप्रैल 2021 से 10 अप्रैल 2021 तक बॉण्ड जारी भी किये थे। तब याचिकाकर्ता संस्था एडीआर का कहना था कि गैर-कानूनी और अवैध धन की मुखौटा कम्पनियों के माध्यम से फंडिग की और ज्यादा होने की संभावनायें बढ़ जायेगी। दो नवम्बर 2023 को चुनावी बॉण्डों की वैधता पर अपने निर्णय को सुरक्षित रखने के पहले अदालत ने ये टिप्पणी भी की थी कि सरकार की यह दलील मानना मुश्किल है कि मतदाताओं को राजनैतिक चंदों का स्त्रोत जानने का अधिकार नहीं है। भारत आये भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गर्वनर रघुराम राजन 12 दिसम्बर 2023 को बिना लाग-लपेट यह कह गये थे कि बॉण्ड चुनावी फंडिंग का नकदी से भी ज्यादा खराब विकल्प है। यह गैर-पारदर्शी है। केवल स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया ही जानता है कि चुनावी बॉण्ड से पैसे देने वाला कौन है। गुमनाम चुनावी बॉण्ड राजनैतिक दलों के बीच गैर-बराबरी के मैदान तैयार करता है। किसी काम के एवज में भी राजनैतिक दल चुनावी बॉण्ड से पैसे ले सकते हैं। सत्तारूढ़ दल तो चुनावी बॉण्ड से अकूत धन पाकर चुनावी खर्चे के चेक काट सकता है, किन्तु विपक्ष ऐसा नहीं कर सकता। चुनाव बराबरी में लड़ा जा सके इसके लिये विपक्ष को भारी नकदी का इंतजाम करना पड़ता है। काले धन पर निर्भर रहना पड़ता है। उन्हीं दिनों राज्यसभा सांसद धीरेन्द्र साहू से जुड़े ठिकानों में तीन सौ करोड़ रूपये की बरामदगी भी सुर्खियों में थी। यह विडम्बना ही थी कि दो जनवरी 2018 को अधिसूचित जिस चुनावी बॉण्ड योजना को वैकल्पिक पारदर्शी राजनैतिक फंडिंग की पहल बताया गया था उससे भ्रष्टाचार पनपने व सत्तारूढ़ दलों को ही ज्यादा फायदा पहुंचने की शंकायें छः साल पूरे होते-होते काफी गहरा गईं। बॉण्डों से प्राप्त धन चुनाव आयोग द्वारा सत्यापित एक अलग एकाउण्ट में रखना होता था। नियमतरू कार्पोरेट या निजी दानदाता विभिन्न मूल्यों के बॉण्डों को खरीदकर पात्र राजनैतिक दलों को दे सकते थे। बॉण्डों पर न देने वाले का नाम होना था, न दाता की पहचान बताई जानी थी। कम्पनी के अंशधारकों या जनता के संज्ञान में नहीं आ सकता था कि राजनैतिक दलों को कौन धन दे रहा है। मोदी सरकार ने कहा था इससे हालांकि राजनैतिक दलों को मिले चंदे का विवरण पता चल जायेगा, किन्तु देने वालों के नामों का पता नहीं चलेगा। ऐसे में कांग्रेस पार्टी ने भी इसे धनशोधन या मनी-लॉण्डरिंग के समकक्ष ही माना था। बैंकों का भी ऐसा ही सोचना था। चुनाव आयोग की भी चाहत थी कि खरीदकर बॉण्ड देने वालों का नाम गुप्त रखा जाये। भविष्य में जब स्टेट बैंक आफ इण्डिया द्वारा अब तक बिके बॉण्ड के मूल्यों, उनके खरीदारों, उनके मूल्यों व उनसे जिन राजनीतिक दलों को जब-जब धन मिलने की सूचना चुनाव आयोग को दी जायेगी तो उसके सार्वजनिक होने के बाद खोजी जानकारी से ही मालूम चल सकेगा कि किन मामलों में चुनावी बॉण्डों से राजनैतिक दलों को धन दिये जाने में व्यवसायिक लाभ लिये व दिये जाने के कारण थे। परन्तु जिन मामलों में ऐसा हुआ होगा उनमें तो बाद में भी और काले धन बनने और उसकी एक श्रृंखला बनने की संभावना बन जाती है। साफ धन दिया जाना है तो सीधे चेक से पार्टी को दिया ही जा सकता था तो कई क्षेत्र के नियमों में बदलाव लाकर चुनावी बाण्ड जैसे नये गुमनामी वाले दस्तावेज बनाने की योजना पर संदेह के कारण तो थे ही।

क्यों बार-बार अदालतों से फटकार खाती है ममता सरकार

योगेंद्र योगी

देश में पश्चिम बंगाल एकमात्र ऐसा राज्य बन गया है जहां बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर अदालतों की सर्वाधिक फटकार और निर्देशों का सामना करना पडा है। अराजकता की ऐसी हालत एक दशक पहले तक कभी उत्तर प्रदेश और बिहार की हुआ करती थी। पश्चिम बंगाल में एक प्रदर्शन के दौरान सत्तारुढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने तत्कालीन कांग्रेस नेता ममता बनर्जी के साथ जब बदसलूकी करी थी। इस पर ममता ने कम्युनिस्ट सरकार को उखाड़ फेकने की शपथ ली थी। ममता ने हिंसा और अराजकता से गुजर रहे बंगाल को कम्युनिस्टों से मुक्ति दिलाई। कम्युनिस्टों के खिलाफ जिस आंदोलन से ममता ने सत्ता की सीढियां चढ़ी अब अपने विरोधियों को परास्त करने के लिए ममता ने वही रास्ता अपना लिया है। संदेशखाली की घटना के बाद हाईकोर्ट ने जिस तरह की टिप्पणी ममता सरकार के खिलाफ की है, उससे जाहिर है कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था रसातल में जा रही है। ममता की पार्टी तृणमूल का एकमात्र उद्देश्य रह गया है अपने विरोधियों की आवाज बंद करना, इसके लिए चाहे गैरकानूनी तरीकों का इस्तेमाल ही क्यों न करना पड़ा। संदेशखाली मामले को लेकर आज कलकत्ता हाईकोर्ट ने बंगाल के प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी टीएमसी को भी बेहद तल्ख लहजे में फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि अगर संदेशखाली मामले में एक प्रतिशत भी सच है तो प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी इसकी जिम्मेदार है। कोर्ट ने कहा कि यह मामला बेहद शर्मनाक है। अदालत ने कहा कि हर नागरिक की सुरक्षा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। कोर्ट ने कहा कि संदेशखाली मामले में जिला प्रशासन और पश्चिम बंगाल सरकार को खुद से नैतिक जिम्मेदारी लेना चाहिए। इतना ही नहीं कोर्ट ने कहा कि अगर इस मामले में एक प्रतिशत भी सच्चाई है तो यह शर्मनाक है और पूरा प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी इसके लिए नैतिक तौर पर 100 प्रतिशत जिम्मेदार हैं।कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस टीएस शिवज्ञानम ने तल्ख लहजे में कहा कि अगर इसका एक भी एफिडेविट सही है तो यह शर्मनाक है। यह लोगों की सुरक्षा का मामला है। चीफ जस्टिस ने कहा कि अगर आप एससी-एसटीनेशनल कमीशन की रिपोर्ट देखेंगे तो उसमें अगर एक फीसदी भी सच है तो ये 100 फीसदी शर्मनाक है। वहीं इस दौरान एक अन्य जनहित याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इस मामले में गवाहों को सुरक्षा प्रदान की जाए। सुरक्षा कारणों से कोई भी महिला अदालत में गवाही देने नहीं आई। एक अन्य याचिकाकर्ता की वकील प्रियंका टिबरेवाल ने कहा कि उनके पास अनेक महिलाओं ने यौन उत्पीड? की शिकायत की है। ये लोग कह रहे हैं कि अगर महिलाओं ने बयान दिया तो उनके पति-बच्चों का सिर काटकर फुटबाल खेलेंगे। राज्य की ओर से वकालत करते हुए महाधिवक्ता (एजी) ने कहा कि हमें देखना होगा कि संदेशखाली में क्या हुआ। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। सुप्रीम कोर्ट ने भी सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता कहा था। सभी पक्षों की बातें सुनने के बाद मुख्य न्यायाधीश ने शाहजहां के वकील से सख्त लहजे में कहा कि आप एक आरोपित की ओर से सवाल पूछ रहे हैं। सबसे पहले अपने आस-पास की परछाइयों से छुटकारा पाएं। इसके बाद दूसरे लोगों की शिकायतों के बारे में बात करें। अगर हलफनामे में एक भी आरोप सच है तो वह भी शर्मनाक है। सरकार कहती है कि यहां महिलाएं सुरक्षित हैं। यदि हलफनामे में कोई आरोप साबित हो जाता है, तो ऐसे सभी दावे झूठे होंगे। हालांकि, सुनवाई पूरी होने के बाद भी हाईकोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। संदेशखली में ईडी और सीएपीएफ कर्मियों पर हमले के मास्टरमाइंड और तृणमूल कांग्रेस के निलंबित नेता शाहजहां शेख ने कहा था कि वह राजनीतिक साजिश का शिकार है। उसके खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे हैं। उसे जानबूझकर फंसाया जा रहा है। पूछताछ के दौरान शाहजहां ने पांच जनवरी को संदेशखाली में केंद्रीय एजेंसी कर्मियों पर हमला करने वालों के साथ किसी भी तरह के संबंध से इन्कार किया था। शाहजहां ने अधिकारियों से कहा था कि वह इस हमले की दिल से निंदा करता है और चाहता है कि हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा मिले। ईडी ने शाहजहां से उसकी कंपनी सबीना एंटरप्राइजेज के जरिए काली कमाई को सफेद करने के मामले में पूछताछ की। जिस पर शाहजहां ने कहा कि सब झूठ है। अनुसूचित जाति-जनजाति के पैनल ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश की थी इसके लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पैनल ने एक रिपोर्ट सौंपी थी। पैनल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है था कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। पैनल का यह भी कहना था कि आरोपियों पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कानून के तहत मुकदमा चलाया जाना चाहिए। देश में पश्चिम बंगाल ऐसा राज्य है जहां राज्यपाल ने केंद्र सरकार कई बार बिगड़े हालात की जानकारी दी है। विपक्षी दलों की शासित राज्यों में भी राज्यपालों और सत्तारुढ़ दल की सरकारों में अनबन होती रहती है, किन्तु संवैधानिक पद पर रहते हुए जितने खराब संबंध पश्चिम बंगाल में रहे हैं, उतने किसी भी राज्य में नहीं रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक चुनावी सभा में कहा कि जो लोग संदेशखाली की महिलाओं के उत्पीड? के जिम्मेदार हैं, उनको अब अपना बाकी जीवन सलाखों के पीछे बिताना होगा। कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हाल ही में पूरे देश ने देखा कि कैसे टीएमसी और राज्य सरकार ने संदेशखाली की महिलाओं का शोषण करने वाले लोगों को बचाया। लेकिन उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। जिन लोगों ने इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया है, उन्हें अब अपना शेष जीवन सलाखों के पीछे बिताना होगा। चुनावी प्रचार के दौरान ममता बनर्जी पूर्व में भी जहर उगलने में पीछे नहीं रही है। ममता पूर्व में पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल करती रही है। ममता बनर्जी ने कूचबिहार रैली में यहां तक कह गईं कि आप जहरीले सांप पर भरोसा कर सकते हैं, लेकिन भाजपा पर नहीं। ममता बनर्जी ने कूच बिहार से भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री निशीथ प्रामाणिक का नाम लिए बिना उनपर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तुम मंत्री के नाम पर कलंक हो। ममता ने कहा कि राज्य सरकार के अधिकारियों का ट्रांसफर हो रहा है केंद्रीय एजेंसी का कितना ट्रांसफर हुआ? उन्होंने कहा कि भातपा निर्वाचन के कोड नही मानती। उन्होंने आरोप लगाया कि शीतलकुची में जिसने गोली मारकर हत्या किया वो अभी बीरभूम में बीजेपी प्रार्थी बन गया। ममता ने आरोप लगाया कि 3 सालों से आवास योजना का पैसा नहीं दिया जा रहा है। सड़क के पैसे नहीं दिए जा रहे हैं। पहले 100 दिन के काम पर बंगाल एक नंबर पर था।

अमेठी व रायबरेली का सवाल

कांग्रेस पार्टी और उत्तर प्रदेश भारतीय राजनीति में एक-दूसरे के पर्याय समझे जाते रहे हैं क्योंकि स्वतन्त्रता संग्राम के महानायक पं. जवाहर लाल नेहरू से लेकर देश की सर्वाधिक शक्तिशाली मानी जाने वाली उनकी पुत्री प्रधानमन्त्री इन्दिरा गांधी का यह प्रदेश कर्म स्थल रहा है। पं. नेहरू ने तो इंग्लैंड से भारत आने के बाद सर्वप्रथम इलाहाबाद से ही अपना राजनैतिक जीवन शुरू किया और आसपास के गांवों का गहन दौरा करके उन्होंने असली भारत की हकीकत को पहचानने की कोशिश की। इसी प्रकार जनवरी 1966 में बतौर राज्यसभा सदस्य प्रधानमन्त्री बनने के बाद श्रीमती इन्दिरा गांधी ने 1967 का अपना पहला लोकसभा चुनाव राज्य की रायबरेली सीट से लड़ा। इतना ही नहीं 1971 में जब इन्दिरा जी के छोटे बेटे संजय गांधी राजनीति में आये तो उन्होंने अपना पहला चुनाव 1977 में राज्य की अमेठी लोकसभा सीट से लड़ा। हालांकि वह इसमें इमरजेंसी के चुनावी प्रभाव के चलते असफल रहे परन्तु जब 1982 में उनके बड़े भाई राजीव गांधी राजनीति में आये तो उन्होंने भी अमेठी व आसपास के सुल्तानपुर आदि इलाकों को ही अपनी कर्मभूमि बनाना उचित समझा। इन्दिरा जी व उनके पुत्र राजीव गांधी की निर्मम हत्याओं के बाद जब गांधी परिवार की बड़ी बहू श्रीमती सोनिया गांधी ने राजनीति में चरण रखा तो उन्होंने 1998 का पहला चुनाव रायबरेली से लड़ा। जहां तक नेहरू जी का सवाल है तो वह इलाहाबाद के निकट की सीट फूलपुर से चुनाव लड़ा करते थे। 1964 में उनकी मृत्यु होने के बाद इस सीट का प्रतिनिधित्व 1967 में उनकी बहन श्रीमती विजय लक्ष्मी पंडित ने किया। मगर 1970 में इन्दिरा गांधी से मनमुटाव हो जाने के बाद उन्होंने इस सीट से इस्तीफा दे दिया। इसी प्रकार नेहरू-गांधी परिवार की तरफ से जब श्री राहुल गांधी ने पदार्पण किया तो उन्होंने अपना पहला चुनाव 2004 में अमेठी से लड़ा और 2019 तक इसी सीट से लड़ते रहे मगर इस बार उनकी पराजय हो गई । संयोग से उन्होंने 2019 में केरल की वायनाड सीट से भी चुनाव लड़ा था जहां से वह लोकसभा में पहुंचे। आगामी लोकसभा चुनावों में कांग्रेस उत्तर प्रदेश की केवल 17 सीटों से ही चुनाव लड़ रही है। राज्य की कुल 80 सीटों में से शेष सीटें उसने अपने इंडिया गठबन्धन की सहयोगी पार्टी समाजवादी पार्टी के लिए छोड़ दी हैं। कांग्रेस के खाते में 17 सीटों में अमेठी व रायबरेली सीटें भी आयी हैं। इन सीटों पर मतदान पांचवें चरण में 20 मई को होना है। 3 मई नामांकन पत्र भरे जाने का अन्तिम दिन है। अतः कहा जा सकता है कि अभी पर्याप्त समय है मगर पार्टी ने सातवें व अन्तिम चरण में होने वाले मतदान की सीटों जैसे महाराजगंज आदि पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। अतः राजनैतिक क्षेत्रों में जिज्ञासा है कि क्या अमेठी व रायबरेली सीटों पर गांधी परिवार का कोई सदस्य चुनाव लड़ेगा अथवा नहीं। यह सावाल पूरी तरह वाजिब है क्योंकि उत्तर प्रदेश को गांधी परिवार हल्के में नहीं ले सकता है क्योंकि इस परिवार की पूरी विरासत में उत्तर प्रदेश की मिट्टी की गंध रमी हुई है। पहले सुना जा रहा था कि राहुल गांधी की बहन श्रीमती प्रियंका गांधी रायबरेली से चुनाव लह सकती हैं क्योंकि उनकी मताश्री सोनिया गांधी इस बार लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ रहीं। वह राजस्थान से राज्यसभा की सदस्य निर्वाचित हो चुकी हैं। सोनिया जी ने यह फैसला अपने स्वास्थ्य के कारणों से लिया लगता है। जहां तक अमेठी का सवाल है तो श्री राहुल गांधी द्वारा यहां से भी नामांकन दायर करने की प्रतीक्षा यहां के लोग कर रहे हैं। राहुल गांधी कांग्रेस के राष्ट्रीय स्तर के नेता हैं अतः वह भारत के दो क्षेत्रों उत्तर-दक्षिण से यदि चुनाव लड़ते हैं तो इससे उनकी पार्टी की ही स्वीकार्यता बढेघी। बेशक कांग्रेस पार्टी की सरकार उत्तर भारत में केवल हिमाचल प्रदेश में ही है मगर लोकसभा चुनावों में भाजपा के मुकाबले एकमात्र यही राष्ट्रीय पार्टी है। दक्षिण भारत के राज्यों कर्नाटक व तेलंगाना में कांग्रेस की सरकारें हैं जबकि केरल में यह प्रमुख विपक्षी पार्टी है और पिछले लोकसभा चुनाव में इस राज्य की कुल बीस सीटों में से इसके सर्वाधिक प्रत्याशी भी जीते थे परन्तु उत्तर प्रदेश की हैसियत अलग है क्योंकि भारत में यह कहावत बहुत प्रचिलित है कि दिल्ली की गद्दी का रास्ता लखनऊ होकर ही जाता है। अतः प्रियंका गांधी को भी यह विचार करना है कि वह अपनी लोकसभा में जाने की पारी की शुरूआत उत्तर प्रदेश से करें या नहीं हालांकि सत्ता की राजनीति से उनका कोई खास लेना-देना नहीं रहा है और वह इस राज्य में कांग्रेस के पुनरुत्थान के लिए कड़ी मेहनत भी करती रही हैं। रायबरेली और अमेठी को गांधी परिवार लावारिस नहीं छोड़ सकता। राजनैतिक क्षेत्रों में इस पर चर्चा इसीलिए है कि भाजपा इस परिवार के लोगों की उम्मीदवारी को देखकर ही अपनी आगे की रणनीति तय करेगी इसीलिए नीतिगत तौर पर कांग्रेस भाजपा को गफलत में रखना चाहती है जिससे अन्तिम समय में कोई झटका दिया जा सके।

आज का राशिफल

मेषः- महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में अत्याधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

वृषभः- परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुनः- मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित होगा। नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में संतुष्ट व तृप्त रहने का प्रयत्न करें। रोजगार में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाएंगे। आलस्य कतई न करें।

कर्कः- बीती बातों को भूलने की कोशिश करें। रोजगार में लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह बढ़ेगा। आकांक्षाओं की पूर्ति होगी।

सिंहः- नौकरी का वातावरण सुखद होगा। भावनात्मक समस्याओं पर सगे-संबंधियों के बीच खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व क्षमता की अनुभूति करेंगे। रोजगार क्षेत्र में लाभकारी स्थिति मन को प्रसन्न रखेगी।

कन्याः- महत्वपूर्ण कायरें को कल पर न टालें। नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। भावावेष में किये गये कार्य से कष्ट संभव।

तुलाः- निकट संबंधों में शंकाओं को न हावी होने दें। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। परिवार में खुशहाली स्थिति रहेगी।

वृश्चिकः- अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। जरूरी कायरे में आलस्य न करें। किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

धनुः- सगे-संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। माता के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। अच्छे कायरे द्वारा प्रशंसा के पात्र बनेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

मकरः- विभागीय परिवर्तन से कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने अंदर धैर्य व वाणी में मधुरता लायें। कुछ नई अभिलाषाएं मन में जागृत होंगी। प्रियजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। गुप्त विरोधियों से सतर्क रहें।

कुंभः- राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। अच्छे कायरे के लिए प्रशंसनीय होंगे। शासन-सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। आलस्य कतई न करें।

मीनः- किसी नये कार्य की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केंद्रित होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति के आसार बनेंगे। महत्वपूर्ण योजनाओं की पूर्ति हेतु तत्पर होंगे।

डीएम ने किया कालीखोह व अष्टभुजा क्षेत्र का निरीक्षण

कालीखोह में धूप से बचने के लिए टेन्ट लगाने का निर्देश

परिवर्तन दूत

मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने आज आगामी 08-09 अप्रैल 2024 की मध्य रात्रि से प्रारम्भ होने वाले चैत्र नवरात्र मेला के लिये चल रहे तैयारियो का कालीखोह, अष्टभुजा पहाड़ी व अष्टभुजा के नीचे प्रयागराज मार्ग की तरफ भ्रमण कर साफ सफाई, हटाये जाने वाले अतिक्रमण आदि का निरीक्षण किया। कालीखोह में यात्रियों की सुविधा के लिये दर्शन हेतु लगने वाले लाइन वाले मार्गो में धूप से बचने के लिये टेन्ट लगवाने का निर्देश दिया तथा कालीखोह मन्दिर से लगभग 500 मीटर पहले बैरीकेटिंग लगाकर समस्त वाहनो के प्रवेश पर प्रतिबन्ध लगाने का निर्देश देते हुये कहा कि ड्यूटी में तैनात अधिकारियों के अलावा के सभी के वाहन वाहन स्टैण्ड पर खड़े किये जाए कोई भी प्राइवेट वाहन अन्दर नही जायेगा वाहन स्टैण्डो पर रेट बोर्ड लगा हुआ पाया गया। कालीखोह मन्दिर में दर्शन के लिये बैरीकेटिंग, प्रकाश व्यवस्था आदि का निरीक्षण किया गया तत्श्चात अष्टभुजा पहाड़ी पर एवं नीचे से सीढ़ियों के रास्ते अष्टभुजा देवी का दर्शन करने जाने वाले यात्रियों की छायादार व्यवस्था का निर्देश दिया तथा दुकानदारों को हिदायत दी गयी कि अपने दुकान का सामान अपनी सीमा के अन्दर ही रखे। सड़को पर अतिक्रमण न करे ताकि यात्रियों के आने जाने में असुविधा न हों। अकोढ़ी की तरफ अष्टभुजा के नीचे बनाये गये रैन बसेरा में मैटी व गद्दा भी बिछाने का निर्देश दिया। रोपवे व रोपवे के सामाने तालाब के किनारे व रापवे मार्ग की सफाई कराने का निर्देश देते हुये कहा कि रोपवे पर पहुंचने के लिये सांकेतक बोर्ड लगाया जाए। यात्रियों के लिये पर्याप्त मात्रा में शौचालय व पेयजल की व्यवथा भी सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि./रा. शिव प्रताप शुक्ल, नगर मजिस्ट्रेट लाल बहादुर सिंह, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका मीरजापुर गोवा लाल सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

एसपी ने किया मेला क्षेत्र का भ्रमण, दिये निर्देश

परिवर्तन दूत

मिर्जापुर। विन्ध्याचल चैत्र नवरात्रि मेला-2024 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक मिर्जापुर द्वारा पर्याप्त पुलिस बल के साथ विन्ध्यधाम क्षेत्र का भ्रमण चैत्र नवरात्रि सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक मिर्जापुर अभिनन्दन द्वारा पर्याप्त पुलिस बल के साथ विन्ध्यधाम मन्दिर व गंगा घाट क्षेत्रांतर्गत भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लेते हुए सम्बन्धित अधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देशित दिया गया। पुलिस अधीक्षक मिर्जापुर द्वारा विन्ध्याचल मेले में सजे दुकानों के दुकानदारों, पुजारियों एवं स्थानीय जन से वार्ता कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा बाहर से आने वाले दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो इसके लिये अपने अधीनस्थों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया । पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा सम्पूर्ण मेला क्षेत्र, गलियों, मुख्य मार्गो एवं तिराहों/ चौराहों पर भ्रमण कर यातायात रूट व्यवस्था, पार्किंग को चेक करते हुए व्यवस्था को लगातार इसी तरह सुदृढ़ बनाये रखने के लिए निर्देशित किया गया।

पुलिस बल के साथ किया गया बलवा स्कीम का पूर्वाभ्यास

भदोही परिवर्तन दूत ब्यूरो। आगामी पर्वों- ईद, नवरात्रि, रामनवमी व लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दौरान आकस्मिक परिस्थितियों के दृष्टिगत सुरक्षा व शान्ति व्यवस्था एवं समाज में सुरक्षित,भयमुक्त वातावरण बनाने के उद्देश्य से डॉ मीनाक्षी कात्यायन, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों व पुलिस लाईन में सम्बंधित क्षेत्राधिकारीगण सहित समस्त थाना,चौकी प्रभारियों द्वारा नियुक्त पुलिस बल के साथ "दंगा नियंत्रण स्कीम" का पूर्वाभ्यास किया गया। इस दौरान मौजूद पुलिस अधि.,कर्मचारीगण द्वारा विधि विरूद्ध भीड़ को तितर-बितर करने के लिए रबर बुलेट गन, लाठी चार्ज, आंसू गैस के गोले, एंटी राइट गन, टीयर गैस गन, हैंड ग्रेनेड आदि शस्त्रों के सम्बन्ध मे जानकारी साझा करते हुए बलवा ड्रिल का अभ्यास किया गया तथा पुलिस कर्मियों को दंगाइयों,बलवाइयों पर एंटी राइट गन, टीयर गैस गन, हैंड ग्रेनेड, टीयर स्मोक सेल आदि के प्रयोग के समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में अवगत कराया गया। दंगा नियंत्रण उपकरणों शस्त्रों का संचालन कराया गया एवं जानकारी दी गई। बलवा ड्रिल,प्रशिक्षण सत्र में सभी पुलिसकर्मियों को बलवा,दंगा होने के दौरान बलवाईयो पर पुलिस की तरफ से की जाने वाली कार्यवाही को अलग-अलग टीम बनाकर प्रदर्शित किया गया। बलवा ड्रिल के दौरान पायी गयी खामियों पर विस्तृत रुप से सभी पुलिसकर्मियों से फीडबैक लेकर सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

साथ ही आम-जन को आश्वस्त कराया गया कि जनपद भदोही पुलिस व प्रशासन शांति, सौहार्द एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

बिना परमिट कट स्टोन बेचने पर यूनियन करेगा विरोध

पाषाण व्यवसाई संघ की बैठक में कट स्टोन का किया गया रेट तय

परिवर्तन दूतण

अहरौरा, मिर्जापुर। पाषाण व्यवसाई संघ की बैठक रविवार को दोपहर में क्षेत्र सोनपुर गांव स्थित हनुमान जी मंदिर पर हुई बैठक में बिना परमिट कट स्टोन नही बेचने का निर्णय लिया गया और यह भी निर्णय हुआ की अगर कोई बिना परमिट पत्थर बेचेगा तो पकड़े जाने पर यूनियन खुद करवाई करवायेगा। पाषाण व्यवसाई संघ की बैठक में सभी कटर प्लान्ट संचालकों ने एक रेट पर कट स्टोन बेचने का निर्णय लेते हुए रेट तय किया जिसके तहत 35 से 40 एम एम का गुलाबी पटिया 25 रुपए स्क्वायर फीट एव हरा पटिया 27 रूपए स्क्वायर फीट बेचने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही बिना परमिट पत्थर बेचने पर यूनियन द्वारा कार्यवाई करवाने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में यूनियन के अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार सिंह उर्फ राजू सिंह महादेव, प्रमोद सिंह, सिद्धार्थ, शमशेर सिंह, पीयूष श्रीवास्तव, रामविलास, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग व पुलिस के साथ दुर्व्यवहार करने वाला युवक गिरफ्तार

अवैध शराब की बिक्री की सूचना पर सीओ और आबकारी टीम ने किया था छापेमारी

परिवर्तन दूत

चन्दौली। सकलडीहा कस्बा स्थित एक दुकान से अवैध रूप से शराब बेचने की सूचना पर बीते गुरूवार को आबकारी विभाग के टीम सीओ रघुराज के नेतृत्व में छापेमारी किया था। हालाकि पुलिस के आने से पूर्व दुकान में बैठा युवक ने दरवाजा बंद कर लिया। उल्टे पुलिस टीम के साथ अनाप सनाप बोलते हुए घंटों देर तक उलझाये रहा। आबकारी विभाग ने सरकारी काम मे बांधा डालने व दुर्व्यहार करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली मे मुकदमा दर्ज कराया था। रविवार को कोतवाली पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई में जुट गयी है। पुलिस विभाग की कार्रवाई से अवैध रूप से शराब बेचने वालो में खलबली मची है।

लंबे समय से कस्बा में चोरी छीपे अवैध रूप से शराब की विक्री धड़ल्ले से की जा रही है। ग्रामीणों की शिकायत पर बीते गुरुवार को सीओ रघुराज के नेतृत्व में आबकारी इंस्पेक्टर दीपक ओझा पुलिस फोर्स के साथ कस्बा के एक दुकान के पास दलबल के साथ पहुंचे। पुलिस को देखते ही दुकान के अंदर बैठा युवक ताला बंद कर लिया। पुलिस के काफी प्रयास के बाद भी युवक ने ताला नही खोला। उल्टे पुलिस टीम को उल जूलुल की बातों में उलझाये रखा। थक हारकार पुलिस फोर्स बैरंग लौट गयी। आबकारी इंस्पेक्टर की ओर से सरकारी काम काज में बाधा पहुंचाने और पुलिस कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए आशीष जायसवाल और उसकी माता सरोजनी देवी के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। इस बाबत कोतवाल संजय कुमार सिंह ने बताया कि आबकारी इंस्पेक्टर की तहरीर पर आशीष जायसवाल को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

हम सबने ये ठाना है भदोही को स्वस्थ बनाना है-अताउल

आपका स्वास्थ्य ही आपका उत्तम धन-रंजीत

भदोही परिवर्तन दूत ब्यूरो। भदोही साइकिलिंग क्लब के तत्वाधान में रविवार को सुबह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज से साइकिल यात्रा निकाली गयी।अताउल अंसारी के नेतृत्व में निकाली गई यात्रा को वरिष्ठ चिकित्सक डा.एस.एस.यादव ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। लोगों को जागरूक करते हुए साइकिल यात्री सरकारी अस्पताल गली,गौस नगर, सोनिया तालाब,नई बस्ती, मेवड़ापुर होते हुए पूरे टीका पहुंचे। जहा जोहरपुर के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रंजीत बिंद ने सभी साइकिल चालकों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और कहा कि आपका स्वास्थ्य ही धन है और यह ऐसा धन है जो एक बार चला गया तो वापस नहीं पा सकते हैं। सभी को सुबह उठकर कुछ न कुछ योग व्यायाम जरूर करना चाहिए।

स्वयं साइकिल लेकर कांजी हाउस,जोहरपुर,लालापुर, मेवड़ापुर का भ्रमण करते हुए हिंदुस्तान जिंदाबाद, स्वस्थ रहे मस्त रहे, करो योग रहो निरोग, हम सबने ये ठाना है पुरे भदोही को स्वस्थ्य बनाना है,सुबह की हवा सौ रोगों की दवा, भारत माता की जय, वन्दे मातरम का नारा लगाते हुए लोगों को सुबह उठने, योग, व्यायाम करने, साइकिल चलाने के फायदे के बारे में जागरूक करते हुए पूरेटीका बाबा रघुनाथ की कुटिया पर इसका समापन किया। साइकिल यात्रा में शिवलाल बिंद,रवि शंकर बिंद, अक्षय जायसवाल,सुकरू बिंद, राम सागर बिंद,अतुल शुक्ला,रमा शंकर मौर्या, प्रमोद मौर्या,राजीव जायसवाल, अनिल बिन्द, मानिक चंद, अशोक बिंद,प्रदीप कुमार, अजहान खान,शिवम् उपाध्याय, श्याम सुंदर उपाध्याय आदि रहे।

तेजाब डालकर देवर की हत्या करने की दोषी को उम्रकैद

बलिया। जिले की एक अदालत ने संपत्ति बंटवारे को लेकर तेजाब डालकर देवर की हत्या करने के जुर्म में एक महिला को दोषी करार देते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार जिले के फेफना थाना क्षेत्र के मिड्ढा गांव में संपत्ति बंटवारे को लेकर अजरा खातून उर्फ अजरा ने 20 जुलाई 2022 की सुबह अपने देवर परवेज अहमद के चेहरे व शरीर पर तेजाब डाल दिया था, इस घटना में गंभीर रूप से झुलसे अहमद की मौत हो गई थी। इस मामले में अजरा के विरुद्ध मामला दर्ज करने के बाद अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया था। पुलिस अधीक्षक देव रंजन वर्मा ने रविवार को बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार सप्तम की अदालत ने शनिवार को मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी अजरा को दोषी करार देते हुए उसे आजीवन कारावास और 10 हजार रुपए के जुमार्ने की सजा सुनाई।

संक्षिप्त खबरे...

प्रोजेक्ट मिलन के तहत परिवार परामर्श केन्द्र मीरजापुर को मिली बड़ी सफलता

मिर्जापुर (परिवर्तन दूत)। एसपी अभिनन्दन के निर्देशन में जनपद में चलायें जा रहे प्रोजेक्ट मिलन में महिला परिवार परामर्श केन्द्र मीरजापुर को बड़ी सफलता मिली है। रविवार को जनपद मीरजापुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों के 05 बिछड़े दम्पत्तियों को परिवार परामर्श केन्द्र में हुई काउन्सिलिंग के माध्यम से एक साथ रहने हेतु राजी कर लिया गया। उक्त विवाहित दम्पत्ति विभिन्न कारणों से अलग-अलग रह रहे थे। परिवार परामर्श केन्द्र, मीरजापुर में प्रोजेक्ट मिलन काउंसिलिंग में होने वाली समस्त कार्यवाही के दौरान महिला निरीक्षक-सीमा सिंह, महिला मुख्य आरक्षी पिंकी जायसवाल, महिला मुख्य आरक्षी सावित्री यादव तथा परिवार परामर्श केंद्र की सदस्य कृष्णा व सुरेश जायसवाल मौजूद रहे।

पैरामिलिट्री फोर्स व पुलिस बल ने किया फ्लैग मार्च

भदोही परिवर्तन दूत ब्यूरो। आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को शांतिपूर्ण व भयमुक्त वातावरण में सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत डॉ मीनाक्षी कात्यायन, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में डॉ तेजवीर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही व क्षेत्राधिकारी औराई के नेतृत्व में थाना औराई क्षेत्र अन्तर्गत,क्षेत्राधिकारी भदोही के नेतृत्व में थाना भदोही क्षेत्र अन्तर्गत तथा प्रभारी निरीक्षक ज्ञानपुर व चौरी के नेतृत्व मे संबंधित थाना क्षेत्र अन्तर्गत केंद्रीय बल सहित स्थानीय पुलिस बल के साथ मतदान केन्द्र तथा संवेदनशील स्थलों का फ्लैग मार्च,एरिया डोमिनेशन कर आम जनमानस में सुरक्षा का एहसास कराया गया एवं शांतिपूर्ण व भयमुक्त वातावरण में सकुशल चुनाव सम्पन्न कराने का संदेश दिया गया।

चाकू मारकर पति ने पत्नी की हत्या की

भदोही परिवर्तन दूत ब्यूरो। विवाद होने पर पति ने पत्नी को पेट में चाकू भोककर हत्या किया।थाना औराई अंतर्गत ग्राम भरतपुर में पति द्वारा पारिवारिक विवाद को लेकर पत्नी की हत्या किए जाने की घटना विषयक प्रातः सूचना प्राप्त हुई कि थाना औराई क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भरतपुर में मनेजर गौतम पुत्र जयकरन निवासी ग्राम भरतपुर थाना औराई जनपद भदोही द्वारा पारिवारिक विवाद को लेकर अपनी पत्नी शीला उम्र करीब 37 वर्ष के पेट में चाकू मार कर हत्या कर दिया गया है। सूचना पर तत्काल अपर पुलिस अधीक्षक भदोही व क्षेत्राधिकारी औराई द्वारा स्थानीय पुलिस व फील्ड यूनिट टीम के साथ मौके का निरीक्षण करते हुए शव को कब्जे में लेकर जांच व अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जामा मस्जिद में मुकम्मल हुई तरीवीह

भदोही परिवर्तन दूत ब्यूरो। माह रमजान का तीसरे असरे मे मस्जिदो चल रही विशेष नमाज तराविह मुकम्मल होने का सिलसिला शुरू हो गया है'नगर मे राजमार्ग पर स्थित जामा मस्जिद मे तराहवीह का पहला दौर मुकम्मल हो गया 'इस दौरान मस्जिद मे नमाजियो ने हाफिजे कुरआन हाफिज अनिसुल कादरी को फूल माला पहनाकर इस्तकबाल करते हुए उन्हें तोहफे आदि देकर सम्मानित किया और मुल्क और कौम की भलाई के लिए दुआ मांगी गई। उलमा ए कराम हाफिज अनिसुल कदारी पेश इमाम जामा मस्जिद ने माहे रमजान की फजीलते बयान करते हुए इस माहे मुबारक को अल्लाह का बेहतरीन तोहफा बताया ' कहा कि यह माह हमे न सिर्फ नेकिंया कमाने का मौका देता है बल्कि गुनाहो से मगफेरत करने का अवसर प्रदान करता है। हाजी महमूद अत्तारी,पेश इमाम शाही मस्जिद मौलाना आवेश,मुफ्ती आफताब, मुफ्ती अलाउद्दीन, मौलाना जाहिद रजा, मौलाना शाहिद रजा, मुफ्ती मोइनुद्दीन, साजिद अली मौलाना अकमल,मौलाना आलम,गुड्डू चौधरी, हसनैन, मौलाना सैफ, मौलाना दिलशाद,मौलाना महबूब फैजी आदि ने हाफिजे कुरआन का इस्तकबाल किया।

थाना कोईरौना में आयोजित की गई पीस कमेटी की बैठक

भदोही परिवर्तन दूत ब्यूरो। आगामी त्यौहार रामनवमी, ईद व अंबेडकर जयंती व आगामी लोकसभा निर्वाचन को सकुशल, शांतिपूर्ण सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत डॉ मीनाक्षी कात्यायन, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन में अजय कुमार चौहान क्षेत्राधिकारी भदोही द्वारा तहसीलदार भदोही व प्रभारी निरीक्षक भदोही सहीत थाना भदोही में तथा प्रभात राय क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर द्वारा थाना कोईरौना में सर्व समुदाय के धर्मगुरुओं, सम्भ्रांत, गणमान्य व्यक्तियों, ग्राम प्रधानों व डिजिटल वॉलिंटियर के साथ पीस कमेटी की बैठक की गई। बैठक में प्रतिभाग करने वाले लोगों के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना गया व उनसे सुझाव भी मांगे गये। उपस्थित लोगों से त्यौहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाए जाने की अपील की गई साथ ही अवगत कराया गया कि बिना पूर्व अनुमति के किसी भी प्रकार की शोभायात्रा या धार्मिक जुलूस नहीं निकाला जाएगा। सड़क बाधित कर कोई धार्मिक आयोजन न करने हेतु हिदायत दिया गया। असामाजिक व अराजकता फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी, यदि किसी व्यक्ति के संज्ञान में ऐसा कोई मामला आता है तो तुरंत सम्बंधित थाना पुलिस को अवगत कराएं, जिससे कि कोई अप्रिय घटना घटित न होने पाए। सोशल मीडिया पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है जो भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट, भ्रामक व अफवाह पोस्ट करेगा उसके विरुद्ध कठोरतम विधिक कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस की मिलीभगत से संचालित हो रहा पशु तस्करी का खेल

अहरौरा थाना अन्तर्गत नगर चौकी क्षेत्र से ट्रक में लोड हो रहा पशु तस्कर

रातों रात बड़े पैमाने पर होता है पशु तस्करी का खेल

परिवर्तन दूत

अहरौरा, मिजार्पुर। पुलिस की मिलीभगत से पशु तस्करी का खेल चल रहा है। यहीं नहीं, प्रतिदिन सैंकड़ों पशु काटे जा रहे हैं जबकि शासन द्वारा स्लाटर हाउस संचालन पर रोक लगाई है। बावजूद इसके तस्कर चोरी छिपे आए दिन पशुओं को काटने में लगे हुए हैं। चालक बेधड़क पुलिस के सामने से ही तस्करी के पशुओं को लेकर अन्य जगहों पर सप्लाई करते हैं। दिन मंगलवार को अहरौरा थाना अंतर्गत नगर चौकी क्षेत्र के मल्लाहि टोला मुहल्लों से ट्रक में भैंस व अन्य पशु को लोड कर तस्करी किया जाता है।

रात होते ही अहरौरा नगर व ग्रामीणों से पशु तस्करों की गाड़ियां पशुओं को लेकर थाना क्षेत्र से होते हुए बड़े ही आराम से वाराणसी, कानपुर व अन्य जिले में दाखिल हो जाती हैं। इसमें पिकअप, डीसीएम, ट्रक, मैजिक सहित अन्य गाड़ियां शामिल होती हैं। तस्करों की सूचना देने के बावजूद संबंधित थाने की पुलिस पकड़ने की बजाय आंख मूंदकर बैठ जाती है। पुलिस शिकायत कताओं से ही वाहनों को पकड़कर थाने या चौकी पर लाने की बात करने लगती है। इसका फायदा तस्कर व पुलिस दोनों उठाते हैं। इसके पहले भी अहरौरा थाना पुलिस को मामले से अवगत कराया गया है लेकिन पुलिस तस्करों को पकड़ने की बजाय हीलाहवाली करती रहती है। नगर व ग्रामीण सहित लोगों का आरोप है कि तस्करों द्वारा संबंधित थाने की पुलिस को मोटी रकम पहुंचाई जाती है। इसके चलते वे कार्रवाई नहीं करते हैं। उन लोगों ने शासन में इसकी शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

वही सरकार द्वारा पशु तस्करी पर पूरी तरह से लगाम लगने के निर्देश संबधित थाने की पुलिस को दिए गए हैं। अवैध तरीके से पशु तस्करी का सिलसिला नही रोका गया तो, पशु तस्करी का धंधा और भी बढ़ जाएगा।

पशु तस्करी के वायरल वीडियो के संबंध में पुछे जाने पर थाना प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह ने बताया की हमारी जानकारी में नहीं है। जानकारी या शिकायत मिलने पर मामले की जांच करा कर कार्यवाई की जायेगी।

अपने प्यारे पेट्स से सीखिए जिंदगी के बेहतरीन सबक

परिवर्तन दूत

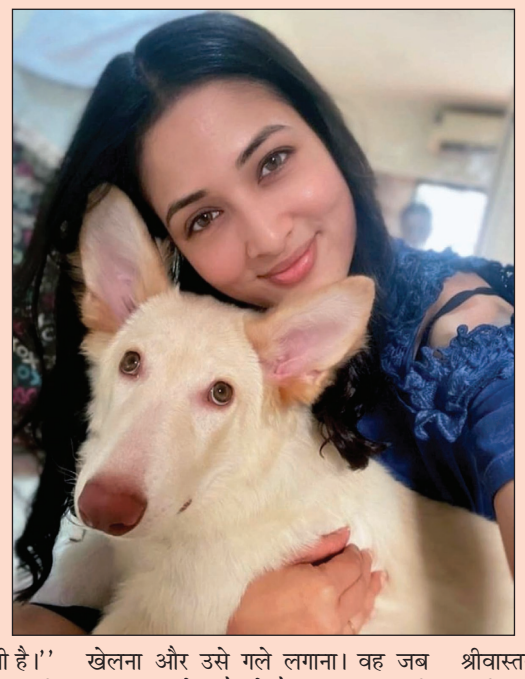

पेट्स या पालतू पशु हमारे परिवार के बेहद प्यारे सदस्य होते हैं, जो हमारे दिन को प्यार, खुशियों और अपनेपन से भर देते हैं। उनकी ईमानदारी और लगाव हमें निःस्वार्थ प्यार की खूबसूरती की याद दिलाते हैं। नेशनल पेट डे का जश्न मनाते हुये एण्डटीवी के कलाकारों ने अपने पेट्स और उनके अूटट प्रेम एवं वफादारी के बारे में बात की। इन कलाकारों में शामिल हैंः राहुल जेठवा ('अटल' के अवध बिहारी वाजपेयी), गीतांजलि मिश्रा ('हप्पू की उलटन पलटन' की राजेश) और विदिशा श्रीवास्तव ('भाभीजी घर पर हैं' की अनीता भाभी)।

राहुल जेठवा जो कि 'अटल' में अवध बिहारी वाजपेयी का किरदार निभा रहे हैं, ने कहा, ''पेट्स हमें ढेर सारी खुशियां देते हैं। हमारे काम से घर लौटने पर दरवाजे पर उनके स्वागत से लेकर मुश्किल दिनों में अपनी सांत्वना देने वाली मौजूदगी तक, हमारे ये प्यारे साथी ढेर सारे प्यार एवं खुशियों से हमारे हर दिन को भर देते हैं। मेरे पास सात्विक नाम का डॉगी है। उसका नाम आध्यात्मिकता से जुड़ा है और वह मेरे आध्यात्मिक सफर का आईना है। उसने मेरी जिंदगी में उस समय कदम रखा, जब अपनी बहन की शादी के बाद मैं बेहद अकेलापन महसूस कर रहा था। उसने अपने प्यार और अपनत्व से उस खालीपन को भर दिया, जो मुझे मेरी बहन की याद दिलाता था। हमारे पास एक फिश टैंक भी है, जो बेहद मनमोहक है। हम उस टैंक में मछलियो को तैरते हुये देखकर घंटों बिता सकते हैं, जो एक तरह से तनाव भगाने वाला अनुभव है। इन दोनों से कई बातें सीखी जा सकती हैं। डॉग्स हमें वफादारी, छोटे-छोटे पलों में खुशियों और निश्छल प्यार के बारे में सिखाते हैं, जबकि मछलियां हमें परिवर्तनशीलता एवं सामंजस्य के बारे में सिखाती हैं, जिससे आपको लचीलापन लाने, सामुदायिक भावना जगाने और कई अन्य चीजों में मदद मिल सकती है।''

गीतांजलि मिश्रा, जो कि 'हप्पू की उलटन पलटन' में राजेश का किरदार अदा कर रही हैं, ने कहा, ''दिन भर का मेरा सबसे आनंददायक और खुशनुमा पल होता है, अपने पेट 'बम बम' के साथ खेलना और उसे गले लगाना। वह जब आस-पास होता है, तो मैं बहुत खुश रहती हूँ। वह बहुत चुलबुला और जोश से भरपूर है। मैंने अपने प्यारे भगवान शिव से प्रेरित होकर उसका नाम 'बम बम' रखा है। पेट्स हमारी आत्मा को सुकून पहुंचा सकते हैं और हमारे दिन को खुशियों को भर सकते हैं, फिर चाहे वह प्यारी-सी बिल्ली हो या चुलबुला डॉगी। हमें जो सबसे अच्छी बात वो सिखाते हैं, वह है माफ कर देना। उनमें माफ कर देने की कमाल की क्षमता होती है, फिर चाहे हमने उनके साथ कितना भी रूखा व्यवहार क्यों न किया हो। दूसरी चीज है उनका निःस्वार्थ प्यार- वो हमें बिना किसी स्वार्थ के प्यार करते हैं, हमारी कमियों या गलतियों को नजरअंदाज करके। वो हमें सिखाते हैं कि हमें अपना दिल बड़ा रखना चाहिये, दूसरे को पूरे दिल से प्यार करना चाहिये, बिना किसी जजमेंट के। वो हमें समानुभूति, दया भाव रखना और हर किसी को स्वीकार करना सिखाते हैं।''विदिशा श्रीवास्तव, जो कि 'भाभीजी घर पर हैं' में अनीता भाबी का किरदार निभा रही हैं, ने कहा, ''मेरा मानना है कि हम पेट्स को नहीं चुनते, बल्कि वे हमें चुनते हैं। इस सच्चाई को मैंने उस समय बेहद करीब से महसूस किया, जब तीन साल पहले मैंने अपने घर पर एक डॉग का स्वागत किया और यहीं से हमने एक साथ दिल छू लेने वाले सफर की शुरूआत की। उसके सफेद बालों और मनमोहक आँखों को देखकर हमने उसका नाम ह्यफॉक्सीह्य रखा, जो एक सफेद फॉक्स के जैसा है। उसके चुलबुले व्यक्तित्व ने हमारे जीवन में अनगिनत खुशियाँ भर दीं। वह हमेशा मेरे पास आ जाता है और जब तक उसकी माँग पूरी नहीं हो जाती, मुझे लाड़ करके मनाता रहता है। मैं उसके साथ खूब मौज-मस्ती करती हूँ। वह मेरे लिये एक अल्टीमेट स्ट्रेस रिलीवर की तरह है और मेरा प्यारा सा साथी है, जो मेरे हर दिन को ढेर सारे प्यार और खुशियों से भर देता है। पेट्स हमारी जिंदगी को और भी खुशनुमा बना देते हैं, हमें एकजुटता व समानुभूति का पाठ सिखाते हैं और हर पल को जीने की अहमियत बताते हैं। वर्ल्ड पेट डे पर, आइए इंसानों और उनके पेट्स के बीच के इस बेमिसाल बंधन का जश्न मनायें।''

अपने पसंदीदा कलाकारों को देखें 'अटल' में रात 8:00 बजे, 'हप्पू की उलटन पलटन' में रात 10:00 बजे और 'भाबीजी घर पर हैं' में रात 10:30 बजे, हर सोमवार से शुक्रवार, सिर्फ एण्डटीवी पर!

परिवर्तन दूत

लखनऊ

अबकी बार 400 पार, फिर मोदी सरकारः शर्मा

ऊर्जा मंत्री पहुंचे सिद्धार्थनगर, की चुनावी जनसभायें, भाजपा प्रत्याशी जगदम्बिकाल पाल को जीत की दी अग्रिम बधाई

लखनऊ,जीएनएस। अबकी बार 400 पार,फिर एक बार मोदी सरकार और फिर एक बार जगदम्बिकाल पाल के उद्घोष के साथ नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा नेडुमरियागंज लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी और तीन बार सांसद जगदम्बिका पाल के चुनाव प्रचार अभियान की शुरुवात की। श्री शर्मा ने आज सिद्धार्थनगर डुमरियागंज और बांसी विधानसभा में जनसभाओं को संबिधित करते हुए कहा कि जगदम्बिका पाल का सम्मान प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, राक्षमंत्री के साथ ही पूरा शीर्ष नेतृत्व करता है। देश की नौकरशाही में पाल की हर एक बात का बड़ा सम्मान है। श्री शर्मा ने कहा कि सिद्धार्थनगर में पिछले वित्तीय वर्ष में नगर विकास विभाग से लगभग 200 करोड़ रूपये के कार्य कराये गए हैं। यह सब आपके कर्मठ और ऊर्जावन सांसद श्री पाल कि वजह से सम्भव हुआ है।

उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि दुनिया में 17 देश ऐसे हैं जिनकी आबादी के बराबर तो भाजपा के कार्यकर्त्ता हैं। भाजपा आपने हर एक कार्यकर्त्ता के साथ ही प्रदेश की जनता के सम्मान, स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि के लिए हमेशा तत्पर रहती है। देश को विकसित भारत बनाने का कार्य मोदी के नेतृत्व में जोरो चल रहा है। और यह निरंतर चलता रहे इसके लिए आप सभी को अपनी लोकसभा सीट से जगदम्बिका पाल और 4 लाख से अधिक वोट से जीत दिलाकर लोकसभा भेजना है और मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का कार्य करना है। जगदम्बिका पाल का प्रदेश ही नहीं, देश में बहुत सम्मान और प्रतिष्ठा है। ऊर्जावान जगदम्बिका पाल को हमेशा अपने पास संभाल कर रखियेगा। इनके रहते क्षेत्र का विकास सम्भव है। सांसद हर उम्र के लोगों का बड़ा सम्मानित करते हैं और आश्चर्य यह है कि वे सभी को उनके नाम से ही बुलाते हैं। यह आप सभी के प्रति उनके प्रेम से ही संभव है। पाल को आपके विकास के लिए किस योजनाओं में कितना पैसा किस गांव में और किस ब्लॉक और किस पंचायत गया है, यह सारा हिसाब उँगलियों पर रहता है। सुविधाओं का आभाव दिखता है तो तुरंत उसकी पूर्ती के पूरी ऊर्जा से लग जाते हैं, और जब तक काम करा नहीं लेते, तब तक पीछे नहीं हटते। अपने मंत्रीकाल में पिछले दो साल में आपके जिले को 200 करोड़ नगर विकास विभाग से दिया है। यह सांसद जगदम्बिका पाल की वजह से संभव हुआ है। मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आप डुमरियागंज लोकसभा सीट से इतने कर्मठ सांसद को चुनकर लोकसभा भेजते हैं। भाजपा ने हर सामान्य आदमी की सेवा की है। पिछली सरकारों में जो लाखों टन अनाज सड़ जाता था गोदामों में उससे देश के 60 करोड़ लोगों में मुफ्त वितरित कर उनके जीवन को सुदृढ़ बनाने का काम किया जा रहा है। आयुष्मान कार्ड का लाभ देते हुए 30 करोड़ से ज्यादा लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षित किया गया है। धुएँ से महिलाओं को मुक्ति दिलाने के लिए 10 करोड़ से अधिक गैस सिलेंडर दिए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजनाओं के तहत 7 करोड़ लोगों को आवास दिए गए जिसमें सिर्फ उत्तर प्रदेश में ही 56 लाख के करीब लाभार्थी हैं। विद्युत व्यवस्था के क्षेत्र में जो काम शुरू किया है वो आज आपके साथ ही आपके बच्चों के भविष्य तक सुधारना का कार्य किया जा रहा है। हमने 24 घंटे बिजली देने का प्रयास शुरू कर दिया है। जनसभा भाजपा जिला अध्यक्ष कन्हैया पासवान्, विधायक श्याम धनी राही, राघवेंद्र प्रताप सिंह, जय प्रताप सिंह जी समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्त्ता और हजारों की संख्या में जनता मौजूद रही।

रॉबर्ट वाड्रा के दावे पर केशव प्रसाद मौर्य ने बोला हमला, कहा

चाहे जीजा आएं या दीदी, अमेठी में कमल ही खिलेगा

लखनऊ,जीएनएस। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा के अमेठी से चुनाव लड़ने की चर्चा पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पलटवार किया है। उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कहा, चाहे राहुल गांधी के जीजा आएं या दीदी आएं, लेकिन अमेठी और रायबरेली में कमल खिल चुका है, यहां पर कमल ही खिलेगा।केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि, बीजेपी के लिए अमेठी और रायबरेली में कोई चैलेंज नहीं है। ये

लोग इन दोनों क्षेत्रों को अपनी जागीर समझते थे। यूपी के युवाओं को नशेड़ी कहते थे, लेकिन अब युवाओं ने ही राहुल गांधी का नशा उतार दिया है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का नशा पूरी तरह उतर जाएगा। अमेठी की सीट पर तो कमल ही खिलेगा। बता दें कि प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने हाल ही में अपने राजनीतिक पदार्पण का संकेत दिया था। उन्होंने उत्तर प्रदेश में कभी कांग्रेस पार्टी के गढ़ रहे अमेठी को चुना है। उन्होंने कहा, अमेठी के लोग मुझसे उम्मीद करते हैं कि अगर मैं सांसद बनने का फैसला करता हूं तो मैं उनका प्रतिनिधित्व करूं। क्योंकि अमेठ्ठी ने पिछली बार जिसे (स्मृति ईरानी) अपना सांसद चुना था, वह केवल गांधी परिवार पर हमला करने के बारे में चिंतित है, क्षेत्र के विकास और अपने लोगों की भलाई सुनिश्चित करने के बारे में नहीं। उन्होंने कहा, अमेठी के लोग अपने सांसद से परेशान हैं। उन्हें लगता है उन्होंने वर्तमान सांसद को चुनकर गलती की है। जब अमेठी के लोगों को लगेगा कि उन्होंने गलती की है, जब उन्हें लगेगा कि वे चाहते हैं कि गांधी परिवार का कोई सदस्य वापस आए या वे चाहेंगे कि मैं उनका प्रतिनिधित्व करूं... तब वे कांग्रेस को बड़ी जीत दिलाएंगे।

संक्षिप्त खबरें...

इमामिया एजुकेशनल ट्रस्ट के कार्यालय में बैठक आयोजित

लखनऊ,जीएनएस। इमामिया एजुकेशनल ट्रस्ट के कार्यालय पर एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें मौलाना कारी मुहम्मद कामिल ने कहा कि रमजान का महीना शुरू होते ही लोग अपने-अपने तरीके से गरीबों, कमजोरों और असहायों की मदद करते हैं उन्होंने कहा कि ट्रस्ट हर साल छात्रों को उनकी शिक्षा फीस के साथ-साथ पाठ्यक्रम की किताबें और ड्रेस उपलब्ध कराने में मदद करता है। यह गरीब लोगों को चिकित्सा सहायता और गरीब लड़कियों की शादी में मदद भी प्रदान करता है। दुनियावी तालीम के साथ-साथ दीनी तालीम को बढ़ावा देने के लिए साल में दो बार दीनी प्रतियोगिताएं आयोजित करता है और बच्चों को इनाम और सर्टिफिकेट देता है। ट्रस्ट एक मस्जिद का निर्माण भी करा रहा है. ट्रस्ट गरीब, अनाथ, बेसहारा लड़कियों के लिए एक छात्रावास का निर्माण कर रहा है। ट्रस्ट का सालाना खर्च कई लाख रुपये होता है। उन्होंने कहा कि मैं ट्रस्ट के सचिव मौलाना कुम्मी साहब को तब से जानता हूं, जब लॉकडाउन के दौरान मोहम्मद अफाक के साथ मिलकर लाखों रुपये का राशन, दवाइयां, ऑक्सीजन बांटा गया था। सामाजिक संगठन के संयोजक ने कहा कि वे लोगों को हर संभव मदद देने के लिए आगे आ रहे हैं और जितना संभव हो सके कर रहे हैं, इसलिए मैं लोगों से अपील करता हूं कि आप इस ट्रस्ट में मदद करें।

बुजुर्ग महिला को अर्धनग्न कर गांव में घुमाया, कोर्ट के आदेश पर निगोंहा पुलिस ने पांच को किया नामजद

लखनऊ,जीएनएस। निगोंहा थाना अंतर्गत जमीन कब्जाने के नियत से युवकों ने एक वृद्धा को अर्धनग्न कर गांव में घुमाया। वृद्धा के विरोध करने पर आरोपी धमकी देते हुए वहां से भाग निकले। सम्बन्धित में शिकायत देने पर भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। इसके बाद वृद्धा ने कोर्ट में अर्जी दायर की। कोर्ट के आदेश पर निगोंहा पुलिस ने पांच लोगों को नामजद किया है। प्रभारी निरीक्षक अनुज तिवारी के मुताबिक, क्षेत्र की एक गांव की रहने वाली वृद्धा (62) ने चंद्र प्रकाश तिवारी, मोहित तिवारी, सोहित तिवारी उर्फ गोलू, अतुल तिवारी और सत्यम तिवारी उर्फ राहुल के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। लिखित शिकायत में वृद्धा ने बताया कि आरोपी उसकी जमीन कब्जाने का प्रयास करते है। जिस वजह से वह अक्सर साजिश रचते हैं। आरोप है कि गत 01 मार्च को आरोपी उसके घर में जबरन घुस आए, फिर अर्धनग्न हालत में पूरे उसे गाव में घूमाया गया। वृद्धा का कहना है कि आरोपियों के घर की महिलाओं ने भी पूरा सहयोग किया। उसके विरोध करने पर आरोपी उसे फर्जी मुकदमें में फंसाने की धमकी देने लगे। वृद्धा ने आरोपियों के खिलाफ निगोंहा थाने में तहरीर दी। बावजूद इसके पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। हालांकि, कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने छेड़छाड़, मारपीट, गाली-गलौज और बलवा की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है।

लखनऊ की 34 क्षेत्रीय चित्रांश संस्थाओं ने भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह को समर्थन दिया

लखनऊ,जीएनएस। अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव वर्मा के आवाहन पर महासभा के केंद्रीय कार्यालय ए-10 निराला नगर पर लखनऊ जनपद में कायस्थ समाज के सक्रिय लगभग 34 संस्थाओं के अध्यक्ष, महामंत्री एवम् अन्य पदाधिकारी एकत्रित हुए। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता नीरज सिंह एवं भाजपा के लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद कुमार द्विवेदी एवं अभिषेक खरे की उपस्थिति में एक मत से लखनऊ संसदीय क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी राजनाथ सिंह को अपना समर्थन देते हुए रिकार्ड मतों से जिताने का निर्णय लिया गया तथा यह आवाहन किया गया की कायस्थ समाज के लोग अपने-अपने क्षेत्र से अधिकतम वोटरों को घर-घर से निकालकर पोलिंग बूथ तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव वर्मा ने कहा कि लखनऊ वासियों को इस बार राजनाथ सिंह को अधिकतम मतों से जिता कर सांसद बनाने का रिकार्ड बनाना है इस लिए एक-एक वोट का महत्व है। मंच का संचालन कर रहे महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल सेन सक्सेना ने कहा कि कायस्थ समाज ने हमेशा राष्ट्रधर्म का पालन किया है और आज राष्ट्र को नरेंद्र मोदी जैसे प्रधानमंत्री की आवश्यकता है। इस अवसर पर अखिल भारतीय चित्रांश महासभा के वीरेन्द्र सक्सेना, विमलेश कुमार श्रीवास्तव, ई0 सुभाष, राना रंजीत वर्मा, के0 सरन, एड. अरविन्द प्रधान, गोपी कृष्ण श्रीवास्तव, आनन्द प्रकाश, सरिता वर्मा, कुमुद श्रीवास्तव, विनीता श्रीवास्तव, मीनाक्षी वर्मा, अरुणिमा श्रीवास्तव, रत्ना श्रीवास्तव, अमिताभ बिहारी वर्मा,अभिषेक खरे, भानु प्रताप, अरूण निगम, नेपोलियन सक्सेना, राजन सक्सेना, आदि पदाधिकारी उपस्थित रहें तथा अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष इंद्र सेन श्रीवास्तव, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के रा0 महासचिव पवन भास्कर, अखिल कायस्थ समाज कल्याण महासभा- न्यूटन किशोर सक्सेना (रा0 अध्यक्ष), कायस्थ संघ अन्तरराष्ट्रीय-दिनेश खरे (रा0 अध्यक्ष), चित्रगुप्त नरम समिति मोती नगर-रवि सिन्हा,उमा सरन, श्री चित्रगुप्त समिति प्रेमनगर उमेश श्रीवास्तव ध् राकेश श्रीवास्तव, चित्रांश कल्याण समिति सहित अन्य संगठन उपस्थित थे।

बंद मकान सहित कार में लगी आग, दमकल कर्मियों ने पाया काबू

लखनऊ,जीएनएस। राजधानी लखनऊ के दो अलग अलग थाना क्षेत्रों में एक बंद मकान और एक कार में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर कुछ देर में आग पर काबू पा लिया । लेकिन कार और मकान में रखा कीमती सामान जलकर राख हो चुका था। मिली जानकारी के मुताबिक, कृष्णानगर थाना क्षेत्र के पुरानी विजय नगर पुलिस चैकी के पास स्थित सुरेंद्र राम परिवार संग रहते हैं। वह परिवार संग घर में ताला बंद कर कही बाहर गए हुए हैं। रविवार सुबह करीब साढ़े पांच उनके मकान में अचानक आग लग गई और कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। मकान से धुआ निकलता देख पड़ोसियों ने फायर स्टेशन सहित स्थानीय पुलिस को सूचना देने के बाद पानी की मदद से कड़ी मशक्कत कर कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। वही सूचना पाकर मौके पर पहुंची लेकिन तब तक पड़ोसियों ने

घर का ताला तोड़कर आग पर काबू पा लिया था। आग लगने की सूचना घर मालिक को हुई तो उन्होंने इंदिरा नगर में रहने वाले रिश्तेदार संजय कुमार को दी, जिससे वह मौके पर पहुंचे। इसके अलावा पीजीआई थाना क्षेत्र के सेक्टर 7 सी में शनिवार देर रात एक बाग के पास खड़ी कार में अचानक आग लग गई। पास में रहने वाले संतोष जायसवाल ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पीजीआई फायर स्टेशन प्रभारी माम बड़ चंद्र गूजर ने टीम के साथ पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। उनका कहना है कि जांच पड़ताल की जा रही हैं।

सोना और सिगरेट के भगोड़े तस्करों के 29 ठिकानों पर कस्टम छापे, कई ट्रैवल एजेंट भी जांच के दायरे में

लखनऊ,जीएनएस। सिगरेट और सोने के भगोड़े तस्करों के खिलाफ कस्टम विभाग ने बड़ा अभियान छेड़ दिया है। अधिकारियों ने पुलिस के साथ 29 तस्करों के ठिकानों पर छापे मारे। ये कार्यवाही टांडा और हलद्वानी में की गई। इन तस्करों के नेटवर्क को पकड़ने की रणनीति बनाई गई है। जिसमें इन तस्करों के आर्गनाइजर और ट्रैवल एजेंटों को जांच के दायरे में रखा गया है। इस बीच रिमांड में लिए गए दो तस्करों की बेल खारिज हो गई है।चार दिन पहले लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट से कस्टम टीम ने 3.12 करोड़ रुपये की विदेशी सिगरेट के साथ 35 तस्करों को पकड़ा था। उनमें से मोहम्मद कासिफ नाम के एक तस्कर की तबियत खराब हो गई थी जिसका इलाज अधिकारियों ने कराया। इसकी आड़ में तस्करों ने नारेबाजी शुरू कर दी और इलाज की अफरातफरी के बीच 29 तस्कर हिरासत से फरार हो गए।

इस गंभीर प्रकरण में एयरपोर्ट पर तैनात पूरी कस्टम टीम को सस्पेंड किया जा चुका है। छह तस्करों को रिमांड में लेने के बाद कस्टम अधिकारियों द्वारा पूछताछ जारी है। उनसे कुछ महत्वपूर्ण क्लू मिले हैं। इसके आधार पर टीमों ने 29 ठिकानों पर छापे मारे हैं। घरों में कोई तस्कर नहीं मिला लेकिन घरवाले मिले। भगोड़े तस्करों का रहन-सहन अच्छा पाया गया है।पकड़े गए तस्करों से पूछताछ में तस्करों के पीछे बड़े सिंडिकेट का हाथ होने के संकेत मिले हैं। पकड़े गए और भगोड़े तस्कर 'ग्राउंड लेवल वर्कर्स' हैं। तस्करी के सिंडीकेट के रूप में कस्टम विभाग को पहला मौका मिला है। यही वजह है कि पहली बार इन्हें गिरोह के रूप में दर्ज किया गया है।सूत्रों के मुताबिक पूछताछ में तस्करों ने कई राज उगले हैं। दुबई में उनके कई 'आर्गनाइजरों' का खुलासा हुआ है। तस्करों के तार दिल्ली, मुंबई और वेस्ट यूपी से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक फैले हैं। सिंडीकेट का यही नेटवर्क सोने और सिगरेट की तस्करी का 'सेफ पैसेज' तैयार करता है। इसके अलावा तस्करों के लिए टिकट-वीजा कराने वाले ट्रैवल एजेंटों से भी पूछताछ की जाएगी।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर बेसिक लाइफ सपोर्ट पर कार्यशाला

हम अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए स्वयं जिम्मेदार हैंः डॉ रूपल अग्रवाल

लखनऊ,जीएनएस। विश्व स्वास्थ्य दिवस 2024 के अवसर पर हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रामायण पार्क, सेक्टर -25, इंदिरा नगर, लखनऊ में ष्बेसिक लाइफ सपोर्ट कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डॉ. पियाली भट्टाचार्य, सलाहकार एवं बाल रोग विशेषज्ञ, एस.जी.पी.जी.आई, डॉ निर्मला जोशी, अध्यक्ष, डॉ अमित कुमार रस्तोगी, उपाध्यक्ष तथा डॉ उत्कर्ष बंसल, सचिव ने सेक्टर 25 के निवासियों को हार्ट अटैक आने पर मरीज को दिये जाने वाले प्रारंभिक उपचार का प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी, श्री नीरज सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही स कार्यशाला का शुभारंभ राष्ट्रगान तथा दीप प्रज्वलन से हुआ, कार्यशाला में सभी का स्वागत करते हुए हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट की न्यासी डॉ रूपल अग्रवाल ने कहा कि 'आप सभी को विश्व स्वास्थ्य दिवस 2024 की बहुत-बहुत शुभकामनाएं, विश्व स्वास्थ्य दिवस प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य संगठन की स्थापना के दिन मनाया जाता है, इस दिन लोगों को सेहत से जुड़ी समस्याओं एवं अधिकारों के बारे में जागरूक किया जाता है, इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य दिवस की थीम है मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार (डल भ्मंसजी, डल त्पहीज) जिसवेज तहत आज हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बेसिक लाइफ सपोर्ट कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट लोगों को नई चिकित्सा तकनीकों के बारे में जागरूक करने और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में काम कर रहा है। ट्रस्ट द्वारा जनहित में निरंतर निरूशुल्क होम्योपैथी परामर्श, निदान एवं दवा वितरण शिविर, रक्तदान शिविर, मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर, कैंसर और स्वाइन फ्लू के लिए जागरूकता शिविर और मुफ्त नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें समाज के निर्धन, गरीब और असहाय लोगों की निरंतर मदद की जा रही है। कार्यशाला के मुख्य अतिथि नीरज सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी ने हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे जनहित के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि, आप सभी को विश्व स्वास्थ्य दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं द्य हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट निरंतर ही जन सेवा के कार्यों में लगा हुआ है, मैं हेल्प यू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी हर्ष वर्धन अग्रवाल की प्रशंसा करता हूं जो सरकार द्वारा दिए गए अधिकारों का सदुपयोग करते हुए निरंतर जनहित में कार्य कर रहे हैं, बेसिक लाइफ सपोर्ट एक ऐसी ट्रेनिंग है जो हार्ट अटैक की स्थिति में अस्पताल पहुंचने तक किसी की भी जान बचा सकती है, मेरा मानना है कि बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रशिक्षण को हर किसी को सीखना चाहिए और हर स्कूल और कॉलेज में ऐसी कार्यशालाएं आयोजित की जानी चाहिए, खास कर युवाओं को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए, इस अवसर पर श्री नीरज सिंह ने स्वयं भी प्रशिक्षण प्राप्त किया। डॉ पियाली भट्टाचार्य, डॉ अमित कुमार रस्तोगी एवं डॉ उत्कर्ष बंसल ने कार्यशाला में उपस्थित सभी लोगों को बेसिक लाइफ सपोर्ट के बारे में बताते हुए कहा कि ष्बेसिक लाइफ सपोर्ट (बी.एल.एस.) चिकित्सकीय देखभाल की ट्रेनिंग है जिसका उपयोग जीवन-घातक बीमारियों जैसे हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक या चोटों के पीड़ितों के लिए तब तक किया जाता है जब तक कि वह अस्पताल में संपूर्ण चिकित्सकीय देखभाल के लिए ना पहुंच जाये।

प्रवर्तन एजेंसी व उड़नदस्ते मुस्तैद, जब्त कर रहे अवैध शराब, नकदी

लखनऊ,जीएनएस। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में प्रवर्तन एजेन्सियों व उड़नदस्तों द्वारा अवैध शराब, नकदी आदि की जब्ती संबंधी आयोग के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 16 मार्च को लोकसभा सामान्य निर्वाचन- 2024 की निर्वाचन तिथियों की घोषणा के साथ ही प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। सीईओ ने कहा कि आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 01 मार्च से 06 अप्रैल तक 128.42 करोड़ रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं, मुफ्त उपहार व नगदी आदि जब्त किये गये, इसमें 2139.13 लाख नकद धनराशि, 3059.97 लाख कीमत की 955663.64 लीटर शराब, 4722.77 लाख की 7625774.11 ग्राम ड्रग, 1783.28 लाख रुपये कीमत की 52398.86 ग्राम बहुमूल्य धातुएं एवं 1137.23 लाख रुपये कीमत की अन्य सामग्री जब्त की गयी। आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 06 अप्रैल को 1481.16 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातु व नगदी आदि जब्त कियागया। इसमें 17.20 लाख रुपये नकद धनराशि, 167.92 लाख रुपये कीमत की 103881.68 लीटर शराब, 290.94 लाख रुपये कीमत की 349405.81 ग्राम ड्रग, 5.09 लाख रुपये कीमत की 13235 ग्राम बहुमूल्य धातुएं एवं 10 करोड़ रुपये कीमत की अन्य सामग्री जब्त की गयी।06 अप्रैल को प्रमुख जब्ती में अमरोहा की अमरोहा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 10 करोड़ रुपये अनुमानित कीमत का 80000 लीटर मिथाइल एल्कोहल व गाजीपुर की जमनिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में 2.34 करोड़ रुपये की 269 किलोग्राम ड्रग पकड़ी गयी।

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आप का एक दिवसीय उपवास

लखनऊ,जीएनएस। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आज पूरे भारत में आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता एक दिन का उपवास रहे हैं। इस क्रम में यूपी की राजधानी लखनऊ में स्थित आम आदमी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आप कार्यकर्ताओं और नेताओं ने एक दिन का सामूहिक उपवास रखा है। बता दें कि रविवार को दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी के प्रदेश महामंत्री दिनेश सिंह पटेल के नेतृत्व में आप के नेता और कार्यकर्ता एक दिवसीय उपवास पर बैठे हुए है। प्रदेश महामंत्री दिनेश सिंह पटेल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अरविंद केजरीवाल से डरे हुए है। बीजेपी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करके विपक्ष के नेताओं को डराने का काम करती है। उन्होंने कहा कि अजीत पवार जैसे नेता विपक्ष में होते है तो बीजेपी के लिए भ्रष्टाचारी होते है लेकिन वो बीजेपी में शामिल होते ही सदाचारी हो जाते हैं। बीजेपी की वाशिंग मशीन में एक तरफ से भ्रष्टाचारी नेता डालिए दूसरी ओर से सदाचारी निकलेंगे।

वरिष्ठ सहायक पर दुष्कर्म का आरोप, नशीला पदार्थ खिलाकर किया रेप

लखनऊ,जीएनएस। आशियाना के निजी विश्वविद्यालय में कनिष्क सहायक पद पर कार्यरत महिला ने हेमवती राजकीय महाविद्यालय के वरिष्ठ सहायक पर यौन शोषण का आरोप लगाकर सुशांत गोल्फ सिटी में मुकदमा दर्ज कराया है। प्रभारी निरीक्षक अंजनी मिश्र के मुताबिक, पीड़िता ने नैनी के हेमवती राजकीय महाविद्यालय में वरिष्ठ सहायक महाबीर प्रसाद शर्मा पर दुष्कर्म की धारा में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़िता ने बताया कि कोरोना काल में उसे पति की मौत हो गई थी। वह सहायक पद पर कार्यरत थे। पति की मौत के बाद नैनी के हेमवती राजकीय महाविद्यालय में वरिष्ठ सहायक महाबीर प्रसाद शर्मा ने मृतक आश्रित कोटे में नौकरी दिलाने के नाम पर दोस्ती की। जुलाई 2021 को महिला की नौकरी नैनी के विवि में कनिष्क सहायक पर लग गयी। पीड़िता का कहना है कि एक दिन महाबीर ने उससे ज्यादा काम होने की बात कहकर रोक लिया और नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म कर वीडियो बना लिया,

मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को प्रचार-प्रसार के लिए दूरदर्शन व आकाशवाणी पर प्रसारण का समय तय

लखनऊ,जीएनएस। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 तथा प्रदेश की विधानसभा उप निर्वाचन में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय, राज्यस्तरीय राजनैतिक दलों को दूरदर्शन व आकाशवाणी के केन्द्रों पर प्रसारण समय आवंटित किया गया है। 06 राष्ट्रीय दलों तथा उत्तर प्रदेश के 02 राज्यीय दलों को दूरदर्शन व आकाशवाणी पर प्रचार-प्रसार के लिए समय की न्यायसंगत हिस्सेदारी का आवंटन किया है। यह सुविधा पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों या किसी स्वतंत्र अभ्यर्थी को उपलब्ध नहीं होगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश की लोकसभा निर्वाचन तथा विधानसभा उप चुनाव के लिए राष्ट्रीय दलों एवं राज्यीय दलों को दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के माध्यम से प्रचार-प्रसार के लिए समय निर्धारित कर दिया गया है। इसमें राष्ट्रीय दलों को दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के राष्ट्रीय चैनल पर प्रचार-प्रसार हेतु लगभग 10 घंटे का समय आवंटित किया गया है जिसमें भारतीय जनता पार्टी को 241 मिनट, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 148 मिनट, कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया मार्क्सवादी को 54 मिनट, आम आदमी पार्टी को 47 मिनट, नेशनल पीपुल पार्टी को 45 मिनट, बहुजन समाज पार्टी को 64 मिनट का समय आवंटित किया गया है। राष्ट्रीय दलों को दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के क्षेत्रीय केन्द्रों पर प्रचार-प्रसार हेतु कुल 15 घंटे का समय आवंटित किया गया है, जिसमें भारतीय जनता पार्टी को 362 मिनट, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 222 मिनट, कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया मार्क्सवादी को 81 मिनट, आम आदमी पार्टी को 71 मिनट, नेशनल पीपुल पार्टी को 68 मिनट, बहुजन समाज पार्टी को 96 मिनट समय आवंटित किया गया है। दूरदर्शन एवं आकाशवाणी के क्षेत्रीय केन्द्रों और राज्य राजधानी केन्द्र पर प्रचार-प्रसार के लिए राज्य स्तरीय पार्टियों में समाजवादी पार्टी को 53 मिनट तथा अपना दल सोनेलाल को 27 मिनट आवंटित किये गये हैं। इन दोनों राज्यीय दलों को पूरे देश में दर्शकों के लिए उपलब्ध दूरदर्शन के क्षेत्रीय सेटलाइट सेवा चैनल और आकाशवाणी के राष्ट्रीय हुकअप पर 10-10 मिनट का समय आवंटित किया गया है।सीईओ के मुताबिक दूरदर्शन व आकाशवाणी पर किसी भी राजनैतिक दल के ऐसे बयानों को प्रसारण की अनुमति नहीं होगी, जिसमें अन्य देशों की निन्दा की गयी हो, धर्मों या समुदायों पर हमला किया गया हो, कुछ भी अश्लील या अपमानजनक बात, हिंसा भड़काने संबंधी बयान, ऐसा बयान जिसमें न्यायपालिका की अवमानना हो,

आज आएंगे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद, सोशल मीडिया वालंटियर्स को देंगे जीत का मंत्र

बस्ती,जीएनएस। जिले में अगले माह 25 मई को मतदान होना है, ऐसे में राजनीतिक दलों की तैयारियां तेज कर दी गई है। भाजपा, सपा व बसपा ने अपने प्रत्याशियों को घोषित कर उन्हें चुनाव मैदान में उतार दिया है। ऐसे में भाजपा विरोधी दलों को चुनावी मैदान में चित्त करने के लिए रणनीति तय कर रही है। इसी के तहत सोमवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या बस्ती पहुंचेंगे। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा ने बताया कि डिप्टी सीएम का कार्यक्रम शहर के उर्मिला एजुकेशन एकेडमी में होगा और वे दोपहर एक बजे सोशल मीडिया वालंटियर मीट सम्मेलन को संबोधित करेंगे। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या भारतीय जनता पार्टी

के सोशल मीडिया वालंटियर्स मीट सम्मेलन को संबोधित करेंगे और उन्हें जीत का मंत्र देंगे। पार्टी की ओर से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रणनीति बनाई गई है। जिलाध्यक्ष ने बताया कि यहां काफी संख्या में सोशल मीडिया वालंटियर्स पहुंचेगे, जहां डिप्टी सीएम की ओर से उन्हें चुनाव संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिया जाएगा। इसके साथ ही सोशल मीडिया वालंटियरों को अलग-अलग जिम्मेदारी भी सौंपी जाएगी। जिले में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष व भाजपा के दिग्गज नेता कहे जाने वाले दयाशंकर मिश्रा ने पिछले दिनों भारतीय जनता पार्टी से मुंह मोड लिया है।

उन्होंने बहुजन समाज पार्टी की सदस्या ग्रहण किया और बसपा की ओर से उन्हें बस्ती से लोकसभा प्रत्याशी भी घोषित कर दिया गया, जिसके चलते जिले में चुनावी हलचल बढ़ गई। भाजपा इस सीट पर काबिज रहने के लिए पूरी ताकत लगाती दिख रही है। अगले महीने की 25 तारीख को जिले में चुनाव होना है। ऐसे में डिप्टी सीएम का सोशल मीडिया वालंटिसयर्स मीट सम्मेलन में शामिल होने के लिए सोमवार को आना जिले में चुनावी सरगर्मियों को बढ़ाने वाला है।

शार्ट सर्किट से फूस के मकानों में लगी आग, दमकल कर्मियों ने पाया काबू

बहराइच,जीएनएस। जिले के हंसुवापारा गांव निवासी दो ग्रामीणों के फूस के मकान में रविवार को शार्ट सर्किट से आग लग गई। सूचना पाकर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। पयागपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत हसुवापारा के मजरा रंकीपुरवा निवासी सुखराम पुत्र राम समुझ के मकान में रविवार दोपहर में शार्ट सर्किट से आग लग गई।ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन उठ रही तेज लपटों ने पड़ोसी उमेश उर्फ नानमून के मकान को भी आगोश में ले लिया। इस पर सभी ने दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। लेकिन दो मकानों की पूरी गृहस्थी आग की भेंट चढ़ गईं। आग लगने से कपड़ा, अनाज और अन्य सामान जल गया। एक लाख से अधिक का नुकसान हुआ है। आग लगने की सूचना मिलने पर थाने की पुलिस ने मौके का मुआयना किया।

रेलवे ने बंद किया रस्ता तो भड़की जनता, सांसद प्रत्याशी का किया घेराव

क्षेत्र की समस्या हल न होने पर मतदान बहिष्कार की दी चेतावनी

बहराइच,जीएनएस। रेलवे और प्रशासन ने शहर के नईबस्ती बख्शीपुरा जाने वाले मुख्य मार्ग को बैरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिया है। जिससे मोहल्ले के 50 हजार लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। बीमारों को अस्पताल, बच्चों को स्कूल व आमजन को बाजार जाने में बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। जनप्रतिनिधि से लेकर प्रशासन तक लगातार मोहल्ले के हितों की उपेक्षा कर रहा है। इस कारण रविवार को मोहल्ले के सभासद अखिलेश यादव के नेतृत्व में हजारों आक्रोशित लोग सड़क पर उतर आये। सभी मोहल्ला वासियों ने सबसे भाजपा सांसद प्रत्याशी आनंद गोंड के आवास पर जाकर उनका घेराव किया और लगातार मोहल्ले की समस्या के प्रति उदासीनता का आरोप लगाया इसके बाद सभी ने भाजपा एम एल सी डॉ प्रज्ञा त्रिपाठी का भी घेराव कर उन्हें भी समस्या बताई। मोहल्ले

वासियों का नेतृत्व करघ् रहे समाजसेवी मनीराम वर्मा ने बताया कि रेलवे क्रासिंग बंद होने से मोहल्ला बहुत समस्या में है। इसलिए अपनी पीड़ा व्यक्त करने के लिए वह जनप्रतिनिधियों के पास जा रहे हैं। हलांकी सभी जनप्रतिनिधि समस्या से अवगत हैं और समस्या समाधान का आश्वासन भी देते हैं। लेकिन 2017 से न नाला बन सका न क्रासिंग खुल पायी। उस पर भी रेलवे व प्रशासन ने मिलकर जो वैकल्पिक मार्ग बनाया था उसे भी बंद कर दिया। यह अन्याय की पराकाष्ठा है । लोकतंत्र में आमजन पर यह अन्याय स्वीकार नही है। अगर हमारी समस्याओं का समाधान नही किया गया तो हम सभी मतदान बहिष्कार करेंगे। मोहल्ले के सभासद प्रतिनिधि अखिलेश गोले ने कहा कि मोहल्ले की समस्याओं को लगातार बोर्ड बैठक में उठाया जाता है पर नगरपालिका की उदासीनता के कारण अभी तक किसी भी समस्या का समाधान नही हो पाया है। आंदोलनकर्ता समाजसेवी पी के सिंह ने बताया कि हमारे मोहल्ले ने सांसद से सभासद तक भाजपा का जिताकर भेजा है हमारे बूथों से हमेशा भाजपा जीतती है। लेकिन हमारे मोहल्ले की समस्याओं का कोई समाधान नही हो रहा है। इससे मोहल्ले में भारी आक्रोश है और सभी मतदान न करने का मन बना रहे हैं।इस अवसर पर सुभाष चंद्र पांडेय, श्यामलाल दूबे, दद्दू मिश्र, सत्यदेव मिश्र, महेश पाठक, दीपू सिंह, बड्डू पांडेय, अंकुरेश श्रीवास्तव, दिनेश श्रीवास्तव, अनूप तिवारी, वंदना शुक्ला, दीपा श्रीवास्तव, ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर हजारों की संख्या में मोहल्ले के महिला पुरुष उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें...

नहीं थम रहा धमकियों का सिलसिला:जेल अधीक्षक, भाजपा नेता के बाद पूर्व मंत्री के पीएसओ को मिली धमकी

बांदा,जीएनएस। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में धमकियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सबसे पहले बांदा मंडल कारागार के जेल अधीक्षक को जान से मारने की धमकी मिली फिर भाजपा नेता मुदित शर्मा को जान से मारने की धमकी मिली। इसके बाद कोतवाली शहर में एक और मुकदमा दर्ज हुआ है, जिसमें पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी के पीएसओ को भी अज्ञात कॉलर ने जान से मारने की धमकी दी है। कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी के पीएसओ इजहार खान जो पूर्व दरोगा भी रहे हैं उन्होंने शहर कोतवाली बांदा में मुकदमा दर्ज कराया है। उन्होंने अपनी तहरीर में लिखा कि वह पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी के साथ लखनऊ से बांदा आ रहे थे उनकी गाड़ी जैसे ही बांदा में प्रवेश की तभी समय करीब 3रू33 पर मोबाइल नंबर 923498993526 से उन्हें वाट्सएप कॉल आया कि तुम्हारा बेटा गलत काम करते हुए अन्य चार लोगों के साथ पकड़ा गया है। मैं एक नंबर देता हूं उसमें 50 हजार रुपए भेज दो वरना तुम्हारा बेटा हमेशा के लिए जेल में सड़ जाएगा। पीड़ित इजहार खान ने कहा उनका कोई बेटा बाहर नहीं रहता तुम कहां से बोल रहे हो तो कॉलर ने कहा वह नोएडा सदर थाने से बोल रहा है तभी नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने फोन ले लिया और कॉलर से कहा की नोएडा में कोई सदर थाना नहीं है। इतना सुन कॉलर भड़क गया और जान से मारने की धमकी देते हुए गाली-गलौज करने लगा और फोन काट दिया। आपको बताते चलें कि पीड़ित इजहार खान उत्तर प्रदेश पुलिस में पूर्व दरोगा रहे हैं और वह लखनऊ के रहने वाले हैं।

जिस सांप को कुएं से निकाला उसी ने डसा, मौत

बांदा,जीएनएस। जनपद में सांप को पकड़ने के लिए एक युवक कुएं में उतरा और उसे बाहर निकाल लाया। दिनभर उसके साथ खेला फिर अचानक सांप ने डस लिया, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गई। युवक को सांपों से खेलने का शौक था। उसके पूरे शरीर में सांप के टैटू बने हुए हैं और सीने में मौत लिखा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और कार्रवाई में जुट गई है। पूरा मामला पैलानी थाना क्षेत्र के खपटिहा कला गांव का है। रिंकू सिंह (30) पुत्र रामेश्वर सिंह दो-तीन दिन से केन नदी के दूसरे पार कछार डेरा में रह रहा था। लोगों ने बताया कि सांप पकड़ने का रिंकू को शौक था। गुरुवार को एक कोबरा सांप कुएं में गिर गया, इसका पता चलते ही रिंकू रस्सी डालकर कुएं में उतरा और उसे बाहर निकाल लाया। इसके बाद पूरे दिन सांप को लेकर घूमता रहा। लोगों को तरह-तरह के खेल दिखाता रहा। कभी गले में सांप डालता कभी उसे रस्सी से बांधकर इधर-उधर घुमा रहा था। इसी बीच अचानक मौका मिलते ही सांप ने रिंकू को डस लिया। कोबरा सांप के डसने से गुस्साए रिंकू ने उसे कूचकर मार डाला। कुछ ही देर बाद उसकी भी मौत हो गई। वहीं, आसपास के लोगों ने बताया कि रिंकू आसपास के गांव में भी सांप पकड़ने जाता रहता था। बचपन से ही उसे सांपों को पकड़ने और उनके साथ खेलने का शौक था। उसने पूरे शरीरी में सांप के कई टैटू बनवा रखे हैं। पुलिस ने पहुंचकर जांच की तो युवक के सीने में मौत भी लिखवा रखा था। पिता रामेश्वर ने बताया कि मेरा लड़का मथुरा में रहता था। वह 10-15 दिन के लिए गांव पर आता था। उसकी मां की पहले ही मौत हो चुकी है। वहीं लेखपाल धर्मवीर ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। रामेश्वर ने चैकी में तहरीर दी, जहां चैकी प्रभारी राजेश मिश्रा, विपुल मिश्रा तिलक ने पहुंचकर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सूने घर का ताला तोड़कर पांच लाख के जेवर चोरी

बांदा,जीएनएस। शहर के पाश इलाके इंदिरा नगर में सूने मकान में चोरों ने हाथ साफ कर दिया। ताला तोड़कर घर में घुसे और दो अलमारियों के लाकरों का ताला तोड़कर उसमें रखे पांच लाख रुपए के सोने चांदी के जेवर लेकर भाग निकले। घर लौटने पर गृहस्वामी को जानकारी हुई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर पड़ताल शुरू कर दी है। इंदिरा नगर मोहल्ला निवासी कमलेश कुमार जड़िया ने नगर कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह अपने परिवार के साथ गुजरात में स्थित सोमनाथ मंदिर दर्शन करने के लिए गए थे। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने उनके घर का ताला तोड़ दिया। दो अलमारी के लाकरों का ताला तोड़कर पत्नी और बहू के सोने-चांदी के तकरीबन पांच लाख रुपये कीमत के जेवर लेकर भाग निकले। बताया कि वह वापस अपने घर पहुंचे तो ताले टूटे पड़े थे और जेवर गायब थे। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

एसपी के आदेश पर चार ससुरालीजनों पर रिपोर्ट

उरई/जालौन,जीएनएस। अतिरिक्त दहेज के रूप में 10 लाख रुपये न मिलने पर ससुरालियों ने विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया। एसपी के आदेश पर पुलिस आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है। क्षेत्र के ग्राम लौना निवासी अंचल कुशवाहा ने पुलिस को बताया कि उनके पिता पवन कुमार ने फरवरी 2023 में उनकी शादी उरई कोतवाली क्षेत्र के पटेलनगर निवासी आकाशदीप के साथ की थी। शादी के बाद से ही ससुराल वाले ताने मारने लगे कि उनका बेटा सर्विस करता है। इसके बाद भी उसे पर्याप्त दहेज नहीं मिला है। उन्हें अतिरिक्त दहेज के रूप में 10 लाख रुपये और चाहिए। अन्यथा वह उसे घर से निकाल देंगे। मांग पूरी न होने पर उसका उत्पीड़न शुरू कर दिया। पीड़िता ने इसकी शिकायत कोतवाली पुलिस से की थी,

गैंगस्टर एक्ट में फरार भूमाफिया गिरफ्तार

फर्जी दस्तावेज बनाकर दूसरों की जमीन पर करता था कब्जा

अलीगढ़,जीएनएस। जिले में महुआखेड़ा पुलिस ने आमजनों के साथ जालसाजी करने और फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन कब्जाने वाले एक भूमाफिया को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही थी। पुलिस को रविवार को आरोपी की सूचना मिली थी। जिसके बाद महुआखेड़ा पुलिस ने तत्काल टीम का गठन किया और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश शुरू की। पुलिस को देखकर आरोपी ने भागने की भी कोशिश की, लेकिन टीम ने आरोपी को दबोच लिया। आरोपी से पूछताछ की जा रही है, जिसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस के अनुसार आरोपी खाली पड़ी जमीनों पर कब्जा करने का काम करता था। आरोपी पहले फर्जी दस्तावेज तैयार करता था और फिर उस पर कब्जा कर लेता था।

इसके बाद आरोपी एक ही जमीन को कई लोगों को बेंचता था। आरोपी की लगातार शिकायतें आ रही थी। आरोपी के खिलाफ महुआखेड़ा थाने में ही एक दर्जन मुकदमें दर्ज हैं। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पिछले दिनों गैंगस्टर की कार्रवाई की थी और उसकी तलाश शुरू कर दी थी। मुकदमें दर्ज होने के बाद आरोपी लगातार फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। रविवार को आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने महुआखेड़ा थाना क्षेत्र के देवी नगला असदपुर कयामपुर निवासी दाऊदयाल पुत्र ओमप्रकाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी भू-माफिया के खिलाफ वर्तमान में अलीगढ़ में 15 नामजद मुकदमें दर्ज हैं, जिसमें एक गैंगस्टर एक्ट भी शामिल है। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस अब अन्य जनपदों में भी संपर्क कर रही है और आरोपी का अपराधिक इतिहास खंगाल रही है। सीओ सेकंड आरके सिसौदिया ने बताया कि आरोपी गैंगस्टर व भूमाफिया से पूछताछ की जा रही है। उसका अपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में एसएसआई संजय गिरी, एसआई रोहित सिंघु, कांस्टेबल अनुज तोमर, आकाश राणा, शिवम मलिक और अभिषेक कुमार शामिल रहे।

ब्रजेश पाठक बोले-पहले दंगों से होती थी अलीगढ़ की पहचान

समाजवादी सरकार में श्वन ड्रिस्ट्रिक, वन माफिया स्कीम लागू थी

अलीगढ़,जीएनएस। भाजपा की सरकार लगातार देख में विकास करने का काम कर रही है। हर जिले को पहचान दिलाने क लिए भाजपा ने 'वन ड्रिस्ट्रिक, वन प्रोडक्ट' की स्कीम लागू की। लेकिन समाजवादी की सरकार में 'वन ड्रिस्ट्रिक, वन माफिया' की स्कीम लागू थी। यह बात प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने रविवार को कही।सूबे के उप मुख्यमंत्री अलीगढ़ में रविवार को जीटी रोड स्थित एक पैलेस में बूथ सम्मेलन करने आए थे। उन्होंने सांसद प्रत्याशी को जिताने की अपील की और बूथ अध्यक्षों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि देश में जब से भाजपा सरकार आई है, सिर्फ विकास करने का काम कर रही है। हर व्यक्ति को साथ लेकर विकास की योजनाओं में शामिल किया जा रहा है। यह काम विपक्ष भी कर सकता था, लेकिन उन्होंने सिर्फ माफियाराज को बढ़ावा दिया। डिप्टी सीएम ने दवा किया कि

भारतीय जनता पार्टी इस बार का चुनाव जीत चुकी है। आम मतदाता विपक्ष की नीति और सोच को अच्छी तरह से पहचान रहा है। इसलिए सभी कार्यकर्ता पूरे जोर शोर से जुट जाएं और देखे कि अलीगढ़ में भाजपा भारी मतों से जीते और विपक्ष की जमानत भी जब्त हो जाए। भाजपा के बूथ अध्यक्षों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बूथ कार्यकर्ता पूरी ताकत से चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं। कोई भी कमी न छोड़ें, क्योंकि जब बूथ जीतेंगे तभी चुनाव भी जीतेंगे। हर एक व्यक्ति से संपर्क करें और उसे भाजपा की नीतियों के बारे में बताते हुए पार्टी को वोट देने की अपील करें। उन्होंने अलीगढ़ वालों से अपील करी कि वह विपक्ष को करारा जवाब दें। ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश में 2017 से पहले अलीगढ़ की पहचान दंगों के रूप में होती थी। लेकिन भाजपा सरकार आने के बाद दंगाइयों पर नकेल कसी गई और अब फिर से अलीगढ़ की पहचान ताले के लिए होने लगी है। भाजपा सरकार ने प्रदेश में अमन और भाईचारा कायम किया और आज हर व्यक्ति सुकून से जी रहा है। अलीगढ़ में तेजी से औद्योगिक करण हो रहा है और डिफेंस कॉरीडोर यहां की पहचान बनेगा।

वोटर्स को जागरूक करने के लिए मेडिकल कॉलेज में हुआ मैत्री मैच

डीएम और एसपी ने की बैटिंग, बनाए 8 और 11 रन

उरई/जालौन,जीएनएस। जालौन में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जिला प्रशासन और राजकीय मेडिकल कॉलेज के बीच मैत्री क्रिकेट मैच खेला गया, जिसका शुभारंभ जिला जज लल्लू सिंह, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय और पुलिस अधीक्षक ईरज राजा ने पुलिस लाइन में किया। स्वीप कार्यक्रम के तहत इस रोमांचक मुकाबले में जिला प्रशासन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। 20 ओवर में 292 रनों का विशाल लक्ष्य रखा। राजकीय मेडिकल की टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र 109 रन पर ऑल आउट हो गई। इस अवसर पर उपस्थित खिलाड़ियों व जनपद के मतदाताओं को ऑल इंडिया सैनिक स्कूल के कक्षा 6 के छात्र चिराग मिश्रा ने शपथ दिलाई। इस दौरान

जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने कहा कि मतदान के इस महापर्व में जनपद वासी पूरे उत्साह के साथ सभी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने लोकतंत्र के महापर्व में हिस्सा लेने की व वोट के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी लोगों से चुनावी महापर्व में पूरे जोश व उत्साह के साथ भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन व राजकीय मेडिकल कॉलेज की टीम ने जनपद वासियों को बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर मतदान के लिए जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि 20 मई को जनपदवासी बढ़ चढ़कर मतदान करें। आज के मैत्री मैच में जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में जिला प्रशासन और राजकीय मेडिकल कॉलेज के बीच खेला गया, जिला प्रशासन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 291 रन बनाए, जिसके जवाब में राजकीय मेडिकल कॉलेज की टीम ने विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए सिर्फ 109 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जिला प्रशासन टीम की ओर से जिलाधिकारी ने महत्वपूर्ण 8 रन व पुलिस अधीक्षक ने 11 का योगदान दिया, पुलिस अधीक्षक ने एक विकेट भी लिया। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने 1 रन व 2 विकेट, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे 1 रन 1 विकेट, अपर पुलिस अधीक्षक 00, क्षेत्राधिकारी जालौन ने 10 रन 01 विकेट, संदीप ने 144 रन, रवि ने 12 रन, विपिन ने 33 रन, पंकज तिवारी 33 रन और 4 विकेट लिए। राजकीय मेडिकल कॉलेज की ओर से सर्वाधिक उबेद ने 46 रन की पारी खेली, मनोज 02 रन, सुमित 00, अजय 11, कमल 00, अनुराग 14 रन, प्रशांत 04, मुख्य चिकित्सा अधिकारी 07 रन, ताहिर 00, श्रीकांत 00 रन ही बना सके। इस प्रकार जिला प्रशासन ने 183 रन से जीत हासिल कर चुनाव का पर्व, देश का गर्व के तहत मतदाताओं को मतदान हेतु संदेश दिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी पत्नी मंजुला पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक पत्नी कल्यानी, प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी शिवाकांत द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर प्रशिक्षु आरती साहू आदि अधिकारी सहित आदि मतदाताओं ने मैत्री मैच का लुफ्त उठाया।

ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर, युवक की मौत

उरई/जालौन,जीएनएस। जालौन में दोस्तों के साथ बाइक से घूमने आए एक युवक को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक घायल हो गया, जिसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, जिन्होंने

मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही ट्रक चालक के बारे में पता लगाने का प्रयास कर रही है। घटना उरई कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जालौन उरई स्टेट हाईवे स्थित ग्राम बोहदपुरा की है। उरई कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुकरगांव का रहने वाला राजा (22) पुत्र रामबाबू मुंबई में मजदूरी करता था। होली के मौके पर वह अपने गांव कुकरागांव आया हुआ था। शनिवार रात करीब 9 बजे वह अपने दोस्तों के साथ मोटरसाइकिल से उरई शहर में घूमने जा रहा था। वह अकेला मोटरसाइकिल पर सवार था, जबकि उसके अन्य साथी दूसरी मोटरसाइकिल से थे। इस दौरान राजा अपने दोस्तों के साथ जालौन उरई स्टेट हाईवे स्थित ग्राम बोहदपुरा के बाहर से निकल रहे थे तभी तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार राजा को टक्कर मार दी, जिसमें वह बाइक सहित उछलकर दूर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना को देख उसके साथी दहशत में आ गए और तत्काल सभी ने उसे घायल हालत में उठाकर राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने हालत देख उसका इलाज शुरू कर दिया, पर उसकी मौत हो गई।

रेस्टोरेंट में बेंची जा रही थी अवैध शराब, रेस्टोरेंट मैनेजर समेत चार गिरफ्तार

नोएडा,जीएनएस। लोकसभा चुनाव में शराब की अवैध बिक्री और ट्रांसपोर्टेशन कर लेकर आबकारी विभाग एक्शन में है और लगातार छापेमारी कर रहा है। इसी कड़ी में आबकारी विभाग और थाना 126 पुलिस ने एक इनपुट के आधार पर ग्राम रोहिल्लापुर सैक्टर-132 में बिना लाइसेंस और पुराने लाइसेंस में छेड़छाड़ कर रेस्टोरेंट में शराब पिलाने वाले मैनेजर सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से छेड़छाड़ कर बनाये गये फर्जी लाइसेंस और 55 बोतल शराब की बरामद की गई है। नोएडा के सेक्टर-132 स्थित गांव रोहिल्लापुर नोएडा स्थित बुराश रेस्टोरेन्ट में परोसी जा

रही अवैध शराब की सूचना मिलने पर आबकारी विभाग और थाना 126 पुलिस ने देर रात संयुक्त रूप से छापा मारकर रेस्टोरेन्ट के मैनेजर आलोक झा, धर्मवीर कुमार सोनू और मणिपुर निवासी थांगलेनहाऊ चोंगलोई को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पुराने लाइसेंस में छेड़छाड़ कर एफएल 11 लाइसेन्स को असली के रूप में दर्शाकर अधिक मुनाफा कमाने हेतु बिना वैध लाइसेंस के रेस्टोरेन्ट में शराब का सेवन कराया जा रहा था। रेस्टोरेंट की तलाशी लेने पर काउंटर के पास नीचे एक प्लास्टिक के कट्टे में 26 बोतल कोरोना एक्स्ट्रा प्रीमियम बीयर 330 एमएल 25 बोतल बीरा व्हाइट बीयर 330 एमएल फार सेल इन उत्तर प्रदेश ओनली, जैकब क्रिक व्हाइट वाइन 750 एमएल की एक सीलबंद और आधी भरी हुई बोतल और सुला ब्रांड की रेड वाइन 750 एमएल की एक सीलबंद और आधी भरी हुई बोतल बरामद किया गया।

विश्वविद्यालय में उत्सव संगम उल्लास का आयोजन

रैपर एमसी स्क्वायर ने छात्रों-स्टाफ को डांस के लिए मजबूर किया

नोएडा,जीएनएस। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अंतर विश्वविद्यालय उत्सव संगम उल्लास का आयोजन हुआ। इसमें विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन हुआ और कई विश्वविद्यालय और कॉलेज की करीब 60 टीमों ने हिस्सा लिया। उत्सव में डीजे सूट-अप और रैपर एमसी स्क्वायर ने अपनी परफॉर्मेंस दी और वहां मौजूद लोगों को डांस पर मजबूर कर दिया। विश्वविद्यालय के डायरेक्टर पीआर डॉ. अजीत कुमार ने बताया कि फेस्ट के पहले दिन संकाय सदस्यों और छात्रों सहित 70 से अधिक देशों के प्रतिभागियों के भी भाग लिया। दो दिवसीय उत्सव में 20 से अधिक कार्यक्रम जैसे बहस, फैशन शो,

मोनोलॉग, स्टैंड-अप कॉमेडी प्रदर्शन, रैप वॉर, ओपन-माइक शो जैसी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। शाम को डीजे सूट-अप ने अपनी परफॉर्मेंस देकर सबका दिल जीत लिया। दूसरे दिन भी विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन हुआ और विजेता टीम को पुरस्कार दिए गए। शाम को एमसी स्क्वायर के नाम से मशहूर रैपर अभिषेक बैंसला के रैप सॉन्ग, हिपहॉप तथा पंजाबी, हरियाणवी, बॉलीवुड गानों पर हर कोई झूम उठा। उन्होंने शुरुआत तू करती कदे बात नहीं से की। एमसी स्क्वायर के पंजाबी हरियाणवी सॉन्ग रोम रोम, बदमाश छोरा, नैना की तलवारे गाया तो इस कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किया। रैप सॉन्ग लाड़ो पूछे मुने तेरा रंग काला ने युवाओं को झूमने को मजबूर कर दिया। विश्वविद्यालय के चांसलर पीके गुप्ता ने कहा कि कहा इस तरह के आयोजन विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागियों को विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए एक साथ लाएंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक- डॉ. वरुण कुमार उपाध्याय द्वारा मीडिया टेक्स्ट प्रा.लि.,जी.टी. रोड रोहनियां, वाराणसी से मुद्रित कराकर एन 8/250 टी 24ए, राजेन्द्र विहार कॉलोनी, सुन्दरपुर, वाराणस-221005 से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक- *प्रवीण कुमार राय*

RNI No. : UPHIN/2023/84879 Mob. - 9335988525 Email : pdnewsvns@gmail.com

समस्त विवादों का निस्तारण वाराणसी न्यायालय के अधीन ही होंगे। खबरों के लिए स्थानीय संपादक जिम्मेदार होंगे।

कंगना रनौत ने बताया देश के पहले पीएम थे सुभाष चंद्र बोस, ट्रोलर्स को दिया मुंहतोड़ जवाब

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने देश के पहले प्रधानमंत्री को लेकर कुछ ऐसा कह दिया कि लोगों ने उनका मजाक बनाया। इस बीच एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। जिसमें उन्होंने आलोचकों को करारा जवाब दिया हैं बता दें एक्ट्रेस ने बीजेपी का दामन थाम लिया है। इतना ही नहीं, वह लोकसभा चुनाव 2024 में हिमाचल प्रदेश की मंडी से चुनाव भी लड़ेंगी। कंगना रनौत इन दिनों अपनी किसी फिल्म या प्रोजेक्ट के सिलसिले में नहीं बल्कि पॉलिटिक्स को लेकर सुर्खियों में हैं एक्ट्रेस का एक पुराना क्लिप वायरल हो रहा है जिसमें वह देश के पहले प्रधानमंत्री के रूप में सुभाष चंद्र बोस का नाम लेती हैं साथ ही कुछ अन्य बयानों के वीडियो भी वायरल हो रहे हैं जहां उन्होंने कहा था कि सरदार पटेल हमारे प्रधानमंत्री इसलिए नहीं बने क्योंकि उन्हें इंग्लिश नहीं आती थी। अब इस वायरल वीडियो को देख फैंस का रिएक्शन सामने आ रहा है इस बीच कंगना ने ट्रोलर्स को मुंहतोड़ जवाब दिया हैं एक्ट्रेस ने एक स्क्रीनशॉट शेयर कर सफाई दी है। कहा कि मजाक उनका नहीं, लोगों का बना। कंगना रनौत लोकसभा चुनाव से पहले एक इवेंट में पहुंची वहां उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के बारे में एक बयान दिया, जिसके बाद एक्ट्रेस की सोशल मीडिया पर जमकर आलोचना हुई थी। लोगों ने उनका खुलकर मजाक बनाया था। उनके सामान्य ज्ञान और राजनीति क्षमता पर सवाल उठाने लगे थे। कंगना रनौत ने 5 अप्रैल को लिखा, 'जो लोग मुझे भारत के पहले पीएम पर ज्ञान दे रहे हैं, उन्हें यह स्क्रीनशॉट पढ़ना चाहिए। यहां शुरुआती लोगों के लिए कुछ सामान्य ज्ञान है। वो सभी प्रतिभाशाली लोग, जो मुझे पढ़ाई करने के लिए कह रहे हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि मैंने इमरजेंसी नाम की एक फिल्म लिखी है। उसमें अभिनय किया है और निर्देशन भी। उसकी कहानी मुख्य रूप से नेहरू परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है। तो कृपया कोई मैंसप्लेनिंग न करें। इसके बाद ही एक्ट्रेस ने छक्ज्ट एक न्यूज आर्टिकल का स्क्रीनशॉट अटैच करके पोस्ट किया है। इसमें बताया गया है, '21 अक्टूबर, 1943 को स्वतंत्रता सेनानी नेताजी ने सिंगापुर में आजाद हिंद (स्वतंत्र भारत) की सरकार की स्थापना की। द्वितीय विश्व युद्ध की घोषणा के दौरान सुभाष चंद्र बोस ने खुद को प्रधान मंत्री, राज्य प्रमुख और युद्ध मंत्री आदि घोषित किया था।

आयुष शर्मा ने बताया, आखिर क्यों सलमान खान प्रोडक्शन के बाहर काम किया

एक्टर आयुष शर्मा अपनी अपकमिंग फिल्म रुसलान की रिलीज को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं। यह उनके जीजा के एसकेएफ (सलमान खान फिल्म्स) लेबल के बाहर उनकी पहली फिल्म है। एक्टर ने शुक्रवार को रुसलान के ट्रेलर लॉन्च पर मीडिया से बात करते हुए बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में उनकी यात्रा काफी धीमी रही है। लेकिन उन्होंने इसके हर पल का आनंद उठाया है। ट्रेलर लॉन्च में एक्टर के साथ फिल्म के कलाकार और क्रू भी शामिल थे। यह फिल्म 26 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ट्रेलर लॉन्च पर अभिनेता ने स्पष्ट किया कि केवल एसकेएफ के साथ काम करना उनका कभी भी इरादा नहीं था। उन्होंने कहा, मैं अब पांच साल से इंडस्ट्री में हूं और मेरी यात्रा बेहद धीमी रही है। लेकिन मैंने इसका हर पल आनंद लिया है। मैं खुद को हर प्रोजेक्ट में पूरी लगन से शामिल करता हूं। आयुष ने कहा, लवयात्री के बाद, जब मुझे अंतिम की पेशकश की गई, तो मुझे उस किरदार में ढलने के लिए बॉडी पर काम करने में तीन साल लग गए। मेरे लिए, अंतिम एक बहुत ही महत्वपूर्ण फिल्म थी। हम वास्तव में उस दौरान रुसलान पर चर्चा कर रहे थे।सलमान खान की छत्रछाया से दूर जाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जब आप परिवार से बाहर काम करते हैं, तो आपको और अधिक सीखने को मिलता है। मैं कितना भी खराब क्यों न हूं, मेरे निर्देशक और निर्माता ने मुझे वापस लिया। मेरी ओर से ऐसा कोई इरादा नहीं था कि मुझे केवल परिवार के साथ काम करना है।आयुष ने कहा, मैं एक अभिनेता हूं, और मुझमें भूख है। मैं उसी जुनून के साथ जितना संभव हो उतनी फिल्में करना चाहूंगा। अभिनेता ने एक्शन फिल्मों के प्रति अपने प्यार के बारे में भी बात की और कहा, मुझे बचपन से ही एक्शन फिल्में पसंद थीं। लंदन में एक रोमांटिक

गाना प्रस्तुत करना मेरा सपना था और वह लवयात्री के साथ पूरा हुआ। फिर अंतिम आई और मुझे एहसास हुआ कि मुझे भी एक्शन करना चाहिए। एक्शन फिल्में करना मेरा भी सपना था। रुसलान के बारे में आयुष ने कहा, यह केवल एक और एक्शन फिल्म नहीं हैय यह एक इमोशनल एक्शन फिल्म है। इसके पीछे एक इमोशनल कहानी है। इस फिल्म में मुझे सब कुछ करने को मिला। इसमें एक्शन,कॉमेडी, रोमांस, इमोशन सब कुछ है। करण ललित बुटानी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में आयुष के अलावा तेलुगु कॉमिक स्टार जगपति बाबू और सुश्री श्रेया मिश्रा भी हैं।

स्पॉटलेस स्किन और घने बालों के लिए रश्मिका मंदाना करती हैं घरेलू नुस्खों पर भरोसा

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना अपनी प्यारी स्माइल के अलावा अपनी स्पॉटलेस ग्लोइंग स्किन के लिए भी जानी जाती हैं। उनका नो मेकअप लुक तो कमाल का है ही और उनके घने बाल भी लाजवाब हैं। कई लड़कियां एक्ट्रेस की खूबसूरती का राज जानना चाहती हैं। तो चलिए आज एक्ट्रेस के जन्मदिन के मौके पर बताते हैं उनकी ग्लोइंग स्किन और हेल्दी बालों का राज...

ग्लोइंग स्किन के लिए

-रश्मिका दिन भर में 3 लीटर पानी पीती हैं ताकि शरीर के सारे जवच्पदे निकल जाए और स्किन अंदर से क्लीन हो, वहीं वो ब्यूटी प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल करने में भी बहुत सावधानी बरतती हैं। सन प्रोटेक्शन पर भी वो बहुत फोकस करती है। इसके अलावा कोई भी ब्यूटी प्रोडक्ट को इस्तेमाल करने से पहले वो उनके इंग्रीडिएट्स के बारे में जानकारी लेती हैं, ताकि उन्हें कोई साइड- इफेक्ट न हो।

- स्किन का खास ख्याल रखने के लिए वो एलोवेरा जेल इस्तेमाल करती है। तेज धूप में दिनभर शूटिंग के बाद स्किन को कूल करने के लिए वो एलोवेरा जेल को सूदिंग फेस मास्क की तरह इस्तेमाल करती हैं। आंखों की थकान, सूजन दूर करने के लिए वे एलोवेरा जेल को आंखों के नीचे अप्लाई करती हैं। बालों में भी वे एलोवेरा का इस्तेमाल करती हैं। इससे बाल सिल्की, शाइनी और मुलायम बनते हैं। इसके अलावा वो अपनी स्किन पर चावल, हल्दी पाउडर से तैयार फेस पैक भी अप्लाई करती हैं।

बालों का ऐसे रखती हैं ख्याल

-हेयर ऑयलिंग बालों के लिए बहुत फायदेमंद है और रश्मिका हफ्ते में 1- 2 बार कोकोनट ऑयल से अपने बालों को चंपी करती हैं।

-गर्मी के मौसम में पसीना बहुत आता है तो एक्ट्रेस बालों को साफ रखने में हफ्ते में 2-3 बार माइल्ड शैंपू से हेयर वॉश करती हैं। बालों में कड़ी धूप के चलते बहुत डैमेज होता है तो एक्ट्रेस हेयर मास्क और हेयर सीरम लगाती हैं। इससे उनके बाल घने और जड़ से मजबूत रहते हैं।

प्रतीक गांधी, विद्या बालन ने एक प्रेम कहानी को नए सिरे से पेश करने का वादा किया

प्रतीक गांधी और विद्या बालन की मुख्य भूमिकाओं वाली 'दो और दो प्यार' में इन अभिनेताओं की एक ताज़ा जोड़ी है। यहीं कारण हैजो फिल्म को 2024 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनाती है। फिल्म के निर्माताओं ने शनिवार को इसके ट्रेलर का अनावरण किया, जो दिखाता है यह फिल्म एक प्रेम कहानी को नए सिरे से पेश करने का वादा करती है। ट्रेलर की शुरुआत विद्या और प्रतीक द्वारा निभाए गए झगड़ते शादीशुदा जोड़े से होती है और दिखाता है कि साथ रहते हुए भी वे कितने दूर हैं। इसके बाद ट्रेलर सेंथिल राममूर्ति और इलियाना डिक्रूज़ के साथ उनके 'परफेक्ट' विवाहेतर संबंध की ओर इशारा करता है। हालाँकि, चीजें जल्द ही बदल जाती हैं जब विवाहित जोड़ा एक-दूसरे के करीब सोता है और एक-दूसरे के साथ समय मनाना शुरू कर देता है, फिर भी वे असमंजस की स्थिति में रहते हैं।ट्रेलर का अंत विद्या और प्रतीक द्वारा अपनी बालकनी में एक साथ रात्रिभोज का आनंद लेने के साथ होता है और अभिनेता द्वारा बोला गया संवाद ध्यान आकर्षित करता है। वह कहते हैं: 'शाकाहारी लोगों को सेक्स की अनुमति है क्या?' ट्रेलर हास्य, नाटक, रोमांस और निश्चित रूप से भ्रमित भावनाओं से भरा है। पिछले महीने, दो और दो प्यार के निर्माताओं ने इसका पहला गाना 'जज्बात है दिल' जारी किया था।यह फिल्म एलिप्सिस एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन, अप्लॉज़ एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत की गई है। फिल्म दो और दो प्यार की घोषणा इसी साल जनवरी में एक मोशन पोस्टर के साथ की गई थी और इसके साथ ही रिलीज डेट भी सामने आ गई थी। यह रोमांटिक थ्रिलर पहले 29 मार्च 2024 को रिलीज़ होने वाली थी। दो और दो प्यार का निर्देशन शीर्षा गुहा ठाकुरता ने किया है और यह उनकी निर्देशन की पहली फिल्म है। यह फिल्म 19 अप्रैल को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है।

रामायणः किस स्टार को कितनी फीस दी गयी? साईं पल्लवी तेलुगु फिल्मों से छह गुना ज्यादा

रामायण एक ऐसी फिल्म है जो हमेशा चर्चा में रहती है। रणबीर कपूर, साईं पल्लवी और यश नितेश तिवारी की फिल्म के लिए एक साथ आ रहे हैं, जो महाकाव्य का रूपांतरण है। जबकि आलिया भट्ट नितेश तिवारी की फिल्म में रणबीर कपूर के साथ जोड़ी बनाने वाली थीं, लेकिन आखिर में साई पल्लवी को यह भूमिका मिली। ये एक्ट्रेस का बॉलीवुड में बड़ा डेब्यू है। वैज्ञानिक पृष्ठभूमि वाली एक प्रेम कहानी के लिए उन्हें आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ भी जोड़ा गया है। अब स्टार्स की फीस को लेकर खबरें आ रही हैं कि फिल्म के लिए उनकी फीस में भारी बढ़ोतरी हुई है।रामायण एक ऐसी फिल्म है जो हमेशा चर्चा में रहती है। रणबीर कपूर, साईं पल्लवी और यश नितेश तिवारी की फिल्म के लिए एक साथ आ रहे हैं, जो महाकाव्य का रूपांतरण है। जबकि आलिया भट्ट नितेश तिवारी की फिल्म में रणबीर कपूर के साथ जोड़ी बनाने वाली थीं, आखिरकार साई पल्लवी को यह भूमिका मिली। ये एक्ट्रेस का बॉलीवुड

में बड़ा डेब्यू है। वैज्ञानिक पृष्ठभूमि वाली एक प्रेम कहानी के लिए उन्हें आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ भी जोड़ा गया है। अब स्टार्स की फीस को लेकर खबरें आ रही हैं कि फिल्म के लिए उनकी फीस में भारी बढ़ोतरी हुई है।कोइमोई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, साई पल्लवी को फिल्म के लिए दो से तीन करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा। कहा जा रहा है कि इस पौराणिक फिल्म के लिए उन्हें करीब 6 करोड़ रुपये मिलेंगे। इसका मतलब है कि उन्हें फिल्म के लिए 18 से 20 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा। दूसरी ओर, यश प्रति फिल्म लगभग 50 करोड़ रुपये चार्ज करेंगे। इसका मतलब है कि उन्हें कुल मिलाकर 150 करोड़ रुपये मिलेंगे। लेकिन रामायण रणबीर कपूर के लिए भारी कमाई साबित होने वाली है। वह 75 करोड़ रुपये और कुल मिलाकर 225 करोड़ रुपये कमाएंगे। सेट से रामायण की तस्वीरें लीक हो गई हैं। हमने कैकेयी के रूप में लारा दत्ता की तस्वीरें देखीं, जबकि अरुण गोविल दशरथ की भूमिका निभा रहे हैं। अब, निर्माताओं ने चीजों को सख्त करने का फैसला किया है। गोविल ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि नितेश तिवारी रामायण का गरिमामय संस्करण बनाएंगे। उन्होंने कहा कि वह बहुत मेहनती इंसान हैं। ब्रह्मास्त्र के लिए रणबीर कपूर को 25 करोड़ रुपये दिए गए थे जबकि रामायण के लिए उन्हें 75 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

रोमांटिक फिल्म 'फैमिली स्टार' लोगों को बहुत पसंद आ रही

विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर की रोमांटिक फिल्म 'फैमिली स्टार' लोगों को बहुत पसंद आ रही है। इस फिल्म को दर्शकों से मिक्स रिव्यू भी मिले हैं। वहीं पहली बार साथ में स्क्रीन पर काम कर विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर ने सभी का दिल जीत लिया। दोनों की रोमांटिक केमिस्ट्री फैंस को बहुत पसंद आ रही है। इस फिल्म को लेकर जबरदस्त बज देकने को मिला है। अब 'द फैमिली स्टार' के रिलीज होने के बाद इसके पहले दिन की कमाई भी सामने आ चुकी है।परशुराम पेटला के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को ऑडियंस की तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। दर्शकों और आलोचकों दोनों से मिली-जुली समीक्षा मिलने के बावजूद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है। फिल्म 'फैमिली स्टार' ने पहले दिन का बॉक्स ऑफिस शानदार कलेक्शन किया है। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जोरदार शुरुआत की और अपने पहले दिन में पूरे भारत में लगभग 5.75 करोड़ रुपये की कमाई की। शुक्रवार, 5 अप्रैल 2024 को फिल्म 'फैमिली स्टार' ने तेलुगु में कुल मिलाकर 38.45ः कमाई की। शोटाइम के देखने तो सुबह के शो में 37.21ः, दोपहर के शो में 40.85ः, शाम के शो में 34.81ः और रात के शो में 40.92ः ऑक्यूपेंसी देखी गई। शुरुआती अनुमान के अनुसार, 'द फैमिली स्टार' ने अपने दूसरे दिन सभी भाषाओं में लगभग 0.04 करोड़ की कमाई की है, जिससे कुल कमाई 5.79 करोड़ रुपये हो गई है। विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर स्टारर रॉम-कॉम फिल्म 'फैमिली स्टार' पिछले लंबे समय से चर्चा में बनी हुई थी। 'फैमिली स्टार' में विजय देवरकोंडा और मृणाल ठाकुर लीड रोल में नजर आए। निर्देशक परसुराम की विजय देवरकोंडा के साथ ये दूसरी फिल्म है। फिल्म में दिव्यांशा कौशिक, अजय घोष और वासुकी जैसे एक्टर्स भी हैं।'फैमिली स्टार' एक्टर विजय देवरकोंडा ने रील में उनके पिता देवरकोंडा गोवर्धन राव, एक्टर ने अपनी कुछ अनदेखी तस्वीरें और उनके भाई आनंद के बचपन की तस्वीरें शेयर की हैं। रील पर टेक्स्ट भी लिखा है, 'माई फैमिली स्टार3 आपके बिना मैं इतना नहीं कर पाता आज जहां मैं वो सिर्फ आपकी बदौलत हूं। एक बच्चे के रूप में मेरे पहले कदम से लेकर आज मेरे हर कदम तक, मुझे पता है कि आप मेरे आप पीछे खड़े रहेंगे और मुझे हमेशा सही रास्ता दिखाएंगे। आपने संघर्ष किया इसलिए मुझे कभी संघर्ष नहीं करना पड़ा,

नवरात्रि पर ऐसे करें घर की डेकोरेशन, मां दुर्गा के आगमन से पहले सजाएं आशियाना

चैत्र नवरात्रि आने वाले हैं। इन 9 दिनों में भक्त पूरे श्रद्धा भाव के साथ मां की आराधना करते हैं और उनका आशीर्वाद हासिल करते हैं। मां के आगमन से पहले ही घरों में तैयारियां शुरु हो जाती हैं। अच्छी तरह से साफ-सफाई करने के बाद लोग अपने घरों को सजाते हैं। ऐसे में यदि आप भी इस नवरात्रि अपने घर की सजावट करने की सोच रहे हैं तो आज आपको कुछ ऐसे आइडियाज दिखाते हैं जिनके जरिए आप अपना आशियाना सजा सकते हैं। हिंदू धर्म में कोई भी त्योहार रंगोली के बिना अधूरा माना जाता है।

ऐसे में इस खास दिन से पहले आप अपने घर में रंगोली बना सकते हैं। इस तरह की लाइट्स आप अपने घर में लगा सकते हैं। लाइट्स के साथ रोशन घर में आप मां दुर्गा का स्वागत कर सकते हैं। अगर आप लाइट्स नहीं लगाना चाहते तो घर में अंदर ऐसे छोटे-छोटे मटकी वाले दीए भी सजा सकते हैं। मुख्य द्वार पर आप फूलों से बना तोरण लगा सकते हैं। वास्तु मान्यताओं के अनुसार, इसे घर में लगाने से नेगेटिविटी दूर होती है। मंदिर में आप ऐसे लंबी-लंबी फूलों की मालाएं और छोटे-छोटे दीए साइड में सजा सकते हैं। फूलों के साथ आप अपने घर में धार्मिक माहौल बना सकते हैं। नौ दिनों तक मां की पूजा करने के लिए आप थाली को भी सजा सकती हैं। मोतियों के साथ बनी ऐसी थाली के साथ आप रोज पूजा कर सकते हैं।